फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 54 प्रभात जयपुर, बुधवार 24 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

From 'Juto Shelai to Chandipath'

The exclusive women team in Jaipur, with their first initiative, is sending out a strong message that "start believing in the endless possibilities which women are capable of"

Wild Parrots Addicted to Opium

A Bizarre Phenomenon in the North-West missing from Southern India

विश्वास नहीं जम पा रहा, भारतीय प्रोफेशनल्स का ट्रंप की ''इमिग्रेशन'' नीतियों पर

नवीनतम नीति के अनुसार, अमेरिका उन विदेशी प्रोफैशनल्स को प्राथमिकता देगा, जिनका वेतन भारी है और शैक्षणिक योग्यता भी अधिक है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अब तक एच-1बी वीज़ा, लॉटरी सिस्टम से दिया जाता था, जिसमें कम या भारी तनख्वाह पाने वालों को एक ही पलड़े में रखा जाता था, लॉटरी निकालने से पहले।
- यूनएन की 80वीं जनरल असैम्बली को संबोधित करते हुए, ट्रंप ने विदेशी प्रोफैशनल्स को वीज़ा देने की नई नीति को उजागर किया।
- ट्रंप ने अपने भाषण में यूरोपीय देशों की भी काफी आलोचना की, कि इन देशों ने गैर-कानूनी तरीके से सीमा पार से आने वाले वर्कर्स की समस्या पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया और इसीलिए ये यूरोपीय देश भारी संकट में हैं।
- भारतीय आईटी प्रोफैशनल्स व अमेरिका की बड़ी-बड़ी आईटी कम्पनियां, आपस में पूर्णतया सहयोग कर रही हैं, ट्रंप की नित्य, रोज-रोज बदलती नीतियों के साथ एडजस्ट करने के लिए। जितना आवश्यक भारतीय आईटी प्रोफैशनल्स के लिए अमेरिका में नौकरी मिलना है, उतना जरूरी अमेरिका की आईटी कम्पनियों के लिए भारतीय वर्कर्स को नौकरी देना है, क्योंकि अगर विदेशी आईटी प्रोफैशनल्स नहीं हों तो इस सैक्टर के लिए अमेरिका में जीवित रहना उतना ही मुश्किल हो जायेगा।

नई दिल्ली, 23 सितंबर। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के भाषण ने यह भरोसा नहीं दिलाया कि अमेरिका एच-1बी वीज़ा रखने वाले भारतीय प्रवासियों का स्वागत करेगा। इसके बजाय यह धारणा और मजबूत हुई कि यह राष्ट्रपति अमेरिका में विदेशी कामगारों की मौजूदगी को सीमित करने पर तुला हुआ है।

ट्रंप प्रशासन ने अचानक ही हर एच-1बी वीज़ा आवेदक पर प्रति वर्ष 1,00,000 डॉलर की भारी फीस लगाने की घोषणा कर दी। व्यापक विरोध के बाद सरकार ने सफाई दी कि बढ़ी हुई वीज़ा फीस सिर्फ नए आवेदकों पर लागू होगी और वर्तमान वीज़ा धारकों को बिना किसी रुकावट के काम जारी रखने दिया जाएगा।

आज ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीज़ा के आवंटन की एक नई प्रणाली की भी घोषणा की, जिसमें आवेदकों के वेतन और शैक्षिक योग्यता को जोड़ा जाएगा। नई योजना के तहत अब वीज़ा लॉटरी प्रणाली से नहीं दिए जाएंगे, बल्कि अब ऊँचे वेतन वाली नौकरियों और अधिक शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों को प्राथमिकता मिलेगी।

इरादा यह है कि केवल बहुत ऊँचे वेतन वाले पदों पर कार्यरत लोगों की ही इन वीज़ाओं तक आसान पहुँच मिले

(शेष पृष्ठ 5 पर)

आरपीएससी में तीन सदस्य नियुक्त

अजमेर, 23 सितम्बर। राजस्थान लोक सेवा आयोग में तीन नये सदस्य नियुक्त किए गये हैं। पूर्व आईपीएस हेमंत प्रियदर्शी के अलावा, डॉ. सुशील

- पूर्व आईपीएस हेमंत प्रियदर्शी, कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. अशोक कलवार तथा शिक्षाविद् डॉ. सुशील कुमार बिस्सू सदस्य बने।

कुमार बिस्सू व डॉ. अशोक कुमार कलवार सदस्य बने हैं।

आयोग में अभी छह सदस्यों के पद खाली चल रहे थे। अब तीन नये सदस्यों की नियुक्ति होने के बाद, आयोग सदस्य के दस में से सात पद भर गये हैं, पर तीन पद अब भी खाली हैं। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में राजस्थान लोक सेवा आयोग में यह दूसरी नियुक्ति है। इससे पहले, पूर्व डीजीपी यूआर साहू को अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। हेमंत

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल गांधी की ''यात्रा'' ज्यादा रास नहीं आ रही आरजेडी को

आरजेडी का मानना है, यात्रा ज्यादा सफल हुई तो कांग्रेस और अधिक सीटें मांगेगी और इससे तेजस्वी को मु.मंत्री बनाने की कोशिश में दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- उदाहरण के लिए, 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 70 टिकट देने पड़े थे, महागठबंधन को, पर, कांग्रेस जीती केवल 19 सीटों पर।
- कांग्रेस का जवाबी तर्क है, उसे अधिकतर वो सीटें दी गई थीं, जिन पर महागठबंधन का जीतना असंभव था। अतः इस बार कांग्रेस का ख्वाब है, चाहे पाँच-सात टिकट कम मिलें, पर वो सीटें मिलें जहाँ वह मजबूत है और जीत सकती है।
- बहरहाल, शायद अभी कांग्रेस व आरजेडी अपने-अपने रास्ते पर अलग-अलग चल रहे हैं।

नई दिल्ली, 23 सितंबर। प्रतीकात्मक रूप से यह अवसर बहुत बड़ा है, 1940 के बाद यह पहला अवसर है कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की विस्तारित बैठक को बुधवार को पटना के सदाकत आश्रम स्थित पार्टी मुख्यालय में हो रही है। राहुल गांधी की हालिया ''वोट अधिकार यात्रा'' की पृष्ठभूमि में, कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारण संस्था सीडब्ल्यूसी की इस ऐतिहासिक स्थल पर बैठक नवंबर में होने वाले चुनावों को लेकर पार्टी के उत्साह का संकेत मानी जा रही है।

वस्तुतः यह बड़ा आयोजन एक राजनीतिक दबाव के तरीके के और कुछ नहीं माना जाना चाहिए, जिसका उद्देश्य लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल आरजेडी के साथ सीटों के बंटवारे में अधिकतम और जिताऊ सीटें हासिल करने का अप्रत्यक्ष प्रयास है।

महागठबंधन की उभरती राजनीतिक बारीकियाँ इसकी सूक्ष्म

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ट्रंप का ''वीज़ा खेल'' : भारत को शॉर्ट-टर्म परेशानी, पर अमेरिका को दीर्घकालीन नुकसान

इकॉनमिस्ट, अमेरिका की ग्रोथ को 2 प्रतिशत से घटाकर 1.5 प्रतिशत रहने की आशंका जता रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दूसरी ओर, भारत की विशाल जानी-मानी आईटी कंपनियाँ, भारत के आईटी उद्योग टैरिफ से उत्पन्न होने वाली दिक्कतों का सामना करने के लिए काफी समय से तैयारियाँ कर रही थीं।
- उदाहरण के लिए, इन कंपनियों ने अमेरिका में ही स्थानीय वर्क फोर्स तैयार कर ली थी। अतः भारत तत्कालिक पीड़ा को, नई बिजनैस रणनीति, डिलिवरी मॉडल में तब्दीलियाँ करके बर्दाश्त कर लेगा।

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का अचानक एच-1बी वीज़ा पर 1,00,000 डॉलर की भारी फीस लगाने का फैसला फिलहाल भारतीय टैक कर्मचारियों को झटका दे सकता है, लेकिन असली बड़ा नुकसान अमेरिका को होने का अंदेशा है। भारत, जहां एच-1बी वीज़ा धारकों की सबसे बड़ी संख्या है, को शुरुआती परेशानी ज़रूर होगी, पर अर्थशास्त्री चेतावनी दे रहे हैं कि इससे अमेरिका को अपनी आर्थिक वृद्धि में रुकावट आने का खतरा है, टैक्नॉलजी में उसकी प्रतिस्पर्धा कमज़ोर हो सकती है और सिलिकॉन वैली के अलावा भी, कई क्षेत्रों को नुकसान पहुँच सकता है। सप्ताहांत में हुई इस घोषणा ने अमेरिका की टैक्नॉलजी दुनिया में अफरा-तफरी मचा दी। विदेशी कर्मचारी देश से बाहर फँस जाने के डर से उड़ानों की तलाश में जुट गए, जबकि सिलिकॉन वैली की कंपनियों ने कर्मचारियों को यात्रा न करने की सलाह दी। कुछ घंटों में ही वाइट हाउस को सफाई देनी पड़ी कि यह फीस सिर्फ नए वीज़ा आवेदनों पर लगेगी और वह भी एक बार की होगी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

महान ध्येय का मौन में ही सृजन होता है। –साने गुरूजी

स्वास्थ्य सेवाओं में हर कहीं खामियां मिली सीएजी की जांच में

सभी लोगों के लिए उत्तम स्वास्थ्य की व्यवस्था करना किसी भी कल्याणकारी शासन की प्रमुख जिम्मेवारी होती है। स्वास्थ्य राज्य के मूलभूत दायित्वों में शामिल है। नागरिकों के स्वस्थ रहने का अधिकार न केवल उनकी व्यक्तिगत भलाई से जुड़ा है बल्कि यह राष्ट्र की प्रगति, उत्पादकता और सामाजिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है।लेकिन अब स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाएं जिस प्रकार बाज़ार के हवाले की जा रही हैं वह चिंताजनक है। हालांकि भारतीय संविधान के निर्माताओं ने जिस प्रकार स्वतंत्रता, समानता और न्याय को नागरिकों के मौलिक अधिकार बनाया उसी तरह स्वास्थ्य को संविधान में सीधे तौर पर मौलिक अधिकार के रूप में शामिल नहीं किया, लेकिन उन्होंने इसे राज्य की जिम्मेदारी और नीति निर्देशक सिद्धांतों के रूप में प्रमुखता दी। बाद में सर्वोच्च न्यायालय की विभिन्न व्याख्याओं से स्वास्थ्य का अधिकार मौलिक अधिकार के रूप में जरूर प्रतिष्ठित हो गया। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार यह व्याख्या की है कि 'जीवन का अधिकार' केवल जीवित रहने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार भी शामिल है। गरिमापूर्ण जीवन का अर्थ है कि नागरिकों को न्यूनतम स्वास्थ्य सुविधाएं, स्वच्छ पर्यावरण और सर्वसुलभ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों। मगर यह अब राज्य के लिए खुद करना दुरूह होता जा रहा है।

संविधान के अनुच्छेद 21(जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) के साठ अनुच्छेद 39(इ) और 39(एफ)में राज्य को यह निर्देश देते हैं कि श्रमिकों और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा की जाए और बच्चों को स्वस्थ वातावरण मिले। अनुच्छेद 42 में मातृत्व और प्रसूति संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी मानी गई है। अनुच्छेद 47 में स्पष्ट प्रावधान है है कि राज्य का कर्तव्य है कि वह पोषण स्तर और जीवन स्तर को ऊंचा उठाए तथा जनस्वास्थ्य में सुधार करे।यानी संविधान ने स्वास्थ्य को नीति निर्देशक सिद्धांतों में डालकर इसे राज्य का दायित्व तो बनाया, लेकिन न्यायालय में प्रत्यक्ष रूप से लागू करने योग्य अधिकार नहीं माना। आज व्यावहारिक स्थिति बताती है कि राज्य संविधान निर्देशित इस जिम्मेदारी को पूरी तरह नहीं निभा पा रहा है। योजनाएं तो बनती हैं, लेकिन अकर्मण्य कार्यपालिका उनका प्रभावी क्रियान्वयन करने में असफल रहती है। राज्य सरकार की इस असफलता की सच्चाई राज्य के वित्त प्रबंधन पर निगाह रखने वाली संवैधानिक संस्था भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की नई रिपोर्ट में भी खुल कर सामने आई है।

स्वास्थ्य मानव विकास का एक महत्वपूर्ण संकेतक और आर्थिक एवं सामाजिक विकास का एक आधारभूत घटक है। नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए एक सुदृढ़ सार्वजनिक स्वास्थ्य के ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सीएजी की इस नमूना जांच में सामने आया है कि प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में डॉक्टरों, विशेषज्ञों, नर्सों और पैरामेडिक्स की कमी है, सरकारी चिकित्सा संस्थानों के आईपीडी में सामान्य शल्य चिकित्सा, बाल रोग, अस्थि रोग और दुर्घटना एवं ट्रॉमा वार्ड जैसी आवश्यक न्यूनतम सुनिश्चित सेवाओं का भी अभावहै, वहां आपातकालीन, गहन चिकित्सा इकाइयों, रक्त बैंकों जैसी सेवाओं में भी कमियां हैं, सरकारी अस्पतालों और जिला औषधि गोदामों में आवश्यक दवाओं की पूरी उपलब्धता नहीं है, चिकित्सा इकाइयों को जारी की गई दवाइयां मांग की गई मात्रा से कम होती हैं, औषधि खरीद के लिए दर अनुबंधों को अंतिम रूप देने में अनावश्यक देरी होती है और क्रय आदेश तब दिए जाते हैं जब बफर स्टॉक निर्धारित बफर स्तर से बहुत नीचे चले जाते हैं, प्रयोगशालाओं से गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्टें देरी से मिलती हैं, गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट के बिनाही स्थानीय स्तर पर दवाइयां खरीद ली जाती हैं, अमानक गुणवत्ता वाली दवाओं का निर्माण करने वाली फर्मों के विरुद्ध कार्रवाई में काफी में शिथिलता होती है और सरकारी संस्थानों में में विभिन्न श्रेणियों में भारतीय लोक स्वास्थ्य मानकों (आईपीएचएस) के अनुसार आवश्यक उपकरण उपलब्ध नहीं हैं। लेखा परीक्षा में राज्य के सरकारी चिकित्सा संस्थानों में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, बिजली और पीने योग्य पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान तक में कमियां पाई गईं। सीएजी की रिपोर्ट में यह चिंताजनक जानकारी भी सामने आई है कि राज्य के रेगिस्तानी, आदिवासी और मैदानी इलाकों में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे की कमी है और राज्य सरकार के पास इस कमी को दूर करने और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के लिए कमी वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देने की कोई ठोस योजना नहीं है।

स्वास्थ्य मानव विकास का एक महत्वपूर्ण संकेतक और आर्थिक एवं सामाजिक विकास का एक आधारभूत घटक है। नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए एक सुदृढ़ सार्वजनिक स्वास्थ्य के ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सीएजी की इस नमूना जांच में सामने आया है कि प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में डॉक्टरों, विशेषज्ञों, नर्सों और पैरामेडिक्स की कमी है।

प्रशासन तंत्र की घोर निष्क्रियता को दर्शाती एक और बात लेखापरीक्षा में सामने आई है कि राज्य की चिकित्सा परिषद की न तो संरचना और न ही कार्यप्रणाली राजस्थान चिकित्सा अधिनियम की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इसी प्रकार राज्य फार्मेसी परिषद ने भी प्रदेश में फार्मेसी निरीक्षकों की नियुक्ति ही नहीं की है। सवाल उठता है कि इन निकायों द्वारा प्रभावी नियमन सुनिश्चित करने के लिए राज्य चिकित्सा परिषद और राज्य फार्मेसी परिषद के कामकाज की निगरानी प्रशासनिक स्तर पर क्यों नहीं की जाती। भारी भरकम शीर्ष प्रशासनिक अमले के बावजूद इन खामियों के लिए कौन जिम्मेवार है यह सवाल निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं पूछते। वे सीएजी की रिपोर्टें शायद ही गौर से पढ़ते हों जो स,वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप नियमित रूप से विधान सभा के पटल पर राखी जाती है। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव इस चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के प्रशासनिक प्रमुख हैं। उनकी मदद करने के लिए निदेशक (जन स्वास्थ्य) है, जो समग्र योजना बनाने और गतिविधियों की निगरानी के लिए जिम्मेदार हैं। जिला स्तर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएंडएचओ) और ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) योजनाओं के प्रशासन और कार्यान्वयन में मदद करते हैं। इसी प्रकार प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा विभाग (डीएमई) के प्रशासनिक प्रमुख हैं और आयुक्त (डीएमई) उनकी सहायता करते हैं, जो सरकारी मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों की गतिविधियों की निगरानी के लिए जिम्मेदार हैं। कॉलेजों के प्रधानाचार्य और नियंत्रक (पी एंड सी) संस्थानों के प्रमुख हैं और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध प्रत्येक अस्पताल एक अधीक्षक के प्रभार में कार्य करता है।सभी को मोटा वेतन और साथ में अनेक सुविधाएं मिलती हैं। मगर वे जो परिणाम देते हैं उसकी पोल सीएजी की उस रिपोर्ट में खुलती है मगर किसी का बाल भी बांका नहीं होता।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति ने 2025 तक समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया था। इसके अलावाराज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च को राज्य के बजट के 8 प्रतिशत से अधिक तक बढ़ाने की भी परिकल्पना की गई है। लेकिन हम पाते हैं कि राज्य सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में स्वास्थ्य व्यय1.08 और 1.36 प्रतिशत के बीच ही रहा, जो दर्शाता है कि 2.5 प्रतिशत का लक्ष्य इस वर्ष तक प्राप्त होने की कोई संभावना नहीं है। इसी प्रकार, कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में स्वास्थ्य व्यय 8 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले 5.25 और 6.95 प्रतिशत के बीच रहा है। सीएजी की रिपोर्ट यह चिंताजनक आंकड़ा भी देती है कि राज्य में स्वीकृत पदों की संख्या 22,018 के मुकाबले 15,121 चिकित्सक ही उपलब्ध थे। लेखापरीक्षा में यह भी पाया गया है कि राजस्थान सरकार के पास स्वास्थ्य क्षेत्र में भर्ती और स्टाफिंग के लिए कोई दीर्घकालिक योजना नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य का विषय है और राज्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास का मार्गदर्शन करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी) की तर्ज पर अपनी नीतियाँ बनाएं। लेकिन लेखापरीक्षा में पाया गया कि राज्य सरकार ने कोई राज्य-विशिष्ट स्वास्थ्य नीति नहीं बनाई है।

लेखापरीक्षा ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उपलब्ध धन की निरंतर बचत और अपर्याप्त उपयोग भी पाया है, जो विभागों में अप्रभावी नियंत्रण का संकेत है। 2016-17 से 2021-22 तक चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग के कुल बजट 77,246.20 करोड़ रुपयों में से, व्यय 71,188.81 करोड़ रुपये ही था। 2016-17 से 2021-22 के दौरान स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पूंजीगत मद में 1,079.11 करोड़ रुपये (18.52 प्रतिशत) और राजस्व मद में 4,978.28 करोड़ रुपये (7 प्रतिशत) की कुल बचत हुई। अर्थात सरकार ने बजट में जितना धन रखा वह पूरा खर्च नहीं हुआ क्योंकि प्रशासनिक तंत्र अपनी जिम्मेवारी से लापरवाह रहा। संवैधानिक संस्था की यह रिपोर्ट बताती है कि शासन का काम जमीनी स्तर पर ठोस परिणामों में नहीं दिख रहा है। स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत मामला नहीं बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय प्रश्न है। यह क्योंकि राज्यों का विषय है इसलिये इसकी जिम्मेवारी राज्य सरकार पर अधिक होती है जो राज्य विधान सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। सीएजी की रिपोर्ट विधान सभा के पटल पर रखी जाती है और अपेक्षा की जाती है कि निर्वाचित प्रतिनिधि इसे पढ़ कर उसमें बताई गई खामियों को ठीक करने के लिए आवाज़ उठा कर सरकार को सक्रिय कदम उठाने के लिए मजबूर करेंगे। लेकिन अनुभव बताता है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास उन्मादी राजनीति करने के अलावा और किसी में रुचि नहीं होती है। आमजन से जुड़े स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर सदन में खम ठोंकने वाले निर्वाचित प्रतिनिधि कभी गंभीर विमर्श नहीं करते। भारत विश्व शक्ति बनने का सपना देख रहा है। यह सपना तभी साकार हो सकता है जब उसका नागरिक स्वस्थ, सशक्त और सुरक्षित महसूस करे। सार्वजनिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाएं मीडिया प्रचार में नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन में दिखनी चाहिए।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

बांसवाड़ा में उगेगा सोने का सूरज

शारदीय नवरात्रि की पावन बेला में विकास का महाशिलान्यास करेंगे पीएम मोदी

शक्ति और साधना के प्रतीक शारदीय नवरात्रि की पावन बेला में राजस्थान का जनजाति बहुल दक्षिणांचल नई ऊर्जा और नए विश्वास का साक्षी बनने जा रहा है। देवी त्रिपुरा सुंदरी की दिव्य छत्रछाया, माही माता की जीवनदायिनी धारा, मानगढ़ के गौरवशाली इतिहास और संत मावजी की पवित्र भूमि पर 25 सितंबर का दिन केवल कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि भविष्य के उज्ज्वल अध्याय की शुरुआत बनकर दर्ज होगा। इस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बांसवाड़ा जिले की छोटी सरवन पंचायत समिति के नापला गांव पहुंचकर 1 लाख 22 हजार 441 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। राजस्थान के जनजाति बहुल दक्षिणांचल वागड़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर हो रहा यह आयोजन एकात्म मानववाद और अंत्योदय के आदर्शों को नई ऊर्जा देगा, मानो देवी की आराधना और विकास का संकल्प एक साथ साकार हो रहे हों।

राजस्थान सरकार का दूरदर्शी सहयोग :-प्रधानमंत्री की इस ऐतिहासिक यात्रा को सफल बनाने में राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मुख्यमंत्री ने स्वयं नापला गांव और आयोजन स्थल का दौरा कर तैयारियों का गहन निरीक्षण किया। मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सहायता, यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण से लेकर हर व्यवस्था को उच्च स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। राज्य सरकार ने परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय स्वीकृतियां और बुनियादी ढांचे के विकास में त्वरित कार्रवाई कर केंद्र की योजनाओं को गति दी। मुख्यमंत्री ने इसे केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि दक्षिण राजस्थान के जनजातीय अंचल को आत्मनिर्भर बनाने का युगांतकारी कदम बताया है।

प्रधानमंत्री मोदी इस अवसर पर प्रदेश की दूसरी और देश की महत्वपूर्ण परमाणु ऊर्जा परियोजना माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास करेंगे। लगभग 42,000 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना 2800 मेगावाट की क्षमता वाली होगी, जिसमें 700-700 मेगावाट की चार अत्याधुनिक इकाइयां शामिल हैं। बांसवाड़ा जिले की छोटी सरवन तहसील के आड़ीभीत, बारी, कटुम्बी, सजवानिया और रेल गांवों में बनने वाली यह परियोजना प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर तकनीक पर आधारित होगी, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के बिना स्वच्छ बिजली उत्पादन में सक्षम है। यह परियोजना केवल बिजली का स्रोत नहीं, बल्कि प्रकृति और प्रगति के बीच सामंजस्य का प्रतीक होगी।

ये कार्यक्रम भी हैं प्रस्तावित :-निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बांसवाड़ा से 1 लाख 22 हजार 670 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री राजस्थान को 42 हजार करोड़ रुपए की माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना सहित 1 लाख 8 हजार 468 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं और विकास कार्यों की सौगात देंगे। वे इस अवसर पर राजस्थान सरकार के 30 हजार 339 करोड़ रुपए से अधिक के 48 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे। इस मौके पर 15 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यक्रम के अंत में पीएम कुसुम योजना के विभिन्न लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे।

जनजाति अंचल के सपनों को लगेंगे पंख :-इस परियोजना से बांसवाड़ा को दुनिया के परमाणु ऊर्जा मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। इस परियोजना के निर्माण और संचालन के दौरान हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा, तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर खुलेंगे और आसपास के व्यवसायों को नई दिशा मिलेगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और दक्षिण राजस्थान का जनजातीय अंचल आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। यह केवल रोजगार की गिनती नहीं, बल्कि उन सपनों का उत्सव है, जो पीढ़ियों से अवसर की राह देख रहे थे। राजस्थान सरकार ने परियोजना से जुड़े स्थानीय रोजगार प्रोत्साहन, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र और औद्योगिक इकाइयों के विस्तार की योजनाएं भी तैयार की हैं, ताकि बांसवाड़ा के युवाओं को सीधा लाभ मिल सके।

भव्य आयोजन, अप्रतिम उत्साह :-माहीबांध बैकवॉटर की मनमोहक प्राकृतिक छटा के बीच नापला गांव का आयोजन स्थल विकास और आस्था के महाकुंभ में बदल चुका है। प्रधानमंत्री के मंच, वीवीआईपी गैलरी और जनसभा के लिए विशाल डोम और विशेष पंडाल बनाए गए हैं। सुरक्षा के लिए केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियां और राजस्थान पुलिस की संयुक्त टीमें मुस्तैद हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं बार-बार स्थल का दौरा कर अंतिम तैयारियों का निरीक्षण कर रहे हैं। शहर और आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। प्रशासन द्वारा आमजन की सुविधा के लिए शटल बस सेवा, पेयजल स्टॉल, चिकित्सा केंद्र और पार्किंग जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। पूरे क्षेत्र में ऐसा उत्साह है मानो यह केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि पूरे जनजातीय अंचल का अपना पर्व हो।

श्रद्धा, संस्कृति और विकास का अद्भुत संगम :-त्रिपुरा सुंदरी की शक्ति, माही माता की पावन धारा और संत मावजी के तपोभूमि की आभा में यह शिलान्यास केवल ऊर्जा परियोजना का आरंभ नहीं, बल्कि विकास और संस्कृति के अद्वितीय संगम का साक्ष्य है। नवरात्रि की आराधना जहां शक्ति और संरक्षण का संदेश देती है, वहीं यह परियोजना हरित ऊर्जा और सतत विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर को राजस्थान को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाने वाला ऐतिहासिक पर्व बताते हुए इसे राज्य के उज्ज्वल भविष्य का संकल्प माना है।

भविष्य के उजाले का व्रत :-प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा केवल परियोजनाओं की घोषणा नहीं, बल्कि दक्षिण राजस्थान के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का व्रत है। यह संदेश है कि जब श्रद्धा, संकल्प और राज्य-केंद्र की साझी प्रतिबद्धता साथ चलें, तो विकास का हर मार्ग सुगम हो जाता है। माही बांध की लहरों पर गूंजती ऊर्जा क्रांति की यह गाथा राजस्थान को वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर स्थापित करेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ ऊर्जा, रोजगार और आत्मनिर्भरता का नया सूरज लेकर आएगी। यह अवसर हमें याद दिलाता है कि शक्ति की उपासना और विकास का संकल्प जब एक साथ फलीभूत होते हैं, तब इतिहास के पन्नों पर स्वर्णिम अध्याय अंकित होते हैं।

डॉ. कमलेश शर्मा
अतिरिक्त निदेशक,
जनसंपर्क पुलिस मुख्यालय,
जयपुर

चुनाव आयोग, नेता प्रतिपक्ष व विपक्षी दल तथा सत्ताधारी दल का अनिर्णीत दंगल

महावीर सिंह

अपने देश में शासन व्यवस्था के लिए कानून बनाने का अधिकार भारत की संसद को है। अपेक्षा यह होती है कि कानून संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप और संवैधानिक प्रक्रियाओं की पूर्ण पालना करके बने।

कानून संविधान के प्रावधानों के अनुरूप है, इसकी जांच परख करने का,कानून की व्याख्या करने का अधिकार भारत के सर्वोच्च न्यायालय को है। यदि कभी ऐसा लगता है कि जो कानून बना है उस में कोई ऐसी कड़ी ओर जुड़नी चाहिए जो कानून को पूर्णता प्रदान करे, तो सुप्रीम कोर्ट ऐसा कर सकता है।

सामान्यत: आम जनता यह मानकर चलती है कि संसद द्वारा जनहित में ही कानून बनाया है। किंतु कई बार कानून बनाते समय ही या बाद में, सरकार के क्रियाकलापों को देख कर जनता सशंकित हो जाती है कि बनाए गए कानून का बेजा दुरुपयोग भी किया जा सकता है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक निर्णय दिया कि संविधान सभा में हुई बहस का सार यह है कि संसद राज्य विधान सभाओं के लिए चुनाव निष्पक्ष तरीके से हों, कोई शक की गुंजाइश न हो और उसके लिए निष्पक्ष चुनाव आयोग हो। निष्पक्षता से काम के सकने वाले चुनाव आयोग के गठन के लिए, ईमानदार, निष्ठावान, निष्पक्ष चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संसद कानून बनाए । जब तक यह कार्य पूर्ण न हो तब की अवधि के लिए प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश वाली कमेटी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए नाम तय करे।

किंतु जब संसद में कानून बनाया तो उसमें प्रधान मंत्री, उनके द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री व नेता प्रतिपक्ष को चयन करने वाली कमेटी में रखा। इसका सीधा सा अर्थ है कि जैसा केंद्र सरकार चाहेगी, वैसा ही चुनाव आयोग बनेगा। निष्पक्ष हो भी सकता है अथवा कुछ महत्वपूर्ण निर्णय सत्ता पक्ष की इच्छानुसार भी ले सकता है।

अगर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को इस चयन समिति में रखा जाता तो देश पर क्या खतरा आ जाता? चलिए मान लेते है,कानून बनाना संसद का अधिकार है और भारत का संविधान में न्यायपालिका व संसद के अधिकार क्षेत्र अलग अलग तय किए हुए है।इसलिए,सामान्यत तर्क यह दिया गया कि संसद व कार्यपालिका के काम में न्याय पालिका का दखल क्यों हो?? तो फिर, कम से कम ऐसा कानून तो बनाते जिसमें जाहिराना तोर पर तो यह नहीं लगे कि मुख्य चुनाव आयुक्त वही बनेगा जिसे सरकार चाहेगी व अर्थात सरकार का मर्जी दान। यह ठप्पा लगा चुनाव आयुक्त बनेंगे, तो, चाहे वह पूर्णत: निष्पक्ष, सक्षम, ईमानदार ही क्यों न हो, उसके कार्यों पर शंका करने की गुंजाइश हमेशा रहेगी।

2023 में संसद में कानून बनाया "मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्त (---) अधिनियम"। कानून में प्रावधान किया की भारत की कोई भी अदालत चुनाव आयुक्तों के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किए गए किसी आधिकारिक कार्य, निर्णय, बयान आदि को लेकर, सिविल या अपराध के लिए उनके जीवनकाल में मामला नहीं ले सकती। चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारीश से ही हटाया जा सकता है।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल एक विहित प्रक्रिया द्वारा संसद ही हटा सकती है, वैसे ही जैसे किसी उच्च या उच्चतम बी न्यायालय के न्यायाधीश को तो फिर इस प्रकार के कानून की कहां आवश्यकता थी? मुझे स्मरण नहीं पडता कि कभी किसी चुनाव आयुक्त पर चुनाव से संबंधित किसी कार्य के लिए कोई अपराधिक या सिविल मुकदमा चला हो। 2023 से पहले 70 साल में ऐसा कानून बनाकर, इतना प्रोटेक्शन देने की जरूरत क्यों महसूस नहीं हुई??

क्या पहले से अंदेशा था कि जानबूझ कर गलत मतदाता सूचियों के जरिए वोट इधर उधर करने,चुनावी धांधली के मामले उठेंगे और सरकार की मर्जी से नियुक्त चुनाव आयुक्तों के खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज हो सकते है?? मान लिया, द्वेषता के कारण कोई ऐसा कर सकता है तो यह प्रोटेक्शन चुनाव आयुक्तों के कार्यकाल तक दिया जाना उचित हो सकता है किंतु यदि इस बात के प्रथम दृष्टया सबूत हों कि किसी चुनाव आयुक्त के निर्देशों पर कोई गलत निर्णय किया गया तो कार्यकाल समाप्ति के बाद मुकदमा क्यों नहीं चले?? लोक सभा में नेता प्रति पक्ष व कुछ अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने ऐसे आरोप लगाए है कि मतदाता सूचियों में मनमर्जी से नाम हटाए और जोड़े गए है और अब भी ऐसा किया जा रहा है।

आयोग का कहना है ऐसा किया ही नहीं जा सकता।अभी कर्नाटक की एक विधान सभा आलंद के संबंध में प्रेस के समक्ष एक प्रजेंटेशन में नेता प्रति पक्ष में कहा है कि ऐसा किया गया है। जो कुछ कहा गया उसका सार यह है ----- कि पोलिंग बूथ की वोटर लिस्ट में से कुछ नामों को हटाने की एप्लिकेशन भर के ऑनलाइन, चुनाव आयोग की वेबसाइट पर सब मिट की जाती है। एप्लिकेशन सबमिट करने में कुछ मोबाइल नंबर्स का इस्तेमाल किया गया। उस मोबाइल फोन पर प्रार्थनापत्र सत्यापन के लिए मेसेज जाता है और फिर उस वोटर का नाम हटाया जाता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि इस गड़बड़ी का भंडा फूटने पर कर्नाटक चुनाव आयुक्त ने जांच पड़ताल करवाई और पाया कि इस प्रकार के 6 हजार से ऊपर नाम कटवाने के प्रार्थना पत्र दाखिल हुए। जांच में 24 सही पाए गए और बाकी, वास्तव में संबंधित वोटर्स की जानकारी के बिना दाखिल किए गए। कर्नाटक सरकार की पुलिस की CID शाखा में एक एफआईआर दर्ज कराई जिसकी जांच चल रही है।

आरोप यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त कार्यालय से जांच में वांछित सूचनाएं --- ई मेल जिस मेल आईडी से की गई उसका IP एड्स दिया जाए, जिन मोबाइल नंबरों का हवाला प्रार्थना पत्रों में दिया वह मोबाइल नंबर नहीं दिया जा रहे। प्रार्थना पत्र के सत्यापन के लिए जिस मोबाइल नंबर पर मेसेज भेजे वह नंबर तथा ओटीपी भेजे गए होंगे उनका पूरा विवरण अर्थात OTP ट्रेल आदि का पूरा विवरण दिया जाए। चुनाव आयोग के प्रेस नोट दिनांक 19 सितंबर 25 के द्वारा बताया गया है कि CID द्वारा चाही जा रही। समस्त जानकारियां दे दी गई है। वहां जांच में देरी हो रही है।

चुनाव आयोग द्वारा यह भी कहा जा रहा है कि ऐसा संभव नहीं क्यों कि ऑनलाइन किसी मतदाता का नाम हटाया ही नहीं जा सकता।

अभी तक, सार्वजनिक रूप से जो सामग्री सामने आई है, जो विचार विभिन्न लोगों के सामने आए है उनका सार यह है कि--ऑनलाइन नाम हटवाने का प्रार्थना पत्र दिया जा सकता है। यह सब एक संगठित गिरोह भी कही दूर बैठ कर सकता है अर्थात आयोग की वेबसाइट में घुसकर नाम हटवाने का प्रार्थना पत्र दिया जा सकता है। अब सत्यापन के लिए कि आवेदन सही है उसके लिए जिस मोबाइल नंबर का हवाला नाम हटवाने के प्रार्थना पत्र में दिया है उस पर मेसेज व ओटीपी जाएगा। का उपयोग कर यह कनफर्म किया जाएगा कि हां, प्रार्थनापत्र दिया गया है अर्थात एक ओर ईमेल आयोग की वेबसाइट पर गया।

आरोप यह है कि यह सारी कार्यवाही दूरस्थ किसी काल सेंटर से की गई है जिसका संबंधित वोटर को पता ही नहीं अर्थात कोई व्यक्ति किसी दूसरे के नाम को हटवाने के लिए इतनी कार्यवाही तो कर ही सकता है।

इसके पश्चात आता है BLO द्वारा सत्यापन तो जिस प्रकार आवेदन फर्जी तरीके से किया जा सकता है, उसी प्रकार, सत्यापन से संबंधित कार्यवाही बिना वास्तविक मतदाता की जानकारी के क्यों नहीं की जा सकती??? जिस कल सेंटर से आवेदन की कार्यवाही हुई, उस से या दूसरे कल सेंटर से BLO के फर्जी हस्ताक्षरों से सत्यापन रिपोर्ट्स अपलोड कर दीजिए। सारी प्रक्रिया से सही वोटर व सही BLO को कुछ पता ही नहीं चलेगा।

आयोग से पूछा जा रहा है कि इस फर्जी प्रक्रिया में जिस जिस सोर्स से मेल आयोग की वेब साइट पर अपलोड हुए और जहां जहां आयोग से मेल गए उन के ओरिजिन व डेस्टिनेशन के एड्रेस व जहां जहां आयोग से ध्ऊइ गए उनकी पूरी ट्रेल जांच अधिकारी को दी जाए ताकि यह साफ हो की यदि फर्जीवाड़ा हुआ है तो उसके सोर्स कहां है। नं. ---- आयोग की ओर से पैरवी कर्ताओं का कहना है कि सारी समारी कर्नाटक सरकार की CID को दे दी। इसके विपरीत जांच करने वालों व आरोप लगाने वालों का कहना है जांच में आवश्यक पूरी जानकारी तथा फर्जी आवेदन करने वालों व आगे की कार्यवाहियों के स्त्रोतो का पता चले ऐसी जानकारी नहीं दी गई है?

चलिए,यह तो आरोप प्रत्यारोप हुए किंतु क्या आयोग को इसकी त्वरित निष्पक्ष जांच नहीं करनी चाहिए कि उस की वेबसाइट में अवैध तरीके से घुश के इस प्रकार की कार्यवाही की जा सकती है क्या और यदि की गई है तो क्या उचित समाधान नहीं करना चाहिए और जनता को नहीं बताना चाहिए??

क्या जन हित में, इस सारी फर्जी कार्यवाही का पता चलते ही,स्वयं केंदीय चुनाव आयोग द्वारा केंद्र सरकार से किसी सक्षम केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच करवाने का अनुरोध करना ज्यादा उचित नहीं होता? चुनाव आयोग को जनता को बताना चाहिए कि चुनाव आयोग में सिर्फ एक दर्ज करवाने के ओर क्या क्या प्रयास ऐसी घटनाओं की पुनरावृति रोकने के लिए किए।

अब एक दो प्रश्न पाठकों के लिए ::-- मतदाता सूचियां बनाता है चुनाव आयोग, आरोप लगाए जा रहे है आयोग पर तो फिर कुछ असंबद्ध लोग या राजनीतिक पार्टियां मिनटों में ही आयोग का बचाव करने क्यों आ जाते है,मानों की उन्हें सब कुछ पहले से ही मालूम हो। क्या आयोग कोई असहाय नाबालिग बालक जो बाहरी चौधरियों से सहायता का मोहताज है?

बिहार की मतदाता सूचियों के SIR के संबंध में आयोग में सुप्रीम कोर्ट में जिस प्रकार से अपना बचाव किया तो सामान्य व्यक्ति प्रथम दृष्टया यह नहीं सोचेगा कि कहीं कुछ झोल है क्या??

अगर देश की बड़ी राजनीतिक पार्टियां कोई बात कहती है तो तसल्ली से उनकी बात पर गौर करके उन्हें अपना पक्ष रखने के बजाए आयोग अपने बचाव व आरोप लगाने वालों पर आक्रामक मुद्रा में क्यों आ जाता है?

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

राशिफल

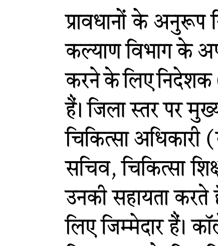

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 24 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र सायं 4:17 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 9:02 तक, तैतिल करण सायं 5:59 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज राजयोग सायं 4:17 तक है। रवि योग सायं 4:17 से आरम्भ होगा। आज से रवि-उलसानि मु. मास 4 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:49 से 12:19 तक, चर 3:19 से 4:58 तक, लाभ 4:58 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:19

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 24 सितम्बर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

सेवा ही संकल्प,
राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा... 75 वर्ष

2800 मेगावाट की
परमाणु विद्युत
परियोजना सहित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

विकास पथ पर
आपणो अग्रणी राजस्थान...

1 लाख 8 हजार करोड़ रुपए के
विकास कार्यों की सौगात

15 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी
के नियुक्ति पत्र वितरण

जोधपुर, बीकानेर एवं उदयपुर से
नई ट्रेनों की शुरुआत

मुख्य अतिथि
नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

25 सितम्बर, 2025 I दोपहर 12:00 बजे | स्थान : नापला, छोटी सरवन (बांसवाड़ा)

आप सादर आमंत्रित हैं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

संक्षिप्त

शत्रुघ्न जन्म की जीवंत लीला दिखाई

बौंली -बामनवास । शिव बगीची के श्री राम कला मंडल बौंली के मंच पर आयोजित 11 दिवसीय रामलीला मंचन कार्यक्रम के दूसरे दिवस रावण, कुंभकरण, विभीषण जन्म के बाद घौर तपस्या करके ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त करना एवं राम, लक्ष्मण, भरत, एवं शत्रुघ्न जन्म की जीवंत प्रसंग लीला दिखाई गई। रामलीला प्रारंभ होने से पूर्व मुख्य अतिथि बौंली एसडीएम कार्यालय के सहायक अधिकारी विश्राम गुर्जर एवं रिटायर्ड शिक्षा विभाग के नोडल प्रभारी अशोक गांधी ने भगवान की महा आरती उतारी। मंडल प्रवक्ता प्रेमराज सैनी ने बताया कि रामलीला मंचन के दौरान कलाकारों ने रावण, कुंभकरण व विभीषण द्वारा घौर तपस्या करके ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त करना एवं महाराज दशरथ द्वारा गुरु वशिष्ट के आदेश पर श्रृंगी ऋषि को बुलाकर पुत्रेष्टि यज्ञ करा कर चार पुत्रों जिसमें राम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न के जन्म की लीला दिखाई गई। कार्यक्रम में राम जन्म के बाद महर्षि विश्वामित्र को असुरों द्वारा जप, तप एवं तपस्या में विघ्न डालना बताया गया। तृतीय दिवस रामलीला मंचन में विश्वामित्र जी द्वारा अयोध्या जाकर दशरथ से राम, लक्ष्मण को लाना, तड़का, स्वभाव वध एवं मारीच को सोयोजन दूर पटकने के साथ ही अहिल्या उद्धार एवं पुष्प वाटिका में माता-सीता व राम जी का नयन मिलन, सीता जी द्वारा मांदुर्गा, गौरी की मार्मिक आराधना करना, रावण, बाणासुर संवाद एवं धनुष यज्ञ की लीला दिखाई जाएगी।

रोजगार सहायता शिविर 26 को

टोंक। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, टोंक द्वारा 26 सितम्बर को एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय परिसर, सुभाष बाजार, टोंक में किया जाएगा। रोजगार सहायता शिविर में निजी क्षेत्र की कम्पनी द्वारा मौके पर ही बेरोजगार युवको को रोजगार उपलब्ध करवाएगी। जिला रोजगार अधिकारी राजकुमार मीना ने बताया कि विभिन्न राजकीय विभागों में संचालित रोजगारध्स्वरोजगार योजनाओं के आवेदन पत्र कार्यक्रम स्थल पर ही तैयार किये जायेंगे। साथ ही राजस्थान कौशल विकास निगम एवं बडौदा स्वरोजगार विकास निगम द्वारा बेरोजगार युवाओं का प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र तैयार किये जायेंगे। बेरोजगार आशार्थी अपने फोटो, समस्त मूल शैक्षिकध्प्रशैक्षिक दस्तावेज एवं अपना बायोडाटा साथ में लाने की सुनिश्चितता करें।

महायज्ञ में आहुति दिलवाई

दौसा। सरस्वती कॉलेज ऑफ़ टीचर्स ट्रेनिंग में आज गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। तीन चरण की काउंसलिंग प्रकिया पूर्ण होने के पश्चात नवीन शिक्षा सत्र विधिवत प्रारंभ हो गया है प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सत्रारंभ नकारात्मकता को दूर करने और सकारात्मकता का संचार करने की सद्भावना के साथ गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। गायत्री शक्ति पीठ के पंडित रोशन ने विधि विधान से महाविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी, प्राचार्य तथा सभी प्रवक्तगणों से महायज्ञ में आहुति दिलवाई गई। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.निकिता त्रिवेदी ने बताया कि गायत्री यज्ञ में आहुति देने से छात्रों में मानसिक शांति, एकाग्रता और याददाश्त में वृद्धि होती है।तथा नकारात्मक विचारों को दूर करता है।

'जीएसटी में टैक्स सिस्टम को सरल करने का लाभ दुकानदारों के साथ हर वर्ग को मिलेगा'

किशनगढ़ बास में जीएसटी अधिकारी व व्यापार महा संघ के पदाधिकारी दुकानदारों को जीएसटी में की गई छूट की जानकारी दी।

■ **व्यापार महासंघ अध्यक्ष ने 25 सितंबर को आयोजित प्रदर्शनी कार्यक्रम में शामिल होने का दुकानदारों से आग्रह किया, कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आने की जानकारी दी**

किशनगढबास । गरीब मध्यम वर्ग युवा किसानों महिलाओं व दुकानदारों एवं उद्यिमयों को सम्मान रूप से राहत देने के लिए दीपावली से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी की केंद्र कि सरकार ने जीएसटी में ऐतिहासिक बदलाव कर टेक्स सिस्टम को सरल बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के इस निर्णय का लाभ आमजन को मिले इसके लिए जीएसटी विभाग अधिकारीयों ने किशनगढ़ बास में व्यापारियों के साथ बैठक की ओर दुकान दुकान पर जाकर लोगों को जागरूक किया।

संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी ने बताया कि अलवर सांसद केंद्रीय पर्यावरण एव वन जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव 25 सितंबर गुरुवार को दोपहर 2.30 बजे किशनगढ़ बास में खैरथल रोड स्थित गजानंद गार्डन पर व्यापारियों किसानों सहित आमजन से संवाद कर जीएसटी में बदलाव से आम आदमी के जीवन में होने वाली बचत की विस्तार से जानकारी देंगे।

लखयाणी ने दुकान दुकान सम्पर्क के दौरान दुकानदारों से संगोष्ठी व प्रदर्शनी में पहुंचने के लिए आग्रह किया है। जीएसटी विभाग खैरथल उपायुक्त अविनाश महर्षि ने बताया कि मंगलवार को संयुक्त व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संवाद किया। संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष व विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ शहर में डोर टू डोर दुकान दुकान जाकर दुकानदारों को जीएसटी के स्लैब में हुए ऐतिहासिक परिवर्तन से आमजन व व्यापारियों को मिलने वाले लाभ के बारे में समझाया कि रोटी, कपडा और मकान जैसी आधारभूत आवश्यकताओं की वस्तुएं पहले से अधिक सस्ती होंगी, जिससे लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और वे आसानी से इनका लाभ उठा सकेंगे। प्रचार-प्रसार सम्पर्क के दौरान जीएसटी अधिकारियों के साथ संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी, टेलर एसोसिएशन अध्यक्ष प्रभु दयाल चंदनानी, बूट हाउस अध्यक्ष ताराचंद बत्रा, सहित अनेक व्यापारी मोजूद रहे।

अवैध बेचान पत्र की शिकायत की

सांभरझील । सांभर तहसीलदार के यहां कथित अवैध तरीके से वाल्मीकि समाज की धरोहर विक्रय पत्र पंजीबद्ध कराने के मामले को लेकर वाल्मीकि समाज के लोगों ने उपखंड अधिकारी से शिकायत दर्ज कराई तथा अनुरोध किया कि इसका राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण नहीं खोला जाए। पार्षद अभिलाष तंबोलिया ने बताया कि कस्बा सांभर लेक में रोडवेज बस डिपों के पास आराजी खसरा नं. 161,167 स्थित है जिस पर हरिजन समाज की बगीची बनी हुई हैं तथा जिसमें गैर मुमकिन बगीचे दर्ज है, उक्त आरजी पर हरिजन समाज के द्वारा निर्मित परम पूज्य श्री महार्षि नवल साहिब की प्रतीमा व नाथ महाराज का धूना, श्री जहरी नाथ जी महाराज की समाधी, श्री बिन्जा राम महाराज की समाधी, बालाजी महाराज का चबूतरा, शिव मंदिर व नवल मंदिर स्थित हैं। जो हरिजन समाज ने आपसी सहयोग से निर्मित किये है ।

उक्त स्थान हरिजन समाज का आस्था पर पूजा का मुख्य स्थान हैं । यह भी बताया गया कि उक्त बगीची पर पुख्ता कमरो का निर्माण नगरपालिका मण्डल सांभर से अनुमित प्रदान कर किये हुये है। ज्ञापन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया गया कि कथित बेचान पत्र 08.09.2025 के आधार पर नामान्तरण की कार्यवाही नहीं की जाए एवं अवैध विकय पत्र की जांच कर व मौका स्थिति की जांच कर कथित विकय पत्र को निरस्त करवाने की कार्रवाई की जाए।

सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में 19 टीमों का प्रदर्शन

■ **ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो उन्हें सही मंच और प्रोत्साहन देने की**

टोंक । जिला स्तरीय छात्रा अंडर-17 और अंडर-19 सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता का आरंभ मंगलवार को देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने मोहम्मदगढ़ स्कूल मैदान में ध्वजारोहण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर कुल 19 टीमों के 304 खिलाड़ी शामिल हुए। इस दौरान विधायक गुर्जर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो उन्हें सही मंच और प्रोत्साहन देने की। ऐसे खिलाड़ी आगे चलकर अपने गांव और जिले का नाम रोशन करेंगे। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला मेजबान मोहम्मदगढ़ टीम और अमनदीप संवारिया स्कूल टोडारायसिंह के बीच हुआ, जिसमें इसमें मोहम्मदगढ़ टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7-4 होम से जीत दर्ज की। इस मौके पर स्कूल प्रशासन ने विधायक को स्कूल के 6 जर्जर कमरों के जमींदोज होने की जानकारी दी, इस पर विधायक ने आश्वासन दिया कि रमसा योजना के तहत जल्द नए कमरे बनाए जाएंगे इस मौके पर मोहम्मदगढ़ स्कूल पहुंचने पर विधायक गुर्जर का स्टूडेंट पुलिस कैडेट दल ने बैंड और पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। सभी टीमों के कप्तानों ने मार्च पास्ट कर सलामी दी और खिलाड़ियों ने परिचय कराया। मंच पर सभी अतिथियों का साफा और माला पहनाकर सम्मान किया गया।

व्याख्यान का आयोजन

दौसा। श्री संत सुंदर दास राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में आज राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 के तहत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. परमेश्वरी बागड़ा की अध्यक्षता में व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि महिला नीति के तहत आज के व्याख्यान में छात्राओं को हिंदी विभाग के सह-आचार्य राकेश शर्मा ने सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं से अवगत करवाया। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में छात्रवृत्ति के लिए समय रहते आवेदन करने हेतु प्रेरित किया।

'कांग्रेस घुसपैठियों के वोट से सत्ता पर काबिज होना चाहती है'

दौसा। दौसा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल ने कहा कि कांग्रेस जिस तरह से हिंदू आतंकवादी का नारा लेकर आई थी उसी तरह चुनाव आयोग और भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाकर राष्ट्रिवरोधी टुकड़े टुकडे गैंग़ से मिलकर पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, रोहिंग्या, घुसपेटियों के वोट वोटर लिस्ट से हटाने नहीं दे रही है ।

कांग्रेस इन घुसपैठियो के वोट मतदाता सूची में शामिल करवा रही है। चुनाव आयोग राष्ट्रीय विरोधियों घुसपैठीयो के वोट मतदाता सूची से हटा रही है। जिससे कांग्रेस और राष्ट्र विरोधी पार्टीयो के पेट में दर्द हो रहा है।

भाजपा इनके मंसूबे कभी भी कामयाब नहीं होने देगी। जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल ने कहा कि वर्तमान में जनसंख्या कानून की सख्त जरूरत है।

धर्मांतरण बिल पास हो चुका है। लव जिहाद पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। हिंदुओं का 4 (चार) बच्चे पैदा करने चाहिए-एक देश सेवा के लिए, एक संत सेवा के लिए, एक माता-पिता की सेवा कर सके, एक बेटी रानी लक्ष्मीबाई और रानी पद्मावती जैसी पैदा होनी चाहिए। वर्तमान में हिंदुओं एवं सनातनियो को नशा मुक्ति, धर्मांतरण, लव जिहाद से सावधान रहना चाहिए।

बहिर मामले में कांग्रेसियों का घटनास्थल का दौरा

■ **शहर में आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील**

■ **शहर आपसी सौहार्द के लिए जाना जाता है जो भी इस भाईचारे को बिगड़ने का काम करेगा उसके खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्यवाही करें**

कांग्रेस जिला कांग्रेस कमेटी टोंक के प्रतिनिधि मंडल ने बहिर की घटना के बाद घटनास्थल का दौरा किया।

टोंक । कांग्रेस जिला कांग्रेस कमेटी टोंक के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य सऊद सईदी व जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा के नेतृत्व में पिछले दिनों बहिर में घटना को लेकर पुलिस प्रशासन से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा तथा बाद में प्रतिनिधि मंडल ने घटनास्थल का दौरा किया।

मौके का मुआयना कर घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए सऊद सईदी ने कहा कि जो भी घटना हुई है वह अत्यंत दुखद है, शहर आपसी सौहार्द भाईचारे और एकता की लिए जाना जाता है जो भी इस भाईचारे को बिगड़ने का काम करेगा उसके खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्यवाही करें, उन्होंने इस घटना में शामिल आरोपयिों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने हेतु पुलिस से अपील की तथा उन्होने कहा कि घटना में किसी भी निर्दोष को बेवजह परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इंसाफ की बात पर जोर दिया। इस अवसर पर जिला संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया, जिला उपाध्यक्ष फोजू राम मीणा, राहूल सैनी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष हंसराज गुंजल, सीपी श्रीवास्तव, सेवादल जिला अध्यक्ष अब्दुल खालिक, वासिद नूर, कमलेश चावला, भागचंद गुर्जर, मूलचंद बैरवा नवीन बेरवा, बजरंग लाल वर्मा इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाज कल्याण सप्ताह 1 से

टोंक। जिले में 1 से 7 अक्टूबर तक समाज कल्याण सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। समाज कल्याण सप्ताह के तहत अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक, विशेष योग्यजन एवं बच्चों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने के साथ-साथ सामाजिक बुराईयों एवं कुरीतियों के विरूद्ध जन चेतना जागृत की जाएगी। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि 1 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस परमार्थ सेवा संस्थान वृद्धाश्रम इंद्रा कॉलोनी निवाई में, 2 को अनुसूचित जातियों का कल्याण दिवस जिला मुख्यालय पर गांधी पार्क एवं ब्लॉक स्तर पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं जिला मुख्यालय पर अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्तियों में साफ-सफाई का कार्य किया जाएगा। इसी तरह 3 अक्टूबर को अपराधी सुधार दिवस पर जिला कारागृह, टोंक में, 4 को बाल दिवस राजकीय किशोर गृह, शिशुगृह तथा जिले के समस्त आंगनबाडी केंद्रों पर, 5 को महिला बालिका कल्याण दिवस पर महिला एवं बाल विकास के समस्त ब्लॉक कार्यालय स्तर पर, राजकीय अनुसूचित जाति, बालिका आवासीय विद्यालय वजीरपुरा एवं टोंक में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सार-समाचार

हत्या के प्रयास का फरार आरोपी गिरफ्तार

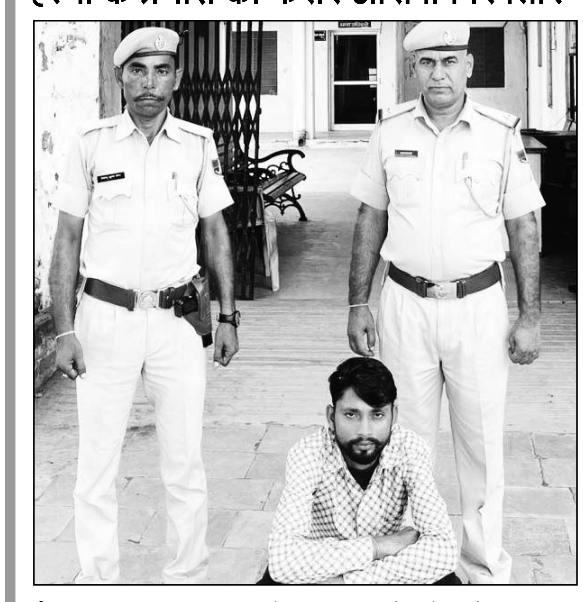

टोंक । जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा के निर्देशन में वृताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत के सुपरविजन में फरार वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत टोडारायसिंह थाना प्रभारी रामनारायण के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए 6 सितम्बर को ग्राम बस्सी में परिवादी दिलखुश माली के साथ आरोपी मुकेश पुत्र सीताराम माली निवासी बस्सी ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या करने का प्रयास किया तथा मौके से फरार हो गया। इस दौरान थाना पुलिस ने बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान करते हुए फरार आरोपी मुकेश को मिले साक्ष्य के आधार पर तलाश कर मंगलवार को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार चाकू को जप्त किया गया। आगे प्रकरण में अनुसंधान जारी है, वही आरोपी को आज न्यायालय में पेश किया जायेगा।

शहरी सेवा शिविर 24 को

दौसा। राज्य सरकार की ओर से आमजन को एक ही स्थान पर सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने और जनसमस्याओं का निस्तारण करने के लिए चलाए जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर अभियान के तहत 24 सितम्बर बुधवार को विभिन्न नगरीय वार्डों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान ने बताया कि 24 सितम्बर बुधवार को दौसा के वार्ड नं. 21 से 25 का संस्कृत स्कूल मैदान, बांदीकुई के वार्ड नं. 14 से 23 का मंदिर परिसर हाई स्कूल रोड बांदीकुई, लालसोट के वार्ड नं. 31 व 32 का सामुदायिक भवन धमक रेवडा, महवा के वार्ड नं. 5 का अम्बेडकर भवन, बसवा के वार्ड नं. 6 से 11 का नगर पालिका कार्यालय परिसर, सिकराय के वार्ड नं. 5 व 6 का नगर पालिका कार्यालय भवन, भाण्डारेज के वार्ड नं. 9 एवं 10 का नगर पालिका कार्यालय, लवाण के वार्ड नं. 9 एवं 10 का कार्यालय नगर पालिका, मण्डावर के वार्ड नं. 5 एवं 6 का राजकीय प्राथमिक विद्यालय बीच का बास मण्डावर, रामगढ़ पचवारा के वार्ड नं. 5 का कार्यालय नगर पालिका एवं मण्डावरी के वार्ड नं. 5 का कार्यालय नगर पालिका में शिविर लगेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान ने बताया कि 25 सितम्बर, गुरूवार को दौसा के वार्ड नं. 26, 28, 29 एवं 30 का संस्कृत स्कूल मैदान, बांदीकुई के वार्ड नं. 14 से 23 का मंदिर परिसर हाई स्कूल रोड बांदीकुई, लालसोट के वार्ड नं. 33 एवं 34 का सामुदायिक भवन घाटेश्वर जी, महवा के वार्ड नं. 6 का अम्बेडकर भवन, बसवा के वार्ड नं. 6 से 11 का कार्यालय परिसर नगर पालिका, सिकराय के वार्ड नं. 7 एवं 8 का कार्यालय भवन नगर पालिका, भाण्डारेज के वार्ड नं. 11 एवं 12 का नगर पालिका कार्यालय, लवाण के वार्ड नं. 11 एवं 12 का कार्यालय नगर पालिका, रामगढ़ पचवारा के वार्ड नं. 6 का कार्यालय नगर पालिका एवं मण्डावरी के वार्ड नं. 6 का कार्यालय नगर पालिका में शिविर लगेंगे 25 सितम्बर को इन ग्राम पंचायतों में लगेंगे ।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया

दौसा। आयुर्वेद विभाग की ओर से मंगलवार को राजकीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र के योगा हॉल में 10 वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 40 विभागीय कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. ओमप्रकाश चतुर्वेदी ने की। समारोह की मुख्य अतिथि नगर परिषद् सभापति कल्पना जैमन रहीं। विशिष्ट अतिथि समाज सेवी नरेन्द्र जैमन, प्रमुख चिकित्साधिकारी डॉ. विष्णुकान्त शर्मा, डॉ. समयसिहं गुर्जर सहायक निदेशक, डॉ. सतीश चन्द मीना एवं मुरारी लाल शर्मा थे। अतिथियों ने सर्वप्रथम भगवान धन्वंतरी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। उपस्थित अतिथियों ने प्रधानमंत्री का आयुर्वेद दिवस पर संदेश वाचन किया। इस वर्ष की राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की थीम पृथ्वी के कल्याण के लिए विषय पर विचार व्यक्त किए। आधुनिक जीवनशैली जनित व्याधियों के कारण तथा इनके उपचार एवं प्रगति के साथ समन्वय करके दिनचर्या अनुसार जीवन यापन की जानकारी दी गई ताकि व्यक्ति एवं समाज स्वस्थ्य रहे।

मां भगवती का जागरण 3 को

कोटपूतली। मां भगवती नव युवा शक्ति मंडल कोटपूतली के तत्वाधान में आगामी 03 अक्टुबर को कस्बे के वार्ड नं. 21 कुम्हारों का मौहल्ला केशव नगर में मां भगवती का 10 वां विशाल जागरण आयोजित किया जायेगा। इसको लेकर 11 दिवस की अखण्ड ज्योत विधि विधान से द्वीप प्रज्जवलन कर प्रारम्भ की गई। जागरण में गायक कलाकारों द्वारा मां भगवती का गुणगान किया जायेगा। इस मौके पर माँ मंषा देवी एण्ड पार्टी द्वारा भजन प्रस्तुत किये जायेगें एवं आकर्षक झांकियों का भी प्रदर्षन किया जायेगा। इस दौरान पूर्व पार्षद रामचन्द्र सैनी, कुशल बिदारिया, पवन कुमार कुमावत, पिन्टू कुमावत, योगेश कुमावत, सतीष सैनी, अनिल प्रजापत, रमेश कुमावत, तुषार प्रजापत, प्रहलाद डोई, ओमी कांवर, कृष्ण प्रजापत, रोहित गुर्जर, कृष्ण सैनी, लालाराम प्रजापत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहें।

भक्ति संध्या का आयोजन

कोटपूतली। श्री अग्रसेन महाराज की जयंती की पूर्व संध्या पर अग्रवाल नवयुवक मंडल द्वारा विशाल भक्ति संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रेम आर्ट्स ग्रुप गुड़गांव द्वारा प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि एसपी देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। वहीं विषिष्ठ अतिथि एएसपी वैभव शर्मा, डीएसपी राजेंद्र बुरडक, एसएचओ राजेश शर्मा, भाजपा नेता मुकेश गोयल, दिनेश मित्तल, डॉ. अष्वनी गोयल रहे। जबकि अध्यक्षता अग्रवाल समाज अध्यक्ष एड. योगेष शरण बंसल ने की। मंडल की टीम द्वारा अतिथियों का सम्मान व स्वागत किया गया। संचालन मंडल के अध्यक्ष रजत जिंदल ने किया। इस मौके पर विभिन्न देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गई। इस दौरान मंडल के महामंत्री सीताराम बंसल, उपाध्यक्ष अनमोल गोयल, मंत्री अमन जिंदल, रोनित, गौरव, अक्षय, चिराग जिंदल, मधुर गोयल, अर्पित बंसल, आयुष बंसल, तुषार, राहुल, मेहुल, जतिन, ईशान, रक्षित समेत अन्य मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता 24 को

कोटपुतली। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, राजस्थान उच्च न्यायालय, पीठ जयपुर के तत्वावधान में विशेष योग्यजन विद्यार्थियों के लिए पूर्ण रूप से समर्पित, विधिक जागृति के क्रम में ष्दैै। रैुचवतजेध्वतांतमदमे2025-ष्कंद-2.0ष के तहत 24 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपुतली में किया जाएगा।

रोजगार उत्सव कार्यक्रम 25 को

दौसा। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम 25 सितम्बर को जिला कलेक्टेट स्थित सूचना केन्द्र परिसर में आयोजित किया जाएगा। इसमें नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इसके लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा रामस्वरूप चौहान को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी तथा संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग डॉ. प्रहलाद सिंह को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शाहपुरा में वोट चोर - गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ

■ **विधायक मनीष यादव बोले - जनता के वोट पर डाका लोकतंत्र पर सीधा हमला**

शाहपुरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों व नगर कांग्रेस कमेटियों की ओर से वोट चोर - गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया।

शाहपुरा। शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के मनोहरपुर स्थित निजी गार्डन में शाहपुरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों व नगर कांग्रेस कमेटियों की ओर से वोट चोर - गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का नेतृत्व स्थानीय विधायक मनीष यादव ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक यादव ने अपने संबोधन में कहा कि हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा देश में हो रही वोट चोरी का बड़ा खुलासा किया गया है। इससे स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग की नाक के नीचे लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और आम मतदाता के अधिकारों का खुला हनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सर्वोपरि है। कांठोस हमेशा चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए संघर्षरत रही है और आगे भी रहेगी। केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा ने जनता को गुमराह करके सत्ता हासिल की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सेना के पराक्रम का राजनीतिक लाभ उठाया और '400 पार' के नारे के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश की। यादव ने यह भी आरोप लगाया कि जयपुर ठाामीण लोकसभा चुनाव सहित देशभर की करीब सौ लोकसभा सीटें वोट चोरी कर जीती गई है । यादव ने साफ़ कहा कि कांग्रेस इस जनविरोधी कृत्य के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी। भाजपा के राज में आमजन परेशान है। किसान को फ़सल ख़राबे का मुवावजा नहीं मिल रहा, बेरोज़गारी दर लगातार बढ़ रही है। युवाओं के लिए रोज़गार के अवसरों को ख़त्म किया जा रहा, सत्ता दो चार लोगो के हाथो में सिमटकर रह गई। के आव्हान पर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी और जिला कांग्रेस कमेटी जयपुर के निर्देशानुसार ब्लॉक कांठोस कमेटी और नगर कांठोस कमेटी ने मिलकर यह हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक गोपाल मीणा,ने कहा कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र का हनन कभी बर्दाश्त नही करेगी पूरे जयपुर ग्रामीण मे अभियान चलाकर इसका विरोध करेगें जिला प्रभारी नरेंद्र बाटड व विधानसभा प्रभारी माया सुवालका ने कहा की हम सबको संगठित रहकर ब्लॉक व नगर सहित मण्डल स्तर तक हर व्यक्ति तक भाजपा सरकार का वोट चोरी करके सत्ता हासिल करने का असली चेहरा जनता के सामने लाना है ताकि भाजपा के लोग भोली भाली जनता को बरगला नहीं सके तथा जनता इनका असली चेहरा पहचान सके। इसके साथ ही कई वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कांठोस कार्यकर्ताओं ने हस्ताक्षर कर यह संकल्प लिया कि वे लोकतंत्र की रक्षा और वोट चोरी के खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। इस दौरान किशन बुनकर प्रभारी ब्लॉक कमल मीणा, प्रभारी ब्लॉक ब्लॉक अध्यक्ष नाथू सैनी, मुकेश गुर्जर, नगर अध्यक्ष मुकेश खुड़ानिया, विशाल ज़िला अध्यक्ष आदि सैकडों कांग्रेस कार्यकर्ता व आमजन मौजूद रहे।

मेजर दलपत सिंह के बलिदान दिवस पर उपमुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि दी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर में स्मृति शिक्षण संस्थान का अनावरण किया

जयपुर । राजस्थान की वीर भूमि के अमर सपूत हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह के बलिदान दिवस पर विद्याधर नगर स्थित रावना राजपूत भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर मेजर दलपत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा,''मेजर दलपत सिंह का बलिदान केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महान प्रेरणा है। उन्होंने इजराइल के हाइफा शहर को आजादी दिलाकर

- **मेजर दलपत सिंह के बलिदान दिवस पर विद्याधर नगर स्थित रावना राजपूत भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया**

भारत ही नहीं, बल्कि राजस्थान का नाम भी वैश्विक मानचित्र पर गौरवान्वित किया है।''

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान सरकार शहीदों और महापुरुषों के सम्मान में कई योजनाएं चला रही है। इन प्रयासों से नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना और इतिहास के प्रति सम्मान लगातार बढ़ रहा है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह स्मृति शिक्षण संस्थान का भी अनावरण किया। यह संस्थान आने वाली पीढ़ियों को न केवल गुणवत्तापूर्ण

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मेजर दलपत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर स्मृति शिक्षण संस्थान का किया अनावरणस्मृति शिक्षण संस्थान का अनावरण किया।

शिक्षा प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें अपने गौरवशाली इतिहास से भी जोड़ेगा।

कार्यक्रम में महिलाओं ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत51 किलो की फूलों की मालापहनाकर किया। यह सम्मान समाज की ओर से उनके योगदान और प्रयासों के लिए था।दिया कुमारी ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने महिलाओं, बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम में संयोजकरणजीत सिंह,मोहन सिंह हाथोज,गुमान सिंह जोधा,गिरवर सिंह शेखावत,श्याम सिंह चोहान,महिपाल सिंहसहित समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अग्रसेन जयंती शोभायात्रा में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की शिरकत:- अग्रसेन जयंती के अवसर पर मंगलवार को सीकर रोड पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाग लिया। उन्होंने पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के पुरुषों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि अग्रवाल समाज सदैव सेवा कार्यों और धार्मिक आयोजनों में अग्रणी रहा है।

उन्होंने कहा, चाहे सेवा भवनों का निर्माण हो या शोभायात्राएं, समाज ने हमेशा एकजुटता और सौहार्द का परिचय दिया है।उपमुख्यमंत्री ने भगवान महाराजा अग्रसेन जी को समाजवाद और संतुलित व्यवस्था का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।

इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित जीएसटी में रियायतों का उल्लेख करते हुए कहा, इस फेस्टिवल सीजन में जीएसटी को सरल और जनउपयोगी बनाया गया है, जिससे व्यापारियों पर करों का बोझ कम होगा और आम जनता को भी वस्तुएं सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने सभी से स्वदेशी अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आव्हान किया।

'निशुल्क यूनिफॉर्म योजना में ओ.बी.सी. व ई.डब्लू.एस. छात्राओं को पुन: शामिल करे'

जयपुर। आल इंडिया ओ बी सी कांग्रेस नेता एवं स्टेट ओ बी सी एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य राजेन्द्र सेन ने राजस्थान सरकार द्वारा पहली से 8वीं तक के सामान्य-ओबीसी के 15 लाख छात्र और 9 से 12वीं तक की 12 लाख छात्राएं को निशुल्क यूनिफार्म योजना से बाहर करने का विरोध करते हुए सरकार को चेताया है कि गरीब और ओ बी सी समाजो की छात्राओं को निधुल्क यूनिफार्म योजना के तहत निशुल्क यूनिफार्म देना जारी रखे वरना आने वाले पंचायत और निकाय चुनावों में इन छात्राओं के द्वारा घर घर, गांव गांव, ढाणी ढाणी विरोध दर्ज कराया जायेगा

सेन ने बताया कि शिक्षा विभाग विद्यार्थियों से जुड़ी योजनाओं में लगातार कटौती कर रहा है। लैपटॉप योजना, पद्माक्षी पुरस्कार, विवेकानंद छात्रवृत्ति और शिक्षक सम्मान के बाद अब निशुल्क यूनिफॉर्म योजना पर कैंची चलाई है।

सेन ने कहा कि अब पहली से 8वीं कक्षा तक के सामान्य और ओबीसी वर्ग के बालकों को इस योजना से बाहर कर दिया है। इन दोनों वर्गों के 15 लाख बालकों को अब यूनिफॉर्म की राशि नहीं मिलेगी। इतना ही नहीं 9वीं से 12वीं तक की 12 लाख बालिकाओं को भी योजना से वंचित कर दिया है।

सेन ने बताया की सरकार लगातार विद्यार्थी और शिक्षकों से जुड़ी इन योजनाओं कटौती करती जा रही है

पहले सरकार ने 8-10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में राज्य व जिला स्तर पर टॉप रहने वाले सरकारी स्कूलों के 27900 लैपटॉप देने की घोषणा की थी।

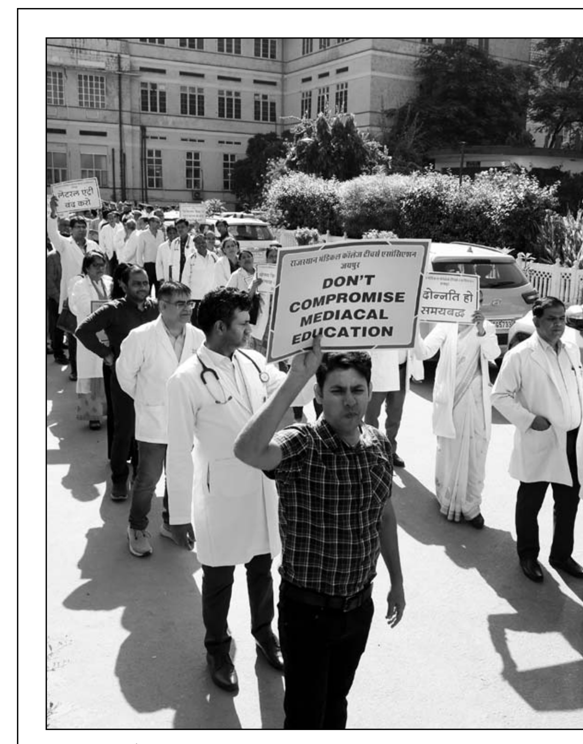

डॉक्टर ने रैली निकाली , कार्य का बहिष्कार किया।

नौकरी दिलाने के बहाने विवाहिता से दुष्कर्म

जयपुर। बगरू थाना इलाके में नौकरी दिलाने के बहाने होटल में बुलाकर एक विवाहिता से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार भांकरोटा की रहने वाली 35 वर्षीय विवाहिता ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ समय पहले आरोपित युवक से उसकी मुलाकात हुई थी। होटल में नौकरी दिलाने का झांसा देकर मिलने का दबाव डाला। 21 सितंबर को बगरू इलाके में स्थित एक होटल में नौकरी दिलाने के बहाने मिलने बुला कर दुष्कर्म किया। होटल से जाते समय किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल में जुटी है वहीं श्याम नगर थाना इलाके में 19 वर्षीय एक लड़की से दुष्कर्म की कोशिश करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपित रिश्तेदार मिलने के बहाने घर आया था। पुलिस ने मामला दर्ज जांच में जुटी है।

पी.एम. मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ याचिका में बहस पूरी

- **याचिका में नागरिकता अधिनियम में संशोधन से देश की एकता व अखंडता को खतरे में डालने और धर्म के आधार पर भेदभाव का आरोप लगाया गया है**
- **अदालत ने मामले में बाद में फैसला देना तय किया है**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद के खिलाफ नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर दायर याचिका पर बहस पूरी हो गई। है। अदालत ने मामले में बाद में फैसला देना तय किया है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश याचिकाकर्ता अधिवक्ता पूरणचन्द्र सेन की याचिका पर दिया। याचिका में नागरिकता अधिनियम में संशोधन से देश की एकता व अखंडता को खतरे में डालने और धर्म के आधार पर भेदभाव का आरोप लगाया गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एएसजी आरडी रस्तोगी ने पक्ष रखा। जबकि राज्य सरकार की ओर से एजी राजेन्द्र प्रसाद ने पैरवी की। केन्द्र सरकार की ओर से एएसजी रस्तोगी ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून किसी भी धर्म का विरोधी नहीं है।

वहीं देश में बनने वाला कोई भी कानून गृह मंत्री, कानून मंत्री या प्रधानमंत्री नहीं बनाते हैं। कानून संसद की ओर से बनाया जाता है। ऐसे में पीएम मोदी और दोनों मंत्रियों पर आरोप लगाना गलत है। इसके अलावा याचिकाकर्ता स्वयं संसद में मौजूद नहीं था तो मिलीभगत का आरोप कैसे लगा सकता है। वहीं नागरिकता अधिनियम में संशोधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित है। याचिकाकर्ता ने कानून का दुरुपयोग किया है। ऐसे में उसकी याचिका को भारी हर्जाने के साथ खारिज किया जाना चाहिए। दूसरी ओर महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जो मुद्दा उठाया है, वह संबंधित निचली अदालत के क्षेत्राधिकार में नहीं आता है। इसलिए निचली अदालत ने परिवाद को खारिज कर कोई गलती नहीं की है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिका पर फैसला बाद में देना तय किया है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम-2019 भारतीय संविधान के धर्मनिरपेक्षता और अनुच्छेद-15 के विपरीत है। इस संशोधन के कारण मुस्लिमों के साथ भेदभाव हुआ है। देशभर में अराजकता का माहौल उत्पन्न हुआ है और देश की एकता और अखंडता को खतरा पहुंचा है। संशोधन के बाद देशभर में अनेक स्थानों पर सांप्रदायिक घटनाएं हुई, लेकिन पुलिस ने या तो एफआईआर दर्ज नहीं की या फिर आधी-अधूरी की है। इसके अलावा निचली अदालत ने भी मामले में दायर परिवाद को खारिज कर कानून की त्रुटि की है।

मानसिक स्वास्थ्य विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे : हाईकोर्ट

- **अदालत ने शिक्षण संस्थाओं में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की नियुक्ति करने को लेकर भी जानकारी पेश करने को कहा है**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकार सहित यूजीसी से पूछा है कि मानसिक स्वास्थ्य विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने शिक्षण संस्थाओं में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की नियुक्ति करने को लेकर भी जानकारी पेश करने को कहा है। अदालत ने मामले में शिक्षा मंत्रालय, प्रमुख शिक्षा सचिव, शिक्षा निदेशक और यूजीसी सहित सीबीएसई को नोटिस जारी कर जवाब तलब भी किया है।

जस्टिस एसपी शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश सुजीत स्वामी व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता अमित दाधीच ने अदालत को बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मिली जानकारी के अनुसार साल 2015 से 2023 तक कोटा, बारां और झालावाड में 12 से तीस साल के 1799 लोगों ने आत्महत्या की। वहीं 2021 से गत मार्च माह तक दस से तीस साल की उम्र के सीकर में 464, जयपुर दक्षिण में 172 और जोधपुर पूर्व में 187 सहित अन्य जगहों में दर्जनों लोगों ने आत्महत्या की है।

इसके अलावा एनसीआरबी की साल 2022 की रिपोर्ट के अनुसार देशभर में सात फीसदी से अधिक आत्महत्या छात्रों से संबंधित है। वहीं 2 फीसदी से अधिक किशोर अपराध दर भावनात्मक तनाव से जुडी है। याचिका में कहा गया कि शैक्षिणक संस्थानों में न तो मानसिक स्वास्थ्य केन्द्र बने हैं और ना ही मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की नियुक्ति की गई है।

इसके अलावा मानसिक स्वास्थ्य विषय को पाठ्यक्रम में भी शामिल नहीं किया गया है। जबकि यदि शैक्षिणक संस्थानों में ही विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से निपटने के लिए तैयार किया जाए तो आत्महत्याओं पर काफी हद तक कमी लाई जा सकती है।

याचिका में गुहार की गई है कि सभी शैक्षिणक संस्थानों में अगले छह माह में प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की नियुक्ति के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना की जाए। वहीं आयु और कक्षा अनुसार मानसिक कल्याण पाठ्यक्रम भी लागू किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए इस संबंध में उठाए जा रहे कदमों की जानकारी मांगी है।

डाक विभाग भर्ती में फर्जी मार्कशीट से नौकरी पाने वाले गिरफ्तार

फर्जी मार्कशीट के आधार पर नौकरी प्राप्त करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

जयपुर । भारतीय डाक विभाग में नौकरी पाने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करने वाले एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। जहां अलवर पुलिस ने ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) के पद पर फर्जी मार्कशीट के आधार पर नौकरी प्राप्त करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई तब की गई जब डाक विभाग की आंतरिक जांच में इन दस्तावेजों के फर्जी होने का पता चला। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि साल 2022 में हुई भर्ती प्रक्रिया में 10वीं कक्षा के अंकों के आधार पर नियुक्ति दी गई थी। नियुक्ति के बाद जब डाक विभाग ने सफल उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जाँच करवाई तो हितेश कुमार, साहिल, मनीषा नैना, शैलेन्द्र कुमार और पिंटू कुमार जैसे कुछ लोगों ने तमिलनाडु के चेन्नई बोर्ड की जाली मार्कशीट जमा करने का पता चला।

इस मामले में पहले हितेश कुमार को गिरफ्तार किया गया था। अब पुलिस ने शैलेन्द्र कुमार निवासी मुड़िया खेड़ा, खैरथल-तिजारा को भी गिरफ्तार किया है, जिसने बताया कि उसने यह फर्जी मार्कशीट अपने दोस्त संदीप यादव के माध्यम से प्राप्त की थी। संदीप यादव को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। संदीप ने स्वीकार किया कि उसने एक कोचिंग सेंटर के संचालक से अपने और शैलेन्द्र के लिए फर्जी अंकतालिकाएं बनवाई थीं।

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू

जयपुर। सहकार सदस्यता अभियान के अंतर्गत आमजन सहकारी समितियों की सदस्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। इसके लिए सहकारिता विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से समन्वय कर एसएसओ आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

ऑनलाइन सदस्यता आवेदन पत्र का लिंक राज सहकार पोर्टल://...पर उपलब्ध है। साथ ही, पैक्स व्यवस्थापक या केन्द्रीय सहकारी बैंक की शाखा में सम्पर्क कर भी लिंक प्राप्त किया जा सकता है। सदस्यता ग्रहण करने के इच्छुक व्यक्ति लिंक पर जाकर एसएसओ आईडी के माध्यम से अथवा सीधे ही एसएसओ आईडी पर लॉगिन कर स्वयं ही ऑनलाइन सदस्यता फॉर्म भर सकते हैं। इसके लिए केवल जनाधार नम्बर की आवश्यकता होगी। सहकारिता के खुली सदस्यता के सिद्धान्त के अंतर्गत अठारह वर्ष या अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति जो संबंधित सहकारी समिति के कार्यक्षेत्र का निवासी हो, ऑनलाइन आवेदन कर समिति की सदस्यता ग्रहण कर सकता है। राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक सहकार सदस्यता अभियान संचालित किया जाएगा।

सार-समाचार

टॉप रेसा ट्रैवल मार्ट पेरिस में राजस्थान पवेलियन का उद्घाटन

जयपुर/ पेरिस। फ्रांस के पेरिस शहर में मंगलवार को आयोजित टॉप रेसा ट्रैवल मार्ट में राजस्थान पर्यटन विभाग भी भाग ले रहा है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में राजस्थान राज्य के पर्यटन को अंतराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से टॉप रेसा ट्रैवल मार्ट (पेरिस) में भाग लिया जाकर, प्रमुख सचिव पर्यटन राजेश कुमार यादव द्वारा राजस्थान पवेलियन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर निजी क्षेत्र के उद्यमी, फ्रांसीसी मीडिया और अन्य आमंत्रित जन उपस्थित रहे। प्रमुख सचिव पर्यटन राजेश कुमार यादव ने बताया कि राजस्थान पवेलियन में स्थानीय टूर ऑपरेटरों, मीडिया, प्रभावशाली लोगों, ब्लॉगर्स आदि के लिए एक रोड शो होगा और फ्रांस में भारतीय दूतावास द्वारा एक और रोड शो की योजना बनाई जा रही है। राजस्थान हर साल बड़ी संख्या में फ्रांसीसी पर्यटकों का स्वागत करता है। इस भागीदारी का उद्देश्य राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देना है।

इमेज सेमिनार संपन

जयपुर । आज के समय में पब्लिक रिलेशंस (पीआर) केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि यह स्टोरीटेलिंग की कला है, जो ब्रांड को लोगों से जोड़ती है। तकनीक चाहे जितनी भी बदल जाए, लेकिन पीआर की नींव आज भी स्टोरीटेलिंग, कनेक्शनंस और विश्वसनीयता पर ही टिकी है। आज के दौर में नेटवर्क ही आपकी नेट वर्थ है। यह बात वरिष्ठ जनसंपर्क विशेषज्ञ, जगदीप सिंह ने रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 द्वारा हाल ही में होटल क्लार्क्स आमेर में पब्लिक इमेज सेमिनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने सेमिनार में ''स्टोरीटेलिंग एंड न्यू ट्रैंड्स इन पीआर'' विषय पर अपने विचार साझा किए। सिंह ने अपने सत्र में आधुनिक पीआर के कुछ प्रमुख ट्रैंड्स पर भी प्रकाश डाला, जिनमें एआई, इंफ्लुएंसर मार्केटिंग, यूज़र-जेनरेटेड कंटेंट, डिजिटल-फर्स्ट पीआर एंड क्राइसिस मैनेजमेंट, और एक्सपीरिएंशल पीआर जैसी नई स्ट्रैटेजीस शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भले ही तकनीक और रचनात्मकता का मेल जनसंपर्क को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा हो, लेकिन मानवीय स्पर्श की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में पब्लिक इमेज- रोटरी की जीवनरेखा और ब्रांडिंग व सोशल मीडिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। गौरतलब है कि सेमिनार का उद्देश्य रोटरी के सार्वजनिक छवि को सुदृढ़ करना, मीडिया के माध्यम से सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना और रोटरी सदस्यों को बदलती संचार तकनीकों से परिचित कराना था।

पांच हजार रुपये का इनामी अपराधी बेंगलुरु से गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच हजार रुपये के इनामी अपराधी केशव कोली निवासी महवा जिला दौसा हाल मुहाना को पुलिस थाना जिगानी बेंगलुरु से दस्तयाब किया गया है। आरोपित मामला दर्ज होने के बाद से जयपुर शहर से फरार होकर मुंबई,गोवा और कर्नाटक के अलग-अलग शहरों में फरारी काट रहा था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी गुरु भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपित केशव कोली दुष्कर्म के मामले में काफी दिनों से फरार चल रहा था।

गहलोत महसूस कर रहे है राजनीतिक असुरक्षा, भूल गए विपक्ष का धर्म : सतीश पूनिया

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने अशोक गहलोत के बयान पर तिखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत राजनीतिक असुरक्षा महसूस कर रहे है और विपक्ष की भूमिका सही तौर पर नहीं निभा पा रहे। सिर्फ सुर्खियों में बने रहने के लिए

- **गहलोत सहन नहीं कर पा रहे सामान्य परिवार के व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना, वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर समझते है फंडामेंटल राइट्स : सतीश पूनिया**

इस तरह के अनर्गल बयानबाजी कर रहे है। विपक्ष में रहने के बावजूद गहलोत एक आंदोलन तक नहीं कर पाएं, अगर उनको विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए कॉचिंग की जरूरत है तो मैं देने को तैयार हूं। पूनिया ने कहा कि गहलोत अब बे-सिर पैर की बातें कर रहे है। इतने बड़े राजनीतिक कद वाले व्यक्ति अगर बे-सिर पैर की बातें करते है तो

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने प्रेस वार्ता आयोजित की।

समझ से परे है। आखिर गहलोत क्या करना चाहते है यह समझ से परे है, वे विपक्ष का धर्म तक भूल गए है। उनकी बातों से ऐसा प्रतित होता है कि गहलोत एक सामान्य परिवार से आने वाले व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनने की बात सहन नहीं कर पा रहे। गहलोत मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपना फंडामेंटल राइट्स समझते है।

भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि गहलोत ने आज अपने कालखंड को याद दिला दिया, गहलोत के कार्यकाल में राजस्थान महिला अपराध, दुष्कर्म, बच्चों की तस्करी, पेपरलीक में देश में नंबर वन था। गहलोत के कार्यकाल में राजस्थान में रोज 17 दुष्कर्म की वारदात हो रही थी, 8 हत्याएं रोज हो रही थी, 2018 से लेकर 2023 तक कानून व्यवस्था पूर्ण रूप से चरमरा गई थी। इन्होंने राजस्थान जैसे शांति प्रिय प्रदेश में 10 प्रतिशत अधिक सांप्रदायिक दंगे करवा दिए। कोरोनाकाल में जहां रोज 162 मौतें हो रही थी, इनकी सरकार बाड़े में बंद थी, अपने ही पार्टी के वरिष्ठ नेता के खिलाफ राजद्रोह जैसा मुकदमा दर्ज करवाने वाले गहलोत की प्रेसवार्ता सिर्फ दिखावटी थी, हकीकत तो वे अपने ही नेताओं को उजागर कर रहे थे। गहलोत घूम फिरकर 2020 में चले जाते है। राजस्थान में अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पेपरलीक जैसे मामलों के चलते गहलोत जी को सत्ता से बाहर जाना पड़ा था।

पूनिया ने कहा कि उनकी बातें सुनकर ऐसा लगता है कि काम कुछ करना नहीं और अखबारों की सुर्खियों में अपनी पार्टी को जिंदा रखने के लिए बयानबाजी करते है। कांग्रेस पार्टी की फितरत है कि सत्ता से बाहर होने पर उनको कुछ समझ नहीं आता।उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल हत्याकांड पर सवाल उठाने वाले गहलोत भूल गए कि यह अपराध गहलोत के कार्यकाल में ही हुआ।

'जिंदा बम प्रकरण में अभियुक्तों के खिलाफ हैं पर्याप्त साक्ष्य'

- **13 मई, 2008 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद जिंदा मिले बम के मामले में अभियुक्तों को मिली आजीवन कारावास के खिलाफ सरकार ने अपना जवाब दिया**

जयपुर। शहर में 13 मई, 2008 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद जिंदा मिले बम के मामले में अभियुक्तों को मिली आजीवन कारावास के खिलाफ पेश अपील में राज्य सरकार ने अपना जवाब पेश किया है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस बीएस संधू ने मामले में 13 अक्टूबर को सुनवाई तय की है। अदालत ने यह आदेश शाहबाज हुसैन और सरवर आजमी की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में शाहबाज हुसैन व सरवर आजमी की ओर से कहा गया कि अधिवक्ता फारुख अहमद व अन्य वकीलों ने कहा कि घटना में हुए बम धमाकों में दर्जनों लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। उस मूल मामले को लेकर दर्ज आठ एफआईआर में याचिकाकर्ताओं को अदालत ने दोषमुक्त कर दिया था। ऐसे में यह मामला उसी घटना से जुडा है और इसमें कोई जनहानि नहीं हुई है। ऐसे में जब मूल मामले में ही याचिकाकर्ताओं को हाईकोर्ट बरी कर चुका है तो जिंदा बम में मामले में अलग से सजा देने का कोई आधार ही नहीं है। ऐसे में इस मामले में भी उन्हें दोषमुक्त किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से जवाब पेश कर कहा गया कि जिंदा बम को लेकर पूरी कार्रवाई अलग से चली है और अभियोजन पक्ष के बाद याचिकाकर्ताओं के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है। ऐसे में निचली अदालत का आदेश सही है। निचली अदालत में विशेष लोक अभियोजक रहे सागर तिवारी ने बताया कि बम कांड की विशेष अदालत ने दोनों याचिकाकर्ताओं सहित मोहम्मद सैफ और सैफुर्रहमान को गत 8 अप्रैल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

Celebrating the Power of Punctuation

National Punctuation Day, observed every year on September 24, celebrates the importance of correct punctuation in writing and communication. Often overlooked, punctuation marks bring clarity, rhythm, and meaning to sentences, preventing misunderstandings and enhancing expression. From the humble comma to the emphatic exclamation mark, each symbol plays a vital role in shaping our thoughts into coherent language. The day encourages people to pay attention to grammar, learn about lesser-used marks like the semicolon, and even have fun with punctuation-themed activities. Beyond rules, it's a reminder that strong communication starts with attention to detail, precision, and creativity in language.

#MUSIC

The Royal Secret

The Royal Secret that kept India's Rampur-Sahaswan Gharana alive under British Rule

The Nawab family.

When we think of classical music, Europe's grand orchestras and maestros often come to mind. Yet, long before Europe formalized its classical traditions, India had already nurtured an intricate, deeply expressive musical heritage, exemplified by the Rampur-Sahaswan Gharana. This gharana wasn't just a style; it was a full-fledged academy that cultivated ragas, rhythms, and the profound emotions at the heart of Indian classical music.

Hamid Ali Khan of Rampur Nawab of Rampur.

What is the Rampur-Sahaswan Gharana?

Emerging in the late 19th century in the princely state of Rampur, this gharana (musical lineage) is renowned for its emphasis on clarity, precision, and emotive expression in vocal music. It built upon the rich traditions of the Gwalior gharana, emphasizing strict adherence to the structure of ragas while bringing fresh interpretations to them. Unlike the orchestral format of European classical music, the gharana system functions as a living school, knowledge is passed down orally from guru (teacher) to shishya (student). It trains musicians in not just technical mastery but also in understanding the spiritual and emotional essence of each raga and tala (rhythm cycle).

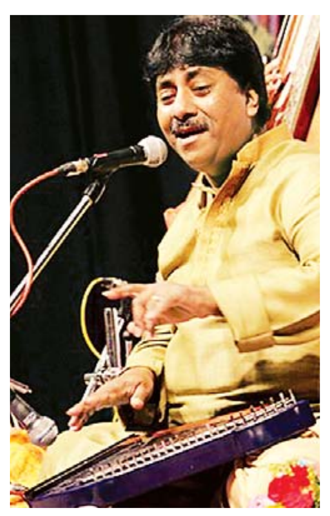

Ustad Rashid Khan of the Sahaswan Gharana.

The Role of the 'Lazy' King Who Saved a Culture

Here's where the story takes an unexpected turn. During British colonial rule, many Indian cultural practices faced decline, with royal patronage waning and artists struggling to survive. Rampur, however, had a peculiar protector: Nawab Hamid Ali Khan, the ruler often nicknamed 'the lazy king.'

Contrary to what the nickname suggests, Nawab Hamid Ali Khan was a secret guardian of Indian culture. While outwardly indifferent to politics or administration, he quietly and consistently supported musicians and artists. His palace became a sanctuary where the Nawab Hamid Ali Khan could thrive, shielded from the cultural erosion sweeping the subcontinent. His 'laziness' was actually a clever disguise, allowing him to avoid British scrutiny and interference. By focusing on preserving the arts rather than engaging in political resistance, he ensured that a crucial part of India's intangible heritage survived.

Why Does This Matter Today?

The Rampur-Sahaswan Gharana represents more than a musical style, it embodies the resilience of Indian

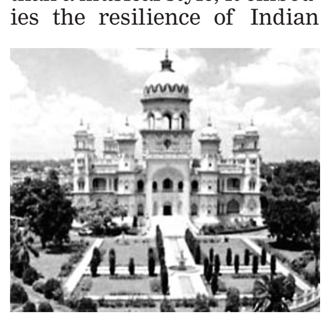

culture under colonial pressure. Its survival and flourishing demonstrate how art can persist and adapt even in adverse circumstances. Today, musicians from this gharana continue to perform and teach, carrying forward centuries of knowledge about ragas, rhythmic cycles, and the delicate balance of emotion and discipline. They remind us that classical music isn't just notes and scales, it's a living, breathing expression of history, identity, and soul.

Nawab Hamid Ali Khan had build a separate station.

From 'Juto Shelai to Chandipath'

The focus is most importantly on the puja rituals. Ma Durga, which is being built painstakingly by sculptor Amit Pal from Kolkata, has a traditional touch and the team bearers want the idol to remain as a standard-bearer of tradition. It is going to be ek-chaali, her eyes elongated, her face Bangla-mukh, broad and flat, ideally the iconic traditional image of the Goddess. And Anjali or serenading the deity and dhunuchi dance with lit bowls of incense amidst the beats of dhaak, would be a big part of the small effort. "For us the Sindur Khela, would represent the bonhomie between women from all walks of life and represent sisterhood and inclusivity," say the team members.

Prakash Bhandari
The writer is a senior journalist

#DURGA POOJA

Your voice matters. Because the world doesn't just need loud voices, it needs our voice, our story and our perspective and the right to be known and heard. Simply put, there is no greater solace than owning your unique story. This was the precise thought that has gone behind the first-of-its-kind unique initiative in Jaipur, an all women-led Durga Puja, that starts from September 27 and ends on Oct 2, with Vijay Dashmi.

The meaning of Durga Puja lies in its celebration of the triumph of good over evil and the more important reason of acknowledgement of feminine power. With the themes that run concurrently, let every voice be heard and that just empowering women would not work unless men are equally empowered to think of respecting women, which would eventually change attitude and change lives, Jaipur's Anandoprabha Cultural Society (ACS) is organising the Durga Puja this year at Chordia Outhouse on Takhteshahi Road.

> "A small effort but a big leap in terms of women empowerment," says Pronoti Ray, president of ACS. "The genesis of the idea started when a few women professionals got together and thought that an all-women team can definitely go ahead if we believe in ourselves and our abilities firstly."

The women force behind the pujo : Arpita Chatterjee, Pronoti Ray, Rakhee Roytalukdar, Mandira Das, Ramona Mukherjee and Sudarshana Chakraborty.

"A small effort but a big leap in terms of women empowerment," says Pronoti Ray, president of ACS. "The genesis of the idea started when a few women professionals got together and thought that an all-women team can definitely go ahead if we believe in ourselves and our abilities firstly. So, the idea is not just to stop at a one-off puja and then lull all the year round. But we thought of beginning with Durga Puja, which showcases the epitome of courage and the strength of female power to end all evil and certainly is Bengal's biggest festival." The team comprises a retired banker Sudarshana Chakraborty, teachers Arpita Chatterjee, Mandira Das and Ramona Mukherjee and journalist Rakhee Roytalukdar. It is a self-funded puja as there was consensus on not going asking for donations this year. "Whatever we have earned as professionals can definitely be put into the good cause of real women empowerment, beginning with the puja." Hearing about our initiative, many people have come in the team's support, on their own. "Chordia's have been gracious enough to recognise the idea of Durga Puja by an all-women team and have given their premises for conducting the auspicious occasion on their premises. They are the first ones who understood that women and their opinions matter," says Roytalukdar. "It has not been an easy task but all of us have taken it into our stride," says Chakraborty, a retired assistant manager with SBI. "All decisions, from smallest to biggest, are being handled by us, like we say in Bengal from 'Juto Shelai to Chandipath.' But all our decisions are arrived at after debate and discussion and nobody takes decisions single-handedly. We strongly abide by the guideline that 'dissent is the safety valve in a democratic set-up.'"

Ray says that society wants all other women who have minds of their own and want to make a difference, think of ideas that will bring women and also men together and revolve around inclusivity, and are welcome to join the club.

Meanwhile, one can enjoy the five days of festivities with bhog of khichuri, labda, payesh and cultural programmes including sitar recital, an all-women poetry and storytelling project Ahaavan, and musical bands which would showcase the mellifluous songs from Bengal and also Bollywood songs inspired from Bangla culture.

"For us, Ma Durga with her children comes to enjoy five full days and we want to make the most of the time," says Das, a Business Studies teacher.

"When we bid adieu to her, we feel empty, sad but we know her spirits, her strength would keep us afloat all the year round, till she descends on earth next year," says Chatterjee, a music teacher.

But the focus is most importantly on the puja rituals. Ma Durga, which is being built painstakingly by sculptor Amit Pal from Kolkata, has a traditional touch and the team bearers want the idol to remain as a standard-bearer of tradition. It is going to be ek-chaali, her eyes elongated, her face Bangla-mukh, broad and flat, ideally the iconic traditional image of the Goddess. And Anjali or serenading the deity and dhunuchi dance with lit bowls of incense amidst the beats of dhaak, would be a big part of the small effort. "For us, the Sindur Khela would represent the bonhomie between women from all walks of life and represent sisterhood and inclusivity," say the team members.

And as the dhaak starts reverberating and the Kash flowers blow under blue-sky filled with white, fluffy cumulus clouds, the exclusive women team in Jaipur with their first initiative is sending out a strong message that "start believing in the endless possibilities which women are capable of, especially when they choose to bond together and put out their unique story."

rajeshsharma1049@gmail.com

> "For us, Ma Durga with her children comes to enjoy five full days and we want to make the most of the time," says Das, a Business Studies teacher. "When we bid adieu to her, we feel empty, sad but we know her spirits, her strength would keep us afloat all the year round, till she descends on earth next year."

The Pujo Rhythm : Even as the team work hard to get the puja organised, they don't forget to indulge in a lighter moment, practising the right moves of dhunuchi nrityo (Rakhee, Arpita and Sudarshana in pix).

Every Bengali's hallmark : The quintessential Bengali adda just before each team member gets down to the nitty gritties of the pujo (Rakhee, Mandira and Sudarshana in pix).

#HIGH

Wild Parrots Addicted to Opium

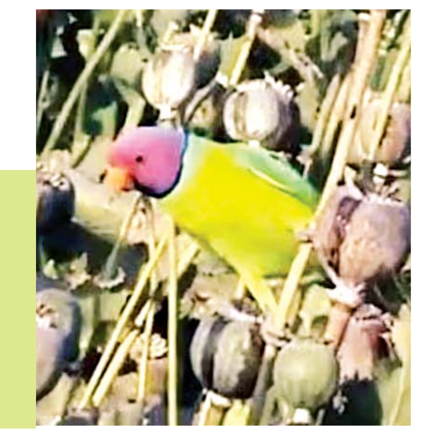

A Bizarre Phenomenon in the North-West missing from Southern India

In the rugged heartlands of central and northwestern India, a bizarre and troubling phenomenon has taken root: wild parrots, particularly Indian ring-necked parakeets, have become addicted to opium. These birds have learned to raid licensed poppy fields, tearing into the pods to sip the milky, opiate-rich latex that oozes from them. Farmers have been left exasperated and helpless as their legally cultivated crops are pillaged, not by thieves on foot, but by flocks of winged junkies.

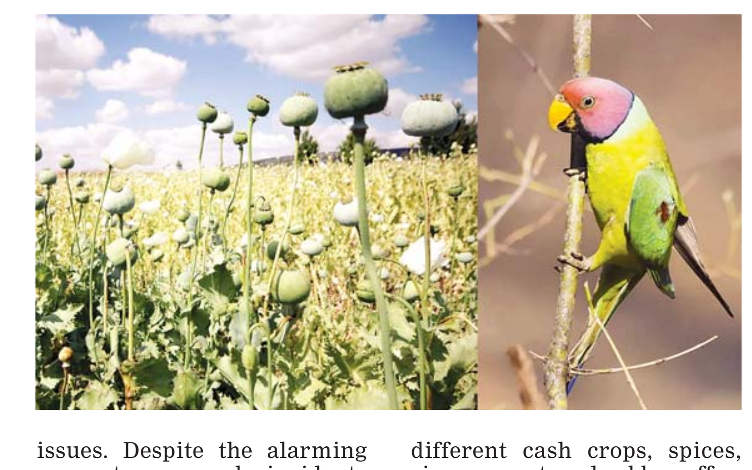

Reports of this strange behavior first emerged in regions like Neemuch in Madhya Pradesh and Chittorgarh and Pratapgarh in Rajasthan, states where the cultivation of opium poppies is legal under government regulation. What began as an occasional nuisance has now evolved into a full-blown agricultural headache, with flocks of parrots returning to the fields up to 30 or 40 times a day, according to local farmers. Once the pods are carefully lanced by cultivators to release the opium-rich latex, a critical step in harvesting, the parrots swoop in, feast on the substance, and sometimes fly away with entire pods.

The birds' behaviour after consumption is even more disturbing. Many are seen flying erratically, crashing into trees or lying dazed on the ground, high on the effects of the narcotic. Some parrots, when deprived of access during the off-season, reportedly show signs of withdrawal, refusing food, exhibiting lethargy, and even dying, possibly from dependency-related health issues. Despite the alarming accounts, no such incidents have been documented in southern India. A comprehensive review of agricultural reports, regional news coverage, and scientific literature reveals no evidence that this opium addiction has spread to parrots in states like Tamil Nadu, Karnataka, Kerala, Andhra Pradesh, or Telangana. While poppy cultivation exists in very limited, regulated zones across the country, the large-scale legal cultivation found in Madhya Pradesh and Rajasthan creates a unique environment, one that appears to have enabled this unusual behaviour to flourish.

This regional confinement may be explained by a combination of ecological and regulatory factors. The legal cultivation of opium in India is tightly controlled and geographically limited. Central India's dry climate is particularly suited to poppy farming, and it's here that large tracts of land are licensed under the supervision of the Narcotics Control Bureau. In contrast, southern India's geography and agriculture lean towards different cash crops, spices, rice, coconut, and rubber, offering no comparable opportunity for parrots to encounter and adapt to opium use.

Scientists and wildlife experts are still debating whether the parrots' behaviour constitutes true addiction or is simply opportunistic feeding driven by taste or nutritional needs. Some researchers compare the behaviour to how humans develop a caffeine habit, starting with small doses for energy, only to become dependent over time. In contrast, other ecologists suggest that the parrots may be after the seeds or other components of the pods, and that the intoxicating effects are a secondary consequence rather than the primary goal.

Regardless of the underlying biology, the impact on farmers is very real. Opium cultivation in India is closely monitored, and farmers are expected to account for every gram. Losses due to parrots can jeopardize a farmer's license, pushing them into bureaucratic and financial turmoil. Traditional deterrents, such as scarecrows, firecrackers, or loudspeakers, have proven largely ineffective, as the birds appear both fearless and relentless in their quest for a fix.

In the end, this strange intersection of wildlife behaviour, agriculture, and narcotic substances paints a surreal picture: wild parrots, possibly addicted to opiates, raiding state-regulated poppy fields under the open Indian sky. For now, this phenomenon remains confined to certain districts in central and northwestern India, but it serves as a potent reminder of how human activity, even in tightly regulated forms, can produce unforeseen and sometimes disturbing ripple effects in the natural world.

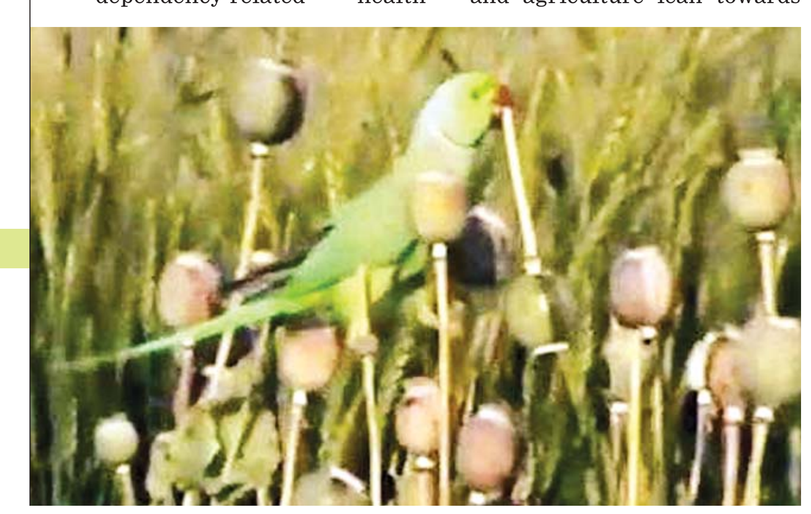

#TEXTILES

Fair Use or Appropriation?

The Seersucker Debate

In today's interconnected world, fashion and culture often collide in ways that spark both celebration and controversy. One hot topic in recent years is the fine line between fair use and cultural appropriation, a debate that has come under the spotlight with fabrics like seersucker, a lightweight cotton fabric with a distinctive puckered texture.

What Is Seersucker?

Seersucker originated in South Asia and was widely popularized during the British colonial period. Traditionally used in warm climates due to its breathability, seersucker has become a staple in Western summer fashion, particularly in the American South. Its origins lie deeply embedded in South Asian textile heritage, yet, it's been embraced and transformed globally.

Fair Use: Creative Inspiration or Cultural Exchange?

Fair use in cultural contexts refers to borrowing or drawing inspiration from existing cultural elements in a respectful, transformative way that adds new meaning or value. Fashion designers and artists often draw from diverse cultures, blending styles and fabrics to create fresh designs. When seersucker is used as a fabric in new collections, many argue it falls under fair use, an example of cultural exchange rather than exploitation. The key is respect, acknowledgment, and transformation. Designers, who research the fabric's history, credit its origins, and create innovative works, can help keep cultural traditions alive while introducing them to new audiences.

Appropriation: When Borrowing Crosses the Line

On the flip side, cultural appropriation happens when elements like seersucker are used without understanding or respecting their cultural significance. This can be especially problematic when the borrowed culture is marginalized or historically oppressed, and the appropriation benefits dominant groups commercially without giving back. Critics argue that using seersucker purely for aesthetic value without acknowledgment risks erasing its cultural roots and commodifying heritage. Worse, when designers or companies profit from such designs without benefiting the communities where the fabric originated, it feeds into systemic cultural exploitation.

The Grey Area and Responsibility

The debate is rarely black and white. With seersucker, some designers embrace its history, collaborating with artisans from South Asia or donating to cultural preservation efforts. Others use it superficially, reinforcing stereotypes or stripping the fabric of context. For consumers, awareness is key. Asking questions about where materials come from, who makes them, and how cultural heritage is treated helps foster ethical fashion choices.

Respectful Cultural Exchange

The path ahead lies in mutual respect and transparency. Fair use is possible when designers approach cultural elements like seersucker with curiosity, care, and collaboration. Appropriation can be mitigated by recognizing history, compensating communities, and promoting cultural education. In the vibrant dialogue around seersucker and beyond, the conversation is evolving, pushing the fashion industry and consumers alike to think deeply about the stories behind what we wear.

THE WALL

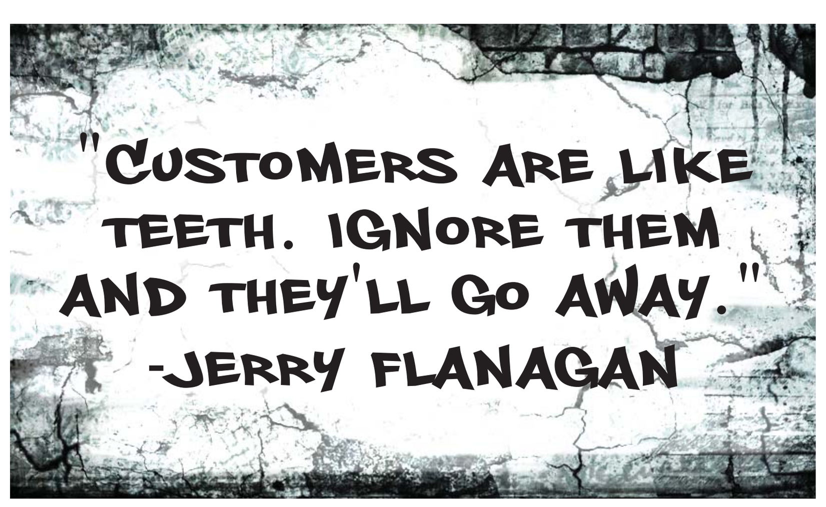

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

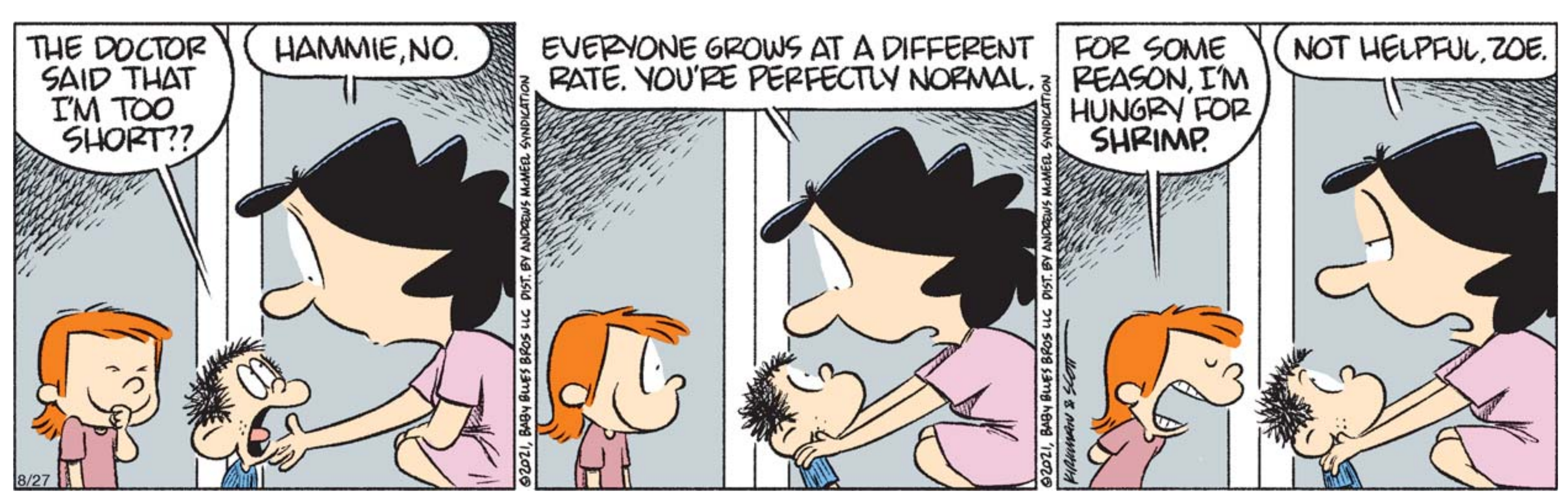

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

सवारियों से भरी रोडवेज बस हाइवे पर नाले में गिरी, 43 यात्री घायल

टायर फूटने के बाद एक्सल टूट जाने से बस बेकाबू होकर नाले में गिरकर पलट गई

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार को तारण गांव के पास नेशनल हाइवे-148 पर सवारियों से भरी एक रोडवेज बस अनियंत्रित होकर नाले में पलट कर गिर गई। हादसे के बाद सवारियों में चीख-पुकार मच गई तथा इस दौरान बस में मौजूद 43 यात्री घायल हो गए।

- **बस सवाई माधोपुर से जयपुर जा रही थी, हादसे के समय बस में करीब 50 सवारियां थी**
- **घायलों में 24 पुरुष, 17 महिलाएं और 2 बच्चे हैं, एक गंभीर घायल को जयपुर रेफर किया**

तारण गांव के पास नेशनल हाइवे-148 पर सवारियों से भरी रोडवेज बस अनियंत्रित होकर नाले में पलट कर गिर गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रोडवेज बस का टायर फूटने के बाद एक्सल टूट जाने से बस बेकाबू होकर पुलिया की दीवार से टकराते हुए नाले में गिरकर पलट गई। हादसे के बाद सवारियों में चीख-पुकार मच गई तथा इस दौरान बस में मौजूद 43 घायल हो गए, घायलों में 24 पुरुष, 17 महिलाएं और 2 बच्चे है। इनमें से एक घायल की तबियत ज्यादा खराब होने से उसे जयपुर रेफर किया गया है। हादसे के बाद धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़कर आए और घायलों को बस में से बाहर निकाला। बाद में सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से घायलों को सआदत अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

बताया जा रहा है कि बस सवाई माधोपुर से जयपुर जा रही थी, हादसे के समय बस में करीब 50 सवारियां थी। उधर इसकी सूचना मिलने के बाद पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता व बीजेपी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान भी कार्यकर्ताओं के साथ सआदत अस्पताल पहुंचे और घायलो से बातचीत की। वहीं मौके पर सदर थाना प्रभारी जयमल सिंह व कोतवाली प्रभारी भंवरलाल वैष्णव पहुचे। पूछताछ में मौजूद घायलों ने बताया कि बस का एक्सल टूटने के बाद ये उक्त घटना होना सामने आयी हैं, लेकिन एक्सीडेंट के वास्तविक कारण जांच होने के बाद कारण सामने आएंगे।

बीज उत्पादक कंपनियों ने कागजों में ही प्रमाणित बीज तैयार किए

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में बीज उत्पादक कंपनियां बीज प्रमाणीकर संस्था के अधिकारियों से मिलीभगत कर कागजों में प्रमाणित बीज उत्पादन का अनुबंध दिखाकर किसानों से बड़े स्तर पर गड़बड़ी कर रही हैं, जबकि संबंधित किसान को अनुबंध के संबंध में कोई जानकारी ही नहीं होती।

- **कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने इसे प्रमाणित बीज के नाम पर किसानों के साथ धोखा बताया है**

प्रमाणित बीज उत्पादक वाले खेतों का राजस्थान राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था के अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करनी होती है, लेकिन ये रिपोर्ट भी सिर्फ कागजों में ही तैयार हो रही है। जिले के दौरे पर आए कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने गत दो दिनों के दौरान निजी बीज कंपनियों की ओर से जहां खेतों में बीज उत्पादन करना रिकॉर्ड में दिखाया गया है। वहां मौके पर पहुंचे तो रिकॉर्ड में ग्वार बीज उत्पादन के स्थान पर मक्का, मूंग व कपास की फसलें मिलीं। यानी मौके पर प्रमाणित बीज उत्पादन होना नहीं पाया गया, जबकि कंपनियां कागजों में ही प्रमाणित बीज तैयार कर रही है। अब इस मामले में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने इसे प्रमाणित बीज के नाम पर किसानों के साथ धोखा बताया है तथा कमेटी गठित कर जांच कराने की बात कही है। कृषि वैज्ञानिक किसानों की जमाबंदी व अन्य निजी रिकॉर्ड ज्यादातर ऑनलाइन होता है। ऐसे में ऑनलाइन जमाबंदी निकाल किसान का फर्जी अनुबंध पत्र तैयार कर लिया जाता है या फिर किसान जहां से बीज क्रय करता है वे किसान से उसका रिकार्ड ले लेते है। उपज 100 से 300 रुपए प्रति क्विंटल मार्केट रेट से अधिक देने का लालच देकर अनुबंध पत्र तैयार कर लेते है। इसके बाद निजी बीज उत्पादक संस्था की ओर से बाकायदा बीज उत्पादन दिखाए गए किसानों के रिकार्ड सहित सूची तैयार राजस्थान राज्य बीज प्रमाणिकरण संस्था में फील्ड निरीक्षण के लिए शुल्क भी जमा कराया जाता है, लेकिन निजी बीज उत्पादकों व बीज प्रमाणीकरण संस्था अधिकारियों की मिलीभगत से कागजों में ही फील्ड निरीक्षण की रिपोर्ट तैयार कर बीज उत्पादन दिखा दिया जाता है। पकड़ में आए मामलों में भी ऐसा ही है।

निजी बीज उत्पादक संस्थाओं की ओर से फसल पकने पर अच्छी क्वालिटी देखकर किसानों को मार्केट रेट से 100 से 200 रुपए प्रति क्विंटल अधिक देकर पूरी उपज खरीद ली जाती है। या फिर धानमंडी से किसानों द्वारा लाई गई उपज की ढेरियों में से अच्छी क्वालिटी की फसल देखकर खरीदी जाती है। इसके बाद बीज उत्पादक ग्रेडिंग कर इसे प्रमाणित बीज बताकर आगामी फसल के लिए किसानों को महंगे दामों पर बेच देता है, लेकिन किसान से जो उपज खरीदी गई उस फसल में फंगस व अन्य किसी रोग का प्रकोप रहा है तो क्वालिटी भले ही अच्छी हो लेकिन आगामी फसल में उसका अंकुरण व उत्पादन इससे प्रभावित होता है। यही किसानों के साथ धोखा है। इस बीज को नकली नहीं कह सकते लेकिन ये बीज अमानक है।

नियमानुसार निजी बीज उत्पादकों की ओर से किसानों के साथ प्रमाणित बीज उत्पादन का अनुबंध किया जाता है। इसमें संबंधित किसान के खेत की जमाबंदी व अन्य दस्तावेजों के साथ अनुबंध पत्र भरकर किसान की फोटो लगाकर अनुबंध किया जाता है। कंपनी किसानों को बीज उत्पादन की एवज में उपज का मार्केट रेट से 100 से 300 रुपए प्रति क्विंटल तक अधिक देने का अनुबंध करती है।

संतवीर सिंह, प्रगतिशील किसान ने बताया कि निजी बीज उत्पादक संस्था की ओर से अनुबंध करने के बाद प्रमाणित बीज उत्पादन वाले किसानों के मोबाइल नंबर व संपूर्ण दस्तावेजों के साथ सूची तैयार कर राजस्थान राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था में फील्ड निरीक्षण के लिए शुल्क जमा करवाना होता है। इसके बाद नियमानुसार संस्था के अधिकारी समय समय पर बीज उत्पादन वाले खेतों का निरीक्षण करते है। बीज उत्पादन में कोई खामी पाई जाए तो अनुबंध निरस्त किया जा सकता है।

किरोड़ीलाल मीणा, कृषि मंत्री राजस्थान सरकार का कहना है कि निजी बीज उत्पादक संस्थाएं प्रमाणित बीज के नाम पर किसानों के साथ धोखा कर रही है। साथ ही ये लोग प्रधानमंत्री के किसानों की आय दोगुनी करने के मिशन में बाधा है। प्रदेश स्तर पर कमेटी गठित कर इस मामले की विस्तृत जांच करवाई जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

माही पुल से नदी में कूदा युवक, 28 घंटे बाद शव मिला

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना क्षेत्र में माही पुल से एक युवक नदी में कूद गया। पुलिस ओर एसडीआरएफ की टीम 28 घंटों तक उसकी तलाश करती रही। इसके बाद शव तैरता हुआ मिला। पुलिस अब घटना को लेकर जांच कर रही है।

सागवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि विठ्ठल पुत्र लाला गायरी निवासी वगैरी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया की उसके बड़े पापा का बेटा गंगाराम उर्फ नाना पुत्र गौतम गायरी निवासी वगैरी बाइक लेकर घर से निकला था। वह बाइक लेकर माही पुल पर खड़ा था।

इसी दौरान वह अचानक से नदी में गिर गया। जिस पर आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। वहीं, युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम उसकी नदी में तलाश करती रही, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम नदी में आसपास के इलाके में उसे ढूंढती रही। सोमवार दोपहर के समय उसका शव नदी में तैरता हुआ मिला। इसके बाद पुलिस ने उसका शव नदी से बाहर निकाला। शव को सागवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

जंगल में नवजात तड़पते हुए मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र के खैराड इलाके में सीता का कुंड जंगल में नवजात तड़पते हुए मिला। उसको जब देखा तो पता चला कि उसके मुंह में पत्थर डालकर होंठों को फेविक्विक से चिपका दिया था। इतनी हैवानियत करने का एकमात्र कारण यह था कि नवजात के रोने को कोई सुनना ना सके, लेकिन भगवान ने उस नवजात को बचा लिया। जानकारी के अनुसार कोई व्यक्ति बकरियां चराने के लिए जंगल में गया। वहां तड़पने की आवाज सुनकर वो पास गया तो उसका दिल दहल गया। उसने ग्रामीणों को तुरंत पुलिस को सूचना दी। बिजौलिया पुलिस मौके पर पहुंचकर नवजात को लेकर गई और अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन नवजात की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल में रेफर किया गया। हाल ही में किस महिला के डिलीवरी हुई है, इसका पता लगाने में पुलिस जुटी है।

- **मुंह में पत्थर डालकर होठों को फेविक्विक से चिपका दिया था**

सीएम भजनलाल शर्मा की सभा में मंच पर बैठने को लेकर उप महापौर का हंगामा

हंगामा सुनकर सीएम भजनलाल शर्मा सरस्वती वंदना करने के लिए जाते हुए रुक गए

भीलवाड़ा, (निसं)। सीएम भजनलाल शर्मा के एक दिवसीय दौरे पर उप महापौर रामलाल योगी का हंगामा सुर्खियों में आ गया है। यहां तक कि कुछ मिनटों में इसकी सूचना भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ तक पहुंच गई।

जानकारी के अनुसार उप महापौर रामलाल योगी को महापौर राकेश पाठक ने आयुक्त हेमाराम चौधरी के कक्ष में बुलाया। वहां उन्हें बताया गया कि आपको मंच पर बैठना है। इसके लिए, सूची में आपका नाम है। इस उपमहापौर योगी सहमत हो गए। बाद में उप महापौर योगी ने मंच पर जाने के लिए एंट्री करनी चाही तो पता चला कि सिक्योरिटी ऑफिसर को मंच पर बैठने वालों की जो सूची दी गई उसमें योगी का नाम नहीं था। इसके बाद योगी दूसरे गेट पर पहुंचे। वहां पता चला कि भाजपा के 25 पार्षदों को ही अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। योगी ने जैसे-तैसे टाउन हॉल में प्रवेश कर लिया। इधर, हंगामा सुनकर सीएम सरस्वती वंदना करने के लिए जाते हुए रुक गए। उप महापौर योगी ने वहीं बोलना शुरू कर दिया। ये क्या व्यवस्था कर रखी है। भाजपा सरकार का कार्यक्रम है और भाजपा के कार्यकर्ताओं को ही अंदर नहीं आने दिया जा रहा है। नगर निगम में पार्षदों के बैठने की व्यवस्था नहीं की गई। उन्हें पुलिस की ओर से एंट्री करने पर रोक लगा दी गई, ये क्या बात हुई। सीएम, डिप्टी सीएम हैरान रह गए। इधर एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव और कलेक्टर जेएस संधू के हाथ पैर फूल गए। वे तुरंत उप महापौर योगी के पास पहुंचे और समझाइश करने लगे। कुछ देर बाद योगी भी मान गए और पीछे जाकर जमीन पर बैठकर ही सीएम का पूरा भाषण सुना। सीएम ने जिलाध्यक्ष मेवाड़ा से जानकारी ली।

उप महापौर ने मंच पर बैठने की बात को लेकर हंगामा किया।

- **उप महापौर रामलाल योगी को पहले मंच पर बैठने के लिए कहा गया था, बाद में एंट्री नहीं मिली**
- **हंगामे की सूचना कुछ मिनटों में ही भाजपा प्रदेशध्यक्ष मदन राठौड़ तक पहुंची**

उप महापौर रामलाल योगी ने बताया कि मुझे मंच पर जाने का शौक नहीं है वो महापौर पाठक ने पहले सूचित किया, इसलिए वहां जा रहा था, लेकिन मुझे जो सूची दिखाई और सिक्योरिटी को जो सूची दी गई उसमें अंतर कैसे आया, यह पता नहीं। मैंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को प्रकरण के बारे में सूचित कर दिया है। इधर, योगी के हंगामे के बाद भाजपा में कई तरह की चर्चाएं सामने आने लगी है।

खाद के 60 कट्टे व पिकअप जब्त

छबड़ा, (निसं)। एमपी के गुना जिले के राघौगढ़ इलाके में पुलिस और प्रशासन ने खाद के अवैध परिवहन पर कार्रवाई की है। राजस्थान ले जाई जा रही डीएपी खाद के 60 कट्टे और बोलेरो पिकअप वाहन जब्त किए गए हैं। झालावाड़ निवासी आरोपी चालक के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई।

- **एमपी के गुना जिले के राघौगढ़ इलाके में पुलिस और प्रशासन ने कार्रवाई की**

राघौगढ़ पुलिस चेकिंग के दौरान बोलेरो पिकअप को रोका। वाहन में सवार लक्ष्मीनारायण लोधा, निवासी बुधवारा, जिला झालावाड़ (राजस्थान) से पूछताछ में कोई वैध दस्तावेज या भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र नहीं मिला। इससे स्पष्ट हुआ कि खाद का अवैध परिवहन किया जा रहा था। उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आरती सिंह ने मौके पर जांच कर खाद के अवैध परिवहन की पुष्टि की। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा बनाकर खाद के 60 कट्टों को जब्त कर थाना राघौगढ़ में सुपुर्द किया। बोलेरो पिकअप वाहन भी जब्त किया गया है।

फरार आरोपी गिरफ्तार

सरवाड़, (निसं)। सराना थाना पुलिस ने अवैध गांजा की खरीद फरोख्त के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सराना थानाधिकारी उगमाराम ने बताया कि सरवाड़ थाना पुलिस ने गत 5 सितंबर को अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई कर शमशुद्दीन एवं लतीफ को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 3.925 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया था। साथ ही मादक पदार्थ के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही एक स्विफ्ट कार भी जब्त की थी। वहीं सरवाड़ थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच सराना थानाधिकारी के जिम्मे की थी। अनुसंधान के बाद सराना पुलिस ने गांजा खरीददार सरवाड़ निवासी सांपला गेट रविन्द्र छीपा उर्फ टोनी पुत्र गणपत छींपा को गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस जहां हारती है, वहां वोट चोरी का मुद्दा उठाती है : विधायक भाटी

'जहां-जहां कांग्रेस जीत रही है, वहां भी कांग्रेस को सर्वे करना चाहिए'

बीकानेर, (निसं)। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि वोट चोरी मुद्दे में ज्यादा दम नहीं है, ये सिर्फ चुनावी मुद्दा है। जहां-जहां कांग्रेस जीत रही है, वहां भी कांग्रेस को सर्वे करना चाहिए। अगर वोट चोरी है तो राजस्थान में इतनी लोकसभा सीट नहीं मिलती। कांग्रेस को लोकसभा चुनाव के नतीजों के बारे में बात करनी चाहिए। राजस्थान में वोट चोरी होती तो इतनी सीट कांग्रेस को नहीं मिलती। आज के समय में वोट चोरी जैसी बात संभव प्रतीत नहीं होती। भाटी बीकानेर में एक दिन के दौरे पर हैं। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में भाटी ने कहा किजहां कांग्रेस हारती है वहां वोट चोरी का मुद्दा उठा लेती है। जहां जीतती है वहां कहती नहीं है। भाटी ने कहा कि खेजड़ी को बचाने के लिए राजस्थान में ट्री प्रोटेक्शन एक्ट लाया जाएगा। इसके लिए विधानसभा में प्रयास चल रहा है। इस एक्ट को लाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है ताकि खेजड़ी जैसे पेड़ों को बचाया जा सके। भाटी ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि राजस्थानी भाषा हमारी खुद की भाषा है। इसे संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए संघर्ष में मैं साथ हूं। हम विदेश में भी जाते हैं तो राजस्थानी भाषा में बात करते हैं। ये हमारी खुद की भाषा है, इसके लिए संघर्ष भी करना पड़ा तो मैं साथ रहूंगा।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (निसं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में स्थित होटल से कूदकर युवक ने आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सवेरे अम्बामाता थाना क्षेत्र हरिदासजी की मगरी स्थित होटल की तीसरी मंजिल से मयंक पुत्र अशोक चड्डा ने कूदकर आत्महत्या कर ली। हेडकांस्टेबल नरेश कुमार ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

मृतक की पत्नी और दो पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के निवासी युवक की गत दिनों रेलवे ट्रैक के पास मिली लाश के मामले में दो पुलिसकर्मियों और मृतक की पत्नी पर हत्या का आरोप लगाते हुए समाज के लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

- **गत दिनों रेलवे ट्रैक के पास मिली लाश का मामला, लोगों ने प्रदर्शन किया**
- **ब्राह्मण समाज के लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर खदेड़ा, आधा दर्जन लोग घायल**

प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने लाटीचार्ज किया।

जानकारी के अनुसार मृतक पालड़ी निवासी सांवर लाल शर्मा को न्याय दिलाने के लिए मंगलवार को एकत्रित हुए ब्राह्मण समाज के लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज करके खदेड़ दिया। सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा एकत्रित होकर कलेक्टर के बाहर शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोग नारे बुलंद कर रहे थे। समाज के लोगों की मांग है कि मृतक की मौत के मामले में दो पुलिसकर्मियों की भूमिका है। अन्य आरोपी को भी गिरफ्तारी की जाए।

इस मामले में पुलिस कर्मियों के शामिल होने से जांच सीबीआई या एसआईटी से कराई जाए। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व संदिग्ध हालात में मृतक सांवरलाल का शव रेलवे पटरी के पास मिला था। परिजनों का आरोप है कि सांवर की मौत नहीं होकर उसकी हत्या की गई है। हत्या का आरोप अवैध संबंधों के चलते मृतक की पत्नी और दो पुलिसकर्मियों पर लगाया गया है, जिसकी गहनता से जांच जारी है। वहीं दूसरी ओर आक्रोशित भीड़ ने उठा रूप दिखाते हुए प्रदर्शन किया तो एसपी धर्मेंद्र सिंह की मौजूदगी में पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए। वहीं करीब आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस ने जांच शुरू की है।

अजमेर : रोडवेज बस स्टैंड की बिल्डिंग की जर्जर अवस्था देख देवनानी ने नाराजगी जताई

अजमेर, (कासं)। रोडवेज बस स्टैंड का विधानसभा अध्यक्ष और अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान देवनानी ने बस स्टैंड पर गंदगी और बिल्डिंग की जर्जर अवस्था को लेकर परिवहन विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि केंद्रीय रोडवेज बस स्टैंड को आने वाले 50 सालों के लिए विकसित किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर लोक बंधु सहित विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

विधानसभा अध्यक्ष और उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को केंद्रीय रोडवेज बस स्टैंड की दुर्दशा को लेकर नाराजगी जताई और कहा कि काफी समय से जनता द्वारा समस्याओं से अवगत कराया जा रहा था, इसे लेकर ही आज जिला प्रशासन, निगम और रोडवेज के अधिकारियों के साथ बस स्टैंड का जायजा लिया है।

देवनानी ने कहा कि केंद्रीय रोडवेज बस स्टैंड की यह बिल्डिंग काफी पुरानी होने के कारण कई जगहों से जर्जर अवस्था में है, उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड परिसर के कुछ हिस्से ऐसे हैं, जिन्हें सुधारा नहीं जा सकता, लेकिन कुछ हिस्सों को दुरुस्त किया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि जल्द ही व्यवस्था सुधारी जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा वित्तीय बजट में प्रदेश के लिए 10 बस स्टैंड को लेकर घोषणा की थी। इसे लेकर विभागों की प्रक्रिया जारी है, जो बहुत जल्दी पूरी कर ली जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बस स्टैंड का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये।

- **विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि केंद्रीय रोडवेज बस स्टैंड को आने वाले 50 सालों के लिए विकसित किया जाए**

देवनानी ने मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि केंद्रीय बस स्टैंड को आगामी 50 वर्षों तक के लिए अजमेर की जनता के अनुरूप रोडवेज बस स्टैंड विकसित किया जाएगा। तब तक के लिए कुछ चीजों को तय किया है। उन्होंने कहा कि असुरक्षित स्थानों को बंद करने तथा रिपेयर वाली जगह को ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था को सुधारने के भी दिशा निर्देश दिए हैं, इसमें निगम की ओर से भी सहयोग किया जाएगा। अजमेर की जनता को राहत मिले इसके मद्देनजर रोडवेज बस स्टैंड पर काम किए जाएंगे। साथ ही अजमेर वर्कशॉप को अजमेर वर्कशॉप के साथ एक माह में शिफ्ट करने की निर्देश भी दिए हैं।

देवनानी ने मंगलवार को अजमेर के केंद्रीय रोडवेज बस स्टैंड के निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर लोकबंधु के साथ ही जिला प्रशासन, निगम और परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। देवनानी ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को साफ-सफाई, बस स्टैंड पर हुई टूट-फूट सहित अन्य विषयों को लेकर फटकार लगाई तथा विभाग को जल्द इन्हें दुरुस्त करने दिशा निर्देश दिए।

जेवर चोरी करने वाला आरोपी पकड़ा

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गोपाल कोटेड पुत्र भगवान कोटेड निवासी डोल कुकेला ने कंबोईया गांव में एक सूने घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी ने घर के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए थे। मामले में पुलिस ने आरोपी का कब्जे से चोरी हुए जेवर बरामद कर लिए हैं। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

धंबोला थाना अधिकारी ने बताया कि कंबोईया निवासी लक्ष्मण पुत्र होमजी बामनिया की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि 16 अगस्त को रात के समय भूरा पुत्र कावा के पत्नी की डिलीवरी होने से वह उसके साथ सीमलवाडा अस्पताल गया था। उसकी पत्नी भी दूसरे घर पर जाकर सोई थी। इस वजह से उसके घर पर ताला लगा हुआ था और घर सूना था। रात के समय चोर घर के ताले तोड़कर अंदर घुसे और सामान बिखेर दिया। घर के एक ड्रम में गेहूं भरे हुए थे और उसी में प्लास्टिक थैली में सोने-चांदी के जेवर भी रखे हुए थे। चोरों ने ड्रम से गेहूं निकाल कर जेवरात भी चुरा लिए।

शहरी सेवा शिविरों में योजनाओं का एक ही स्थान पर मिल रहा है लाभ : सीएम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा नगर निगम और नगर पालिका हमीरगढ़ में आयोजित शहरी सेवा शिविरों का अवलोकन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भीलवाड़ा नगर निगम और नगर पालिका हमीरगढ़ में आयोजित शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण किया और जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तकसेवा पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर सभी जरूरी दस्तावेज और सेवाएं मुहैया कराना है। इनमें जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों के साथ-साथ पेंशन, राशन कार्ड, सड़क मरम्मत और स्वच्छता जैसे कार्य भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहेब आंबेडकर की अंत्योदय की भावना को धरातल पर उतारने के लिए ये शिविर प्रभावी साधन बन रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इन शिविरों का भरपूर लाभ उठाएं और अपने आस-पास के पात्र व्यक्तियों को भी इसका लाभ दिलाने में सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने पूर्व सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उस समय भ्रष्टाचार चरम पर था और पेपर लीक जैसे मामलों ने युवाओं के सपनों को तोड़ा। वहीं वर्तमान सरकार में किसानों, गरीबों, महिलाओं और युवाओं के हित में योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीते दो वर्षों में एक भी परीक्षा का पेपर लीक नहीं हुआ है, जिससे सरकार की पारदर्शिता और प्रतिबद्धता सिद्ध होती है।

कार्यक्रम में सीएम भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा का स्वागत किया गया।

■ 'पूर्व सरकार के समय भ्रष्टाचार चरम पर था और पेपर लीक जैसे मामलों ने युवाओं के सपनों को तोड़ा'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने जबरन या प्रलोभन देकर किए जा रहे धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाया है। इससे सामाजिक समरसता को बनाए रखने में मदद मिलेगी। शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू किए गए सेवा पखवाड़े के अंतर्गत ये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संदेश केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार का प्रतीक है। शिविर के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया और उन्हें चेक व पट्टे वितरित किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि आमजन को घर बैठे सभी सेवाएं मिलें। कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक गोपाल खंडेलवाल, अशोक कोठारी, लादूराम पीतलिया, उदयलाल भड़ाना सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

कोटा में जिंक व्यापारी के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई

इनकम टैक्स की टीम ने व्यापारी की फैक्टरी पर पहुंचकर फाइलें खंगाली

कोटा, (निसं)। इनकम टैक्स की टीम ने कोटा में एक प्रतिष्ठित जिंक व्यापारी के ठिकानों पर छापा मारा है। टीम मंगलवार सुबह ही व्यापारी की फैक्टरी पर पहुंच गई थी। यहां पर अधिकारियों ने दबिश दी है। साथ ही कारखाने की जुड़ी सभी फाइलों को खंगाला जा रहा है।

कोटा सिटी एसपी तेजस्विनी गौतम का कहना है कि इनकम टैक्स की टीम ने उनसे जाप्ता मांगा था और उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से तैनात किया है। हालांकि इनकम टैक्स की टीम की तरफ से कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बाहर खड़ी हुई सभी गाड़ियां दिल्ली से यहां पर आई हैं। इनमें से कुछ गाड़ियां एक-दो दिन पहले ही कोटा पहुंच गई थी, जबकि ज्यादातर गाड़ियां सोमवार शाम को यहां पर आई हैं। आयकर विभाग की टीम अंदर दस्तावेज और कंप्यूटर रिकॉर्ड की जांच कर रही है। इस टीम की करीब दो दर्जन के आसपास गाड़ियां कोटा में मौजूद हैं। इंडस्ट्रियल एरिया में सिक्योरिटी के लिए एक कंपनी के सुरक्षाकर्मी तैनात हैं जिनका ड्यूटी टाईम सुबह बदल गया था। इसमें मॉर्निंग शिफ्ट वाले लोग पहुंच गए थे लेकिन जब टीम यहां पर आई तब उन्होंने किसी को भी बाहर नहीं जाने दिया। इसी दौरान दूसरी टीम के लोग वहां फंस गए। सभी लोगों के मोबाइल बंद कर दिए। ऐसे में कंपनी के सुपरवाईजर को उनके परिजन फोन करने लगे। इसके बाद सिक्योरिटी कंपनी के लोग भी यहां पर पहुंच गए। इसी दौरान बिजली के बिल की रीडिंग लेने पहुंचे एक व्यक्ति को भी अंदर ही रोक लिया गया। फैक्टरी में पूरी तरह से मशीनरी को बंद रखा गया है। वहीं मजदूर को भी एक तरफ कोने में बैठा दिया था। इसके अलावा अन्य सभी स्टॉफ को भी ऑफिस से दूर रखा गया था। इन सब लोगों को सुबह 11.40 पर रिलीज किया गया है। सिक्योरिटी की ड्यूटी दे रहे एक कर्मचारी का कहना है कि उनके मोबाइल फोन भी बंद कर दिए थे और यह टीम सुबह 6 बजे ही पहुंची थी।

सियार के हमले से बालक घायल

बयाना/भरतपुर, (निसं)। उपखंड के वमनपुरा गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां सियार (गेदुआ) के हमले में एक 12 वर्षीय बालक घायल हो गया। घायल बालक मंकेज, निवासी कैर, मंगलवार को स्कूल से लौटते समय रास्ते में सियार का शिकार बन गया। मंकेज के चाचा रामसिंह ने बताया कि बच्चा स्कूल से घर लौट रहा था, तभी गांव के रास्ते में अचानक एक सियार ने उस पर हमला कर दिया।

बयाना उपजिला अस्पताल में चोर सक्रिय

बयाना/भरतपुर, (निसं)। उप जिला अस्पताल बयाना में इन दिनों चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। मंगलवार को अस्पताल परिसर में इलाज के लिए आए एक मरीज की जेब से अज्ञात चोर 25 हजार रुपये निकालकर फरार हो गया। इस घटना से अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जेबें टटोलते नजर आए।

मूल रूप से उपखंड के मुआवली गांव निवासी जगदीश जाटव ने बताया कि वह मंगलवार को ओपीडी में डॉक्टर को दिखाने आया था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने पीछे की जेब से 25 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने बताया कि यह रकम उसे बयाना के रीको क्षेत्र में ट्रक से पत्थर डालने की एवज में मिली थी। जगदीश ने घटना की शिकायत स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

■ मरीज की जेब से 25 हजार रुपये पार किये

गौरतलब है कि इससे पहले भी कुछ महीने पूर्व अस्पताल परिसर में ही निःशुल्क दवा काउंटर के पास एक बुजुर्ग व्यक्ति के थैले में चीरा लगाकर रुपये चोरी करने की घटना सामने आई थी। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों में डर का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रशासन और पुलिस से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मांगों को लेकर युवक मोबाइल टावर पर चढ़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में सीएम के दौरे के बीच बीलिया कलां गांव का एक युवक कस्बे में मोबाइल टावर पर चढ़ गया। देर शाम तक युवक टावर पर मौजूद रहा। नीचे लोगों की भीड़ जुटी है।

जानकारी अनुसार, बीलियाकलां का निवासी सूरज माली मंगलवार दोपहर हमीरगढ़ में रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित मोबाइल कंपनी के टावर पर चढ़ गया। देखते ही देखती बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर भीड़ जुट गई। उधर, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के सीएम ड्यूटी में व्यस्त होने से वहां कोई अधिकारी नहीं पहुंच पाया। पुलिस को जानकारी मिली कि युवक शुभ लक्ष्मी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ प्रदूषण फैलाने का आरोप लगाते हुये कार्रवाई की मांग कर रहा है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंच समझाइश का प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी ओर युवक का आरोप है कि क्षेत्र में संचालित प्रोसेस हाउस और फैक्ट्रियों द्वारा खुलेआम नियमों की अवहेलना करते हुए ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलाया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्यवाही नहीं करते, जिसके कारण आस पास के ग्रामीणों का जीवन दूभर हो रहा है। पीड़ित युवक का कहना था कि कोयले की राख, तेज ध्वनि और दुर्गंध की वजह से उसकी गेंदे के फूल की खेती पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। कई बार सीएम और पीएम तक को शिकायत भेजने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हो पाई, जिसके कारण उसे यह कदम उठाने को मजबूर होना पड़ा है।

काला हिरण शिकार मामले की सुनवाई हुई

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट में मंगलवार को जस्टिस संदीप शाह की कोर्ट में वर्ष 1998 के काला हिरण शिकार मामले की सुनवाई हुई। इसमें राज्य सरकार की ओर से दायर लीव टू अपील और सलमान खान की ओर से सजा के फैसले को चुनौती देने की याचिका शामिल है। इन दोनों पर एक साथ विचार हुआ। हालांकि, मामले में सरकारी वकील ने समय मांगा। इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई 8 सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं। मामले में बिश्नोई समाज के वकील महिपाल बिश्नोई ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पेश लीव टू अपील और सलमान खान द्वारा अधीनस्थ न्यायालय से मिली सजा के खिलाफ अपील, जो पिछले दिनों राजस्थान हाईकोर्ट में ट्रांसफर की गई थी।

मोरेल नदी पर टूटी सड़क से 40 गांवों का सम्पर्क कटा

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के बरनाला तहसील अंतर्गत टिगरिया गांव के पास मोरेल नदी पर टूटी सड़क व पुलिया के कारण बौंली एवं बामनवास उपखंड क्षेत्र के करीब 40 गांवों का आपसी संपर्क कटा हुआ है। इस कारण छात्र-छात्राओं को विद्यालयों में अध्ययन करने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस मार्ग पर वाहन चालकों का तो आवागमन ही बहुत कठिन हो गया है। इस मामले को लेकर स्थानीय ग्राामीणों ने भडौती के सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी अविनाश कुमार व बहादुर सिंह गुर्जर को भी सड़क मार्ग ठीक करने को लेकर अवगत कराया था लेकिन एक माह गुजर जाने के बाद भी सड़क मार्ग ठीक नहीं हो पाया, जबकि अधिकारियों ने सड़क मार्ग को जल्द ठीक करने का आश्वासन दिया था। ग्रामीणों ने इस सड़क मार्ग को शीघ्र ठीक करा कर बौंली व बामनवास क्षेत्र के 40 गांवों का आगमन सुचारु कराने की मांग की है।

छात्र-छात्राओं को विद्यालयों में जाने में परेशानी हो रही है।

साढ़े चार हजार प्रिंसिपल के तबादले किये

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने बड़ी संख्या में ट्रांसफर करने के लिए 508 पेज की लिस्ट पिछले दिनों तैयार की थी, माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट के ई-हस्ताक्षर किए गए। इसमें साढ़े चार हजार प्रिंसिपल के तबादले किये गये हैं।

स्थानान्तरित प्रिंसिपल को तत्काल प्रभाव से रिलीव करने और जॉइन करने के आदेश दिए गए हैं। हालांकि फिलहाल कोई तारीख तय नहीं की गई है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों के शिक्षा प्रिंसिपल बदले हैं। इसमें अधिकांश टीचर्स को उनकी मनपसंद जगह लगाने का प्रयास किया गया है। वहीं बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को शहर से गांवों में भी भेजा गया है। गत वर्षों में जिन स्कूलों को सीनियर सैकंडरी में क्रमोन्नत किया गया था, उनमें भी अब प्रिंसिपल लगा दिए गए हैं। शहर के अंदर पिछले कई सालों से जमे सैकड़ों प्रिंसिपल को अब गांवों में पदस्थापित किया गया है।

प्रिंसिपल ट्रांसफर से पहले भाजपा के विधायकों से एक तय संख्या में डिजायर ली गई थी। भाजपा विधायक जहां नहीं हैं, वहां भाजपा के प्रत्याशी रहे नेता से या फिर सांसद से डिजायर ली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में विधायकों ने डिजायर भी दी और एक तय संख्या में अलग से नाम भी दिए। इन्हीं नामों को ट्रांसफर लिस्ट में जगह दी गई है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के समक्ष ये ट्रांसफर लिस्ट करीब 20 दिन पहले ही रख दी गई थी। बाद में इसे विधानसभा सत्र के चलते रोक दिया गया था। फिर श्राद्ध पक्ष के कारण लिस्ट रोकी गई, लेकिन अब नवरात्रि के पहले ही दिन प्रिंसिपल को नए स्कूलों में पदस्थापित कर दिया गया है। राज्य सरकार ने इसके लिए स्वीकृति जारी की और देर रात ये लिस्ट जारी हो गई। आदेश में साफ लिखा गया है कि राज्य सरकार के पत्र की पालना में ये ट्रांसफर किए गए हैं।

केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने निर्माणाधीन एयरपोर्ट टर्मिनल का जायजा लिया

दिवाली पर प्रधानमंत्री मोदी नए एयरपोर्ट टर्मिनल की सौगात देंगे : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि दीपावली पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नए एयरपोर्ट टर्मिनल को जोधपुरवासियों को समर्पित करेंगे। उन्होंने कहा कि टर्मिनल का कार्य अंतिम चरण में है और अक्टूबर तक इसे पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। शेखावत ने मंगलवार को निर्माणाधीन एयरपोर्ट टर्मिनल का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से कहा कि नए टर्मिनल के शुरू होने के बाद एक साथ 13 फ्लाइट्स का संचालन संभव होगा, जिससे शहर की एयर कनेक्टिविटी और भी मजबूत होगी। यात्रियों को बिजली, पानी और अन्य सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अब तक तीन बड़ी दिवाली की सौगातें दी हैं, पहली जीएसटी लागू करके, दूसरी दीयों की रोशनी से और तीसरी जोधपुर एयरपोर्ट टर्मिनल के रूप में। उन्होंने बताया कि केंद्र के आग्रह पर राज्य सरकार ने जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर और किशनगढ़ एयरपोर्ट पर रिफ्यूलिंग करने वाले विमानों पर वेट टैक्स में 26-27 प्रतिशत तक की छूट दी है। इस निर्णय से दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों की तुलना में यहां फ्यूल सस्ता होगा और इसका सीधा लाभ विमानन उद्योग को मिलेगा। शेखावत ने कहा कि इस कदम से जोधपुर में एयर ट्रैफिक में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। फिलहाल, सुबह व शाम दिल्ली और मुंबई के लिए नियमित फ्लाइट उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न केवल नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे, बल्कि जोधपुर के एलिवेटेड रोड और रिंग रोड परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। इससे शहर के ट्रैफिक प्रबंधन में व्यापक सुधार होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में भारत में एविएशन सेक्टर में बड़े विस्तार की संभावना है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह की एयरलाइंस एयर इंडिया एक्सप्रेस नए जोधपुर एयरपोर्ट टर्मिनल से संचालन शुरू करेगी। जैसे ही यह टर्मिनल बिल्डिंग पूरी होगी, एयर ट्रैफिक में बढ़ोतरी होगी और इसके बाद निजी कंपनियां भी यहां संचालन में रुचि दिखाएंगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल पूरे देश में एक हजार से कम विमान संचालित हो रहे हैं, लेकिन आने वाले पांच वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एविएशन उद्योग में अभूतपूर्व उछाल देखने को मिलेगा। इस दौरान करीब 3 हजार नए विमानों के लिए आवेदन किया गया है। इस दौरान जोधपुर एयरपोर्ट सलाहकार समिति के सदस्य अशोक माथुर, प्रकाश जीरावाला, किशोर सिंह सोलंकी, जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही नए एयरपोर्ट टर्मिनल के कार्य से जुड़े अधिकारी साथ रहे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एयर, रोड और रेल कनेक्टिविटी के साथ अब जोधपुर में नए टूरिस्ट स्पॉट विकसित किए जाएंगे, ताकि पर्यटन उद्योग को और बढ़ावा मिल सके। उनके अनुसार किसी भी विकसित देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन अहम भूमिका निभाता है और इसी दिशा में जोधपुर को नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर एक करोड़ की सायबर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सायबर पुलिस टीम ने शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर एक करोड़ चार लाख की सायबर ठगी के दर्ज प्रकरण में कार्यवाही करते हुए सायबर ठगी के आरोपी को कुन्हाड़ी इलाके से गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 6 जून को परिवादी विनोद कुमार जैन ने रिपोर्ट दी। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर उससे 1 करोड़ 4 लाख की सायबर ठगी की है। परिवादी ने अलग-अलग बैंक अकाउंट में ट्रेडिंग के नाम पर रूपये डाले है। शहर एसपी ने कहा कि परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में सायबर थाने के पुलिस उपअधीक्षक विनोद कुमार के सुपरविजन में सायबर थाने के थानाधिकारी सतीश चन्द के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली बूंदी के लंका गेट निवासी महावीर सुखवाल उर्फ डेनी को कोटा के कुन्हाड़ी इलाके के लैण्डमार्क सिटी से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

कोटा सायबर पुलिस ने ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने परिवादी के साथ हुई 1 करोड़ 4 लाख की ठगी राशि में से बैंकों से पत्राचार कर 10 लाख रूपये की राशि को होल्ड करवाया एवं 12 लाख रूपये परिवादी के बैंक में रिफंड करवाये। शहर एसपी नें बताया कि पकड़े गये आरोपी महावीर सुखवाल को न्यायालय में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पकड़े गये आरोपी के पास से 5 मोबाइल बरामद हुए है, मामले में अन्य आरोपियों एवं सायबर ठगी की शेष राशि बरामद करने के लिये अनुसंधान जारी है।

■ बारह लाख रूपये रिफंड कराये, 10 लाख रूपये बैंक खातों में होल्ड कराये

■ परिवादी ने अलग-अलग बैंक अकाउंट में ट्रेडिंग के नाम पर रूपये डाले थे

■ पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया

शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपने दोस्तों के साथ मिलकर स्वयं के खाते में इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से सायबर ठगी की राशि को डलवाता एवं अपने परिचित व रिश्तेदारों के बैंक अकाउंट में वह राशि इंटरनेट बैंकिग के माध्यम से ट्रांसफर कर देता था, फिर उस राशि को चैक व एटीएम द्वारा निकाल लेता था। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी उस राशि का उपयोग यूएसडीटी ऑनलाइन करंसी खरीदने एंव लग्जरी स्टाइल में रहने के लिये करता था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

सीढ़ियों से गिरने से आरएसी जवान की मौत

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना क्षेत्र में सीढ़ियों से गिरने से आरएसी जवान की मौत का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार आरएसी जवान संजय कुमार सीढ़ियों पर चढ़ते समय पैर फिसलने से गिर गया, जिसे अचेतावस्था में उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान जवान की मौत हो गई।

दादाबाड़ी थानाधिकारी मांगेलाल यादव ने बताया कि मूल रूप से झुंझनू के मंडावा निवासी संजय कुमार (44) जो हाल कोटा आरएसी बटालियन में डेल्टा कंपनी में पोस्टेड था। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि जवान सीढ़ियों पर चढ़ते समय पैर फिसलने से गिरकर अचेत हो गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल मौत होने का कोई कारण सामने नही आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही मौत के कारण सामने आ पायेगें। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)
Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com
Sr. No. : NPC/2025/1877 Date : 19.09.2025
Notice Inviting Bid
Bids for "Supply of 01 JCB and 01 dumper along with operator/driver, diesel-oil, repair and other expenses for sending all types of wet and dry waste from the garbage collection site located at NH 52, Lal Kui, Ward No. 44 in the Municipal Council area to the garbage collection center located at Seva Pura, Jaipur." are invited interested bidders upto 06.00 PM on 19.09.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The Bid Value are 125.00 Lacs.
NIB CODE : DLB2526A6180
UBN NO. : DLB2526SLOB19110
COMMISSIONER
MUNICIPAL COUNCIL CHOMU
Raj.Samwad/C/25/10687

Office of the Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar (Raj.)
NOTICE INVITING Bid No. 25/2025-26
NIB No. PHE2526A3166
Bids for Work of Augmentation of RWSS SARDA, Gram Panchayat SARDA Panchayat Samiti Aklera (on risk and cost basis) Sub Division Aklera & KOLUKHERI KALAN, Gram Panchayat KOLUKHERI KALAN Panchayat Samiti Manoharthana of Sub division Manoharthana to provide FHTC including one year Defect Liability period under JJM in the jurisdiction of PHED Division Jhalawar District Jhalawar are invited from interested bidder's upto 25.09.2025 at 18.00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmental websites.
1. UBN No. PHE2526WSOB06415 Cost Rs. 131.76 Lac
2. UBN No. PHE2526WSOB06417 Cost Rs. 105.40 Lac
Superintending Engineer
PHED Circle Jhalawar
DIPR/C/13668/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली
क्रमांक-Rajkaj- 2564-84 दिनांक-12.09.2025
निविदा सूचना संख्या - 11/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक मरम्मत कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण/ डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के "एए", "ए", "बी", "सी", डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण बेब साईट "www.sppp.rajasthan.gov.in" & "www.dipronline.org पर देखा जा सकता है।
NIB Code :- PWD2526A 3254
UBN No- 1. PWD2526WSOB 12190
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड करौली
DIPR/C/13764/2025

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा/2025-26/ई -27 दिनांक :- 23.09.2025
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 27/2025-26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 105.00 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 23.09.2025 एवं अंतिम तिथि 03.10.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 06.10.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN No. UNP2526WSOB00088
अधीक्षण अभियन्ता
नगर निगम, उदयपुर
राज.संवाद/सी/25/10706

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2025/6374 दिनांक :- 19.09.2025
-: ई-निविदा सूचना-2025-26 :-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 27.09.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB19246), (DLB2526WSOB19247) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/25/10680

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEEER
P.H.E.D CITY DIV. IV (NORTH) JAIPUR
Email:eenorth4.jai.phed@rajasthan.gov.in Telephone No-0141-2988545
No.: E.E./CD4(N)/2025-26/1750-64 Dated:12/9/2025
Notice Inviting Bid
Bids for work of 1. Annual Rate Contract for the work of transportation of water through Tankers in Bisalpur water supply Benefited areas (Low pressure areas) under the jurisdiction of City Division IV (North) Jaipur 2. Repair and preventive Maintenance of Centrifugal pump sets of pumphouses and their panels and Submersible pump sets and their panel of tubewell in water supply scheme under city Sub Dn-1 (North), Vidhyadhar nagar Jaipur and 3. Repair and preventive Maintenance of Centrifugal pumpsets of pumphouses and their panels and running of Pumphouse VKIA road no 5 Road no 9A, Road no 13 water supply scheme under city Sub Dn-I (North), Vidhyadhar nagar Jaipur under jurisdiction of City Div. IV(North) Jaipur NIT No 25/2025-26 is invited from interested bidders up to 06:00 PM 25.09.2025 Other particulars of the bid may be visited on the www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in of the state website.
UBN Code: PHE 2526 WSRC06561 PHE 2526 WSOB06562 PHE 2526 WSOB06564
Executive Engineer
PHED City Div. IV (North)
Vidhyadhar Nagar Japur
DIPR/C/13850/2025

विरोध प्रदर्शन आज

जयपुर। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष महेंद्र शर्मा ने संघ के सक्रिय पदाधिकारियों की आपात बैठक में लिया विरोध प्रदर्शन का निर्णय।राज्य सरकार बार-बार बजट में मंत्रालयिक कर्मचारी के हितों के लिए घोषणाएँ करके उन्हें लागू नहीं कर रही है। कर्मचारी संघ द्वारा समय-समय पर इस हेतु सरकार को अवगत कराया है, महासंघ एकीकृत भी सरकार से कई बार वार्ता कर मंत्रालयिक कर्मचारियों की वाजिब मांगों को शीघ्र पूर्ण करने का आग्रह किया है।

नाम परिवर्तन

मैं मेरा नाम साक्षी मोदी से बदलकर साक्षी पुत्री श्री सुशील कुमार मोदी निवासी बी-244, हरी मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर (राज) रख रही हूँ भविष्य में मुझे मेरे उक्त नये नाम से ही जाना पहचाना जावे।

मैं आर्मी न. 15181197A हवलदार (गनर) आदिवेप्पा शेटेननवार 199 मध्ययम रेजीमेंट है। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरे पिताजी का नाम रामअन्ना (RAMANNA) है जो की गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम रामप्पा शेटेननवार (RAMAPPA SHETTENNAVAR) है।

मैं आर्मी न. 15181197A हवलदार (गनर) आदिवेप्पा शेटेननवार यूनिट 199 मध्ययम रेजीमेंट है। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरी माताजी का नाम अक्काव्वा (AKKAVVA) है जो की गलत है। मेरी माताजी का सही नाम अक्काव्वा आर शेटेननवार (AKKAVVA R SHETTENNAVAR) है।

मैं आर्मी न. 15181197A हवलदार (गनर) आदिवेप्पा शेटेननवार यूनिट 199 मध्ययम रेजीमेंट है। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरी पत्नी का नाम दीपा (DEEPA) है जो की गलत है। मेरी पत्नी का सही नाम दीपा शेटेननवार (DEEPA SHETTENNAVAR) है।

मैं आर्मी न. 21000565W नायक (ओपीआर) बुदु शनमुख यूनिट 199 मध्ययम रेजीमेंट है। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरे पिताजी का नाम बी अप्पाराव (B APPARAO) है जो की गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम बुदुअप्पाराव (BOODU APPARAO) है।

मैं आर्मी न. 21000565W नायक (ओपीआर) बुदु शनमुख यूनिट 199 मध्ययम रेजीमेंट है। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरी माताजी का नाम बी लक्ष्मी (B LAXMI) है जो की गलत है। मेरी माताजी का सही नाम बुदु लक्ष्मी (BOODU LAKSHMI) है।

मैने अपना नाम अर्चना अग्रवाल पत्नी स्वर्गीय श्री उमेश कुमार निवासी 12/474 मालवीय नगर जयपुर से बदलकर अर्चना देवी रख लिया है भविष्य में मुझे अर्चना देवी के नाम से जाना जावे उपरोक्त दोनों नाम मेरे स्वयं के ही है।

I have changed my name Vikrant Shekhawat to Vikrant Singh Shekhawat for all legal and future purpose. Address: 112/48, Agrawal Farm, Mansarovar, Jaipur-302020

It is for general information that I, GURJAR UDAL BANESINGH, S/O BANESINGH, R/O Village Karanpur, Post Patoli, Tehsil Mahwa, DIST: Dausa, Rajasthan- 321608, declare that of mine and my father has been wrongly written as SHIVHAREE GURJAR and KARANSINGH GURJAR in my PAN Card No. DVIPG6986H. The actual name of mine and my father are GURJAR UDAL BANESINGH and BANESINGH, which may be amended accordingly.

I, Sumer Singh Meena, resident of Flat No. L-2135A, Block No. 34, Rangoli Gardens, Maharana Pratap Marg, Panchayawala, Jaipur, have changed my son's name from Sarthak Singh to Sarthak Suyash. He will be known as Sarthak Suyash in the future.

I have changed my name from Deepansu Agarwal to Deepanshu Agarwal son of Deep Mohan Agarwal. From now on I will be known as DEEPANSHU Agarwal. Address: 95 Subhash Colony, Shastri Nagar, Jaipur.

I Vinod Kumar S/O Naramdeswar Mishra R/o Flat No. 159, Vila No. 3-B, Patrkar colony, Mansarovar, Distt. Jaipur, Rajasthan-302020, have changed the name of my minor son SHOURYA MISHRA aged 12 years and he shall hereafter be known as RACHIT MISHRA.

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

एफ.आई.आर. पर एफ.आर. एफ.आर. फिर एफ.आर., आखिर माजरा क्या है ?

निति अनुसार एक अपराधिक मामले की जांच के लिए तीन बार जांच अधिकारी बदला जा सकता है। परन्तु, नवीन चौधरी की एफ.आई.आर की जांच में आखिर कब तक जांच अधिकारी नियुक्त किये जायेंगे ?

-कार्यालय संवाददाता-

- नवीन चौधरी की एफ.आई आर सीकर रोड़ पर बनी गिरधर कॉलोनी के प्लॉट नम्बर विवाद से सम्बन्धीत है।
- हैरानी की बात है कि जेडीए के आदेश अनुसार स्वयं नवीन चौधर ही उक्त जमीन के कब्जा धारी है और रिहायशी जमीन पर अवैध तरीके से शादी का हॉल और भोजनालय चला रहे है।

जयपुर। सीकर रोड, गिरधर कॉलोनी के निवासी, नवीन चौधरी, द्वारा एक जमीन के विवाद पर 13 जुलाई 2023 को मुरलीपुरा थाना, जयपुर, में कराई गई एफ.आई.आर. का मामला, किसी भी अन्य जमीनी विवाद में संबंधित एफ.आई.आर. से ज्यादा रोचक साबित हो रहा है। नवीन चौधरी की एफ.आई.आर. संख्या 365 पब्लिक 2023 का मामला रोचक इसलिए है कि इस मामले में पिछले ढाई वर्ष से तीन जांच अधिकारियों ने रिपोर्ट पेश करी है, जिसमें से पहले जांच अधिकारी का रिपोर्ट में स्पष्ट कहना था, कि दर्ज कराई गई एफ.आई.आर. में मामले को केवल सिविल स्वरूप का बताया गया और मामले पर एफ.आर. लगा दी गई। इसके बाद एक अन्य जांच अधिकारी ने इस मामले में आपराधिक मामला होने व उसकी जांच होने की पुष्टि करें, परंतु जांच अधिकारी का तबादला हुआ और मामले की जांच पर एफ.आर. लगा दी गई। तत्पश्चात एक तीसरी जांच अधिकारी ने इस मामले की जांच करी और इसे सिविल स्वरूप का बताया और किसी आपराधिक तत्व नहीं पाए जाने के कारण मामलें में पुनह एफ.आर. लगाई।

गौर फरमाने योग्य है कि इस मामलें में तीन बार एफ.आर. लगने के बाद शिकायतकर्ता नवीन चौधरी ने पुलिस प्रशासन की दया दृष्टि पाते हुए इस एफ.आई.आर. की जांच के लिए चौथी बार एक जांच अधिकारी की नियुक्ति कराए जाने और एफ.आर. हटाने में सफलता प्राप्त की।

परंतु सवाल यह है कि एक मामले की जांच कितने जांच अधिकारी कर सकते हैं और क्या तीन बार एफ.आर. लगने के बाद भी पुलिस प्रशासन मामले को पुन खोलने और जांच करने के लिए जांच अधिकारी नियुक्त कर सकते हैं। इस संदर्भ में राजस्थान सरकार के गृह विभाग में 1 जनवरी 2019 को एक नीति जारी करी थी, इस नीति में स्पष्ट लिखा है, कि "एक प्रकरण में किसी भी परिस्थिति में समस्त अधिकारियों द्वारा अनुसंधान अधिकारी का परिवर्तन कुल मिलाकर तीन बार से अधिक नहीं किया जा सकेगा।" इस नीति में आगे लिखा है कि "उक्त तीन अनुसंधान अधिकारियों की गणना में प्रथम अनुसंधान अधिकारी की भी गणना की जाएगी।"

राज्य सरकार द्वारा इस नीति का गठन किया जाना तर्कसंगत और लाज़मी इसलिए भी लगता है कि एक एफ.आई.आर. की जांच अनंत समय और अनगिनत जांच अधिकारियों द्वारा नहीं की जा सकती है, परंतु नवीन चौधरी की एफ.आई.आर. के मामले में इस स्पष्ट नीति का उल्लंघन क्यों किया जा रहा है। क्या शिकायतकर्ता की मनमर्जी की रिपोर्ट ही इस फिर की जांच को पूर्ण कर सकती है? क्योंकि तीन बार इस मामले में जांच के बाद फर लग चुकी है और एफ.आर. में दर्ज आरोप सिद्ध करने के लिए तथ्य उपलब्ध नहीं हो पाए हैं, इस मामले का सबसे रोचक तथ्य यह है, कि जिस जमीन पर चल रहे विवाद को लेकर यह एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। वह जमीन सीकर रोड, पर गिरधर कॉलोनी का प्लॉट नंबर चार है और इस रिहाई सी प्लॉट पर स्वयं जेडीए ने जांच कर पाया है, कि नवीन चौधरी ही बिना अनुमति एवं स्वीकृति के करीब 2300 वर्ग गज में एक चार बाग के नाम से रेस्टोरेंट में बैंक्वेट हॉल का अवैध निर्माण कर व्यावसायिक संचालन कर रहे हैं। जीडीए ने अपने आदेश में स्पष्ट लिखा है कि, यह निर्माण बिल्डिंग बाय लॉज का उल्लंघन होने के अलावा अवैध में अनाधिकृत है और इस प्लॉट पर स्वयं नवीन चौधरी का ही कब्जा हैं।

दरअसल इस जमीन को नवीन चौधरी ने श्रीनाथ कृपा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर रिहायशी कॉम्पलेक्स बनाने का अनुबंध किया था, इस अनुबंध के अनुसार डेवलपर द्वारा रिहायशी कॉम्पलेक्स के निर्माण हेतु रकम मुहैया कराई जा रही थी और जमीन देने के आवाज में नवीन चौधरी को रिहायशी परिसर में फ्लैट मिल रहे थे। दोनों डेवलपर और नवीन चौधरी ने मिलकर एक कंपनी का भी गठन किया था, जो निर्माण कार्य को पूर्ण करती।

परंतु नवीन चौधरी द्वारा ही जमीन का कब्जा नहीं कंपनी को नहीं दिया गया और पुलिस प्रशासन की मदद से इस मामले में वर्ष 2023 में एफ.आई.आर. दर्ज कराई। जिसमें तीन बार एफ.आर. लगने के बाद भी पुन जांच अधिकारी नियुक्त किया जा रहा है।

हैरानी की बात यह है कि उक्त जमीन का कब्जा न देने और डेवलपर के साथ बनाई गई निर्माण कंपनी हेतु बनाई गई कंपनी के पैसे को लेकर चल रहे विवाद में माननीय आर्बीट्रेटर न्यायमूर्ति विनीत कोठारी ने कमिश्नर नियुक्त कर जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थिति की जांच करने के आदेश दिए हैं, जिसकी रिपोर्ट लंबित है। पर इस आदेश से यह स्पष्ट होता है कि यह मामला सिविल स्वरूप का है और सिविल अदालत में ही इसका निस्तारण किया जा सकता है। फिर बार-बार पुलिस प्रशासन इस मामले की आपराधिक जांच क्यों करवा रहे हैं? अब इसी सम्मान अब इसी संदर्भ में श्रीनाथ कृपा डेवलप पर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थानीय एसीपी को चिट्ठी भी लिखी गई है।

छात्रों से मारपीट करने वाले छह जने गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रापथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टैगोर कॉलेज के छात्रों से मारपीट करने वाले हमलावरों को गिरफ्तार किया गया है।

वहीं एक नाबालिग को बाल सुधार को निरूद्ध कर गृह भेजा गया है। बदमाशों ने मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। इसके बाद पांचों युवकों की इंस्टाग्राम आईडी और मोबाइल नंबर ट्रेस कर पहचान के बाद पकड़ा।

शिप्रापथ थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि शिप्रापथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टैगोर कॉलेज के छात्रों से मारपीट करने वाले हेमंत मीणा निवासी अलवर,सुमित शर्मा निवासी अलवर मनीष कुमार मीणा निवासी अलवर,सौरभ मीणा उर्फ गोलू मीणा निवासी दौसा और जयशिव सैनी निवासी दौसा को गिरफ्तार किया गया है और एक एक बाल अपचारी निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भेजा गया है। वहीं पांचों जयपुर में पीजी में कमरा लेकर रहते।

मारपीट की घटना 20 सितंबर की थी। टैगोर कॉलेज में पढ़ने वाले भावेंद्र कुमार (22) निवासी बाड़मेर ने मामला दर्ज करवाया था कि वह अपने दोस्त विनोद के साथ बाइक पर अपने कमरे से जा रहा था। टैगोर स्कूल के सामने 4-5 लोगों ने बाइक रुकवाकर अचानक से लाठी और सरिया से मारपीट करना शुरू कर दिया।

आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पत्नी के सामने पति की चाकू से गोद कर हत्या करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि करधनी थाना इलाके में सरना डूंगर रीको एरिया (मेटल फैक्ट्री) में काम करने वाले रवि कुमार की बीस सितंबर को दो मजदुरो ने चाकू घोंपकर हत्या की गई थी। इस मामले में पुसि ने हरिशंकर कुशवाह(20) निवासी कुलपाडा जिला महुबा (यूपी) हाल करधनी को गिरफ्तार किया गया हैं और वहीं एक अन्य आरोपित आशीष निवासी कुलपाडा जिला महुबा (यूपी) की तलाश की जा रही है इस मामले रवि कुमार की पत्नी निर्मला ने पति की हत्या का मामला दर्ज करवाया था कि वह रवि निवासी गांव कानसिंहपुरा जिला झुंझुनूं के साथ छह साल से लिव इन में रह रही हैं। तीन साल से रवि मेटल कंपनी में काम कर रहे था। 20 सितंबर को रात आरोपित आशीष और हरिशंकर ने उसके पति रवि को चाकू घोंपकर जान से मार दिया।

फूड सेफ्टी टीम ने किया 884 लीटर नकली घी सीज

जयपुर । आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देश पर प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत मंगलवार को सीएमएचओ जयपुर प्रथम की फूड सेफ्टी टीम ने चांदपोल बाज़ार स्थित अग्रवाल रोड लाइंस पर कार्यवाही कर 884 लीटर नकली घी सरस, कृष्णा, लोटस, गोरस ब्रांड सीज किया । सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि इस फर्म का निरीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि पैकिंग पर संदेह होने पर समस्त स्टॉक चेक करने पर सरस, लोटस,कृष्णा,गोरस के प्रतिनिधियों को मौके पर बुलाया गया।

विवाधको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के लिए नियम 1 और 5)

न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट (पश्चिम) जयपुर महानगर-।।

विजेता कंवर विरूद्ध मुख्य रजिस्ट्रार जन्म मृत्यु रजिस्ट्रार व अन्य

वाद बाबत उद्घोषणात्मक

वाद सं. 96/2025 सन्

बनाम मनीषा कंवर राठौड पुत्र... जाति... स्थान निवासिनी-प्लॉट नं. 34-35, के.जी.एन.बाग, बैनाड रोड, झोटवाडा, जयपुर

... ने आपके विरूद्ध उदघोषणा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 10 माह 11 सन् 2025 को दिन में.... बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों को उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आकपे कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूचि में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता. 20 माह 9 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

रीडर-सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय

विवाधको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के लिए नियम 1 और 5)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, भुसावर (भरतपुर) राज.

मुकदमा नं. 109/2023

कल्याणसिंह आदि बनाम खैमचन्द आदि

दावा डिक्लेरेशन व हुक्म इम्तनाई दवामी अन्तर्गत धारा 88, 89 व 188 राज. काश्तकारी अधिनियम 1955

1- खैमचन्द, 2- खुशहालचन्द, 3 घनश्यामदास, 4 चिम्मनलाल, 5- जेठानन्द, 6- प्यारेलाल पुत्रान साधूराम, 7- राधाकिशन पुत्र टालाराम, 8- जसवन्तराम पुत्र सिध्दूराम जाति खत्री निवासी भुसावर तहसील भुसावर जिला भरतपुर राज0

चूँकि वादीगण कल्याणसिंह आदि ने आपके विरूद्ध दावा संस्थपित किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 26.9.25 को 10 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात हाजिर होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश किए गए हों, और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो सबका उत्तर दे सके। आपको निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन आपकी प्रतिरक्षा लिखित कथन दाखिल करें, और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति मे है, पेश करें, और जिन पर आपकी प्रतिरक्षा मुजराई दावा या प्रतिरक्षा आधारित है, और या आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे व आपके कब्जे या शक्ति मे हो या अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसे दस्तावेजो की लिखित कथन के साथ उपवद्ध किए जाने वाली सूची प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित नही होगें, तो वाद की सुनवाई और निपटारा आपकी अनुपस्थिति मे किया जावेगा।

यह आज दिनांक 20/08/25 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा से जारी किया है।

मोहर अदालत

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी भुसावर (भरतपुर) राज.

प्रपत्र संख्या 7

(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/632

चूंकि प्रार्थी श्री KAMAL CHAND CHHABRA, M-16, 6-D, ENGINEERS COLONY, MANYAWAS, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मान्यावास ट्रस्ट, M-70, 6-D, MAND N BLOCK, ENGINEERS COLONY, MANYAWAS, MANSAROVAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 18-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 28/11/2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7

(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/621

चूंकि प्रार्थी श्री मोहम्मद इसामुल हक, मकान नम्बर 58, डायमण्ड कॉलोनी बी, आगरा रोड, लालवास, जयपुर, राजस्थान 302027 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास जामिया शमसिया दारूल उलूम एजुकेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, प्लॉट नम्बर 101, 105 अशरफ कॉलोनी, लालवास, जयपुर, राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 18-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 28/11/2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

स्वास्थ्य शिविरों में 37 लाख से अधिक लोगों को मिला लाभ

- चिकित्सा मंत्री ने कहा कि आमजन को नजदीकी स्थान पर सुगमतापूर्वक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने व परामर्श सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से अभियान का आयोजन किया है

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देशभर में चलाए जा रहे स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान से लाखों लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। राजस्थान में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में 'स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार' अभियान प्रतिबद्धता के साथ संचालित कर आमजन को लाभान्वित किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से प्रदेश में अब तक 37 लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया जा चुका है।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि आमजन को अपने नजदीकी स्थान पर सुगमतापूर्वक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने एवं विभिन्न रोगों की स्क्रीनिंग कर उपचार एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार' अभियान का आयोजन किया गया है। इसके तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष रूप से फोकस किया गया है, ताकि हमारी माताएं-बहनें स्वस्थ रहें और आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ एवं सुरक्षित हो। राजस्थान इस अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासनर सचिव राठौड़ ने बताया कि अभियान के तहत राजस्थान बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रदेश में 17 सितम्बर से 22 सितम्बर तक 1 लाख 8 हजार 534 स्क्रीनिंग और विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इनमें 6 हजार 952 विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं वाले स्वास्थ्य शिविर भी शामिल हैं।

स्क्रीनिंग एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविरों में कुल 37 लाख 54 हजार 295 महिला व पुरुषों ने विभिन्न प्रकार की निःशुल्क स्वास्थ्य एवं परामर्श सेवाओं का लाभ लिया है। इनमें 19 लाख 80 हजार 156 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक आयोजित किए गए कुल 618 रक्तदान शिविरों में 38 हजार 901 यूनिट ब्लड एकत्रित किया जा चुका है।

राठौड़ ने बताया कि 17 सितम्बर से 22 सितम्बर तक 2 लाख 36 हजार 461 गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही 13 लाख 80 हजार 939 महिला व पुरूषों की एनीमिया की स्क्रीनिंग की गयी है। इसी प्रकार 4 लाख 33 हजार 780 आवश्यक टीकों की निर्धारित डोज बच्चों को लगाई गई हैं। शिविरों में 7 लाख 92 हजार 955 लोगों की टीबी की स्क्रीनिंग की गयी है। साथ ही 56 हजार 590 निक्षय मित्र भी पंजीकृत किए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि गैर संचारी रोगों में उच्च रक्तचाप हेतु 8 लाख 15 हजार 217 महिलाओं, 7 लाख 37 हजार 849 पुरूषों की स्क्रीनिंग की गयी है। साथ ही 7 लाख 51 हजार 889 महिलाओं एवं 6 लाख 76 हजार 58 पुरुषों की मधुमेह (डायबिटिज) बीमारी की स्क्रीनिंग की गयी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने बताया कि शिविरों में 43 हजार 538 लोगों की सिकल सेल बीमारी की स्क्रीनिंग की गयी है। इनमें 20 हजार 264 लोगों को सिकल सेल कार्ड वितरित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि 16 लाख 10 हजार 972 लोगों को विभिन्न कार्यक्रमों के लाभ के बार में आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं वय वंदन योजना के पात्र कुल 31 हजार 823 लाभार्थियों को कार्ड बनाकर प्रदान किए गए हैं। केन्द्रीय राजकीय संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों एवं निजी संस्थानों के द्वारा भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

डॉ. यादव ने बताया कि 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इन शिविरों में महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

महिलाओं के लिए उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर (ओरल, ब्रेस्ट एवं सर्विकल) की जांच, एनीमिया जांच और परामर्श, टीबी की जांच, आदिवासी क्षेत्रों में सिकल सेल जांच और परामर्श एवं सिकल सेल डिजीज (एससीडी) कार्ड वितरण किया जा रहा है।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल अकरम खान पुत्र श्री अब्दुल्ला खान, निवासी-मकान नम्बर 3669, बाबू का टीबा, रामगंज बाजार, जयपुर के द्वारा रजनीश कुमार दीवान पुत्र स्व. श्री बंशीधर जी दीवान, निवासी मकान नम्बर 283, रामगंज अनाज मण्डी, चौकडी घाटगेट, जयपुर के मालिकाना स्वामित्व की सम्पत्ति मकान नम्बर 283, रामगंज अनाज मण्डी, चौकडी घाटगेट, जयपुर को क्रय कर रहा है। यदि किसी भी खास व आम को उक्त सम्पत्ति की खरीद से आपत्ति हो तो आगामी 3 दिन के अंदर हमसे सम्पर्क कर लें बाद गुजरने मियाद किसी का कोई उज्र, आपत्ति मान्य नही होगी। सूचित रहें।

जुबैर इरशाद एडवोकेट, मो. 9828549967

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय सहायक कलक्टर फागी जिला जयपुर

हेमराज वगै० बनाम शान्ति देवी वगै०

वाद घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा

वाद संख्या 105/2025

1. शान्ति देवी धर्मपत्नि राधेश्याम जाति पारीक ब्रह्मण निवासी चौरू तहसील फागी जिला जयपुर हॉल निवासी मकान नं0 2808 पुरोहित जी चौक टिक्कीवालों का रास्ता चौकडी तोपखाना जयपुर। उक्त पत्रावली में आपको इस न्यायालय में दिनांक 25.09.2025 को प्रातः 10:00 बजे दावें का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय मे स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके।आपकों यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रति रक्षा का लिखित कथन दाखिल करे और उस दिन सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे में या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावें या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।आपको सूचित किया जाता है कि उपर बताई गई तारीख पर/ प्रकाशन की दिनांक से 30 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 19 माह 09 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

मोहर

सहायक कलक्टर, फागी जिला जयपुर

कार्यालय नगर परिषद् शाहपुरा, जयपुर (राज0)

(पीपली तिराहे के पास, शाहपुरा,जयपुर)

Email:- shahpura.jaipur@gmail.com

क्रमांकः-न.प.शा./भूमि/2025-26/197 दिनांक- 19.09.2025

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदको द्वारा नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर में कृषि भूमि नियमन/69 ए पट्टा/उपविभाजन/पुर्नगठन/भवन निर्माण हेतु आवेदन किया गया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पिता /पति का नाम	स्थित भवन/भूमि का मौहल्ला रास्ता, खसरा नं. व दिशा	कुल क्षेत्रफल (वर्ग गज)	विशेष विवरण
1	श्री महावीर प्रसाद लाभी केदार खण्डेलवाल पुत्र श्री चौथमल लाभी, ललिता देवी पत्नी श्री महावीर प्रसाद	मुख्य बाजार, शाहपुरा, जयपुर खसरा नं. 3456, पूर्व- सामलाती दुकानें, पश्चिम- बजरंग लाल, महावीर प्रसाद के मकान से भेडा, उत्तर- आम रास्ता, दक्षिण - सीताराम का मकान	125	69 ए पट्टे हेतु
2	श्री सुरेश कुमार वर्मा, श्री देशराज वर्मा पुत्र श्री सूरज मल वर्मा	शाहपुरा स्मार्ट सिटी, एमडीआर रोड, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 4963/1, 4962 पूर्व-पार्क, पश्चिम- 30 फीट आम रास्ता, उत्तर-प्लॉट नं. 193, दक्षिण- प्लॉट नं. 195	111.11	आवासीय पट्टे हेतु
3	श्री प्रदीप कुमार शर्मा पुत्र श्री प्रभूदयाल शर्मा	वृन्दावन विहार कॉलोनी, शाहपुरा, जयपुर खसरा नं. 3805, पूर्व- आम रास्ता - पश्चिम-जगदीश जाट की खाली जमीन उत्तर- प्रशान्त शर्मा का मकान, दक्षिण - धर्मेन्द्र कुमार का मकान	200.00	आवासीय पट्टा हेतु
4	श्रीमती संतोष देवी शर्मा पत्नी श्री राजेन्द्र	न्यू सूर्या नगर, बिदारा, शाहपुरा, जयपुर खसरा नं. 347, पूर्व- आम रास्ता - पश्चिम-अन्य की भूमि उत्तर- प्लॉट नं.40, दक्षिण - प्लॉट नं. 42	60.33	आवासीय पट्टा हेतु

अतः किसी को भी इस बाबत् आपत्ति हो तो 07 दिवस में मय सबूत लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को आपत्ति पेश करे, बाद अवधि विचार संभव नही होगा।

राज.संवाद/सी/25/10650 आयुक्त

न्यायालय जिला एवं सैशन न्यायाधीश करौली

मुकेश बनाम हर खास व आम वगै.

प्रार्थना पत्र उत्तराधिकार प्रमाण पत्र

मुकदमा नम्बर सी.एम. 13/25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुकेश पुत्र स्व. छुट्टन लाल निवासी मांगरोल बापौती तहसील सपोटरा जिला करौली ने इस न्यायालय में प्रस्तुत होकर मृतक रामकेश राणा पुत्र छुट्टन लाल निवासी-मांगरोल बापौती तहसील सपोटरा जिला करौली के अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड सपोटरा, तहसील सपोटरा जिला करौली में मृतक रामकेश राणा की जमा राशि 1,11,250/- रूपये मय ब्याज को प्राप्त करने हेतु अपने पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। लिहाजा जिस किसी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना पत्र के स्वीकार करने में आपत्ति हो तो इस न्यायालय में नियत दिनांक 27-1-2025 को समय 10.30 पर असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे वरना गुजरने उक्त दिनांक कोई आपत्ति स्वीकार नही होगी एवं प्रार्थना पत्र एक तरफ में सुनकर फैसल कर दिया जावेगा। वसब्त मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत के आज दिनांक 23-09-2025 को जारी किया गया।

मोहर

आज्ञा से- मुन्सरिम जिला एवं सैशन न्यायाधीश करौली

उदघोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद संख्या 26/25

विषय : उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थाना-पत्र

प्रार्थी- नाम लीला देवी पत्नि स्व. प्रकाश चन्द विवाद स्थान जयपुर मृतक प्रकाश चन्द की सम्पति के विषय में।

पेशी दिनांक 13.10.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक प्रकाश चन्द पुत्र स्व. बंशीलाल निवासी 910, बागोर, भीलवाड़ा हाल निवासी : 11, अभियन्ता नगर, गोनेर रोड, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जाये।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 13 माह 10 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 5 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर

आज्ञा से अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-10, सांगानेर, जयपुर महानगर प्रथम

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772

क्रमांक-DHC-II/1024 दिनांक-23/9/25

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 24/82, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 90.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन डॉ. के.पी. माहेश्वरी पुत्र श्री बी.एल. माहेश्वरी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4973 दिनांक 30.03.1991 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 23.05.1991 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1625 दिनांक 08.07.2005 के द्वारा डॉ. के.पी. माहेश्वरी पुत्र श्री बी.एल. माहेश्वरी के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर मे दिनांक 06.12.2005 को करवा लिया गया। डॉ. के.पी. माहेश्वरी के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिय विक्रय पत्र के डॉ. महावीर शास्त्री पुत्र श्री फूलचन्द एवं श्रीमती कमलेश चौधरी पत्नी डॉ. महावीर शास्त्री को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर मे दिनांक 13.02.2006 को करवाया गया। डॉ. महावीर शास्त्री एवं श्रीमती कमलेश चौधरी के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिय विक्रय पत्र के श्री दीपक प्रकाश आसीवाल पुत्र श्री गजानंद कारीगर को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर मे दिनांक 14.08.2025 को करवाया गया। श्री दीपक प्रकाश आसीवाल पुत्र श्री गजानंद कारीगर के द्वारा मण्डल अभिलेख मे उक्त आवास की लीजडीड अपने पक्ष मे हस्तान्तरण करवाने हेतु आवेदन पत्र के साथ वैधानिक/वांछित दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध मे किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 7 दिवस मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री दीपक प्रकाश आसीवाल पुत्र श्री गजानंद कारीगर के पक्ष मे उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।

उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय जयपुर

खोया पाया

प्लॉट नं.16 श्रीनाथ जी एनक्लेव-ए, आकेडा चौड, (सिरोही ग्रह निर्माण समिति) के मूल कागजात खो गये है। मिलने पर सूचित करें। नीरा पाण्डेय 9694788803

मैं, दिनेश कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री मुंशी लाल मेरे पिताजी स्वर्गीय श्री मुंशी लाल के नाम से प्लाट एफ-10/ए, जमना लाल बजाज मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर का कार्यालय अरबन इम्प्रुवमेन्ट बोर्ड, जयपुर से जारी विक्रय पत्र संख्या 130 सम्पत् 2027 दिनांक 08.11.1960 व मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज 04.05.2024 को गिर गये थे, जिनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना अशोक नगर जयपुर (दक्षिण) में रजिस्टर्ड क्रमांक 80 दिनांक 30 जून 2024 ईस्वी को दर्ज है, मिलने पर सूचित करे। मो0 9413088842

मेरा मकान सं. 261/404, प्रताप नगर जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें सन्तोष देवी- 7014601424

में भवंरलाल रामकिशोर पुत्र श्री गोमाराम जाति कुमावत हमारी गिरीराज नगर में दुकाने है ठिकाने के द्वारा जारी पट्टा जो भगवानराम पुत्र श्री रामजीलाल महाजन जाति महाजन निवासी गिरिराज नगर कि. रेनवाल के नाम जारी था जिसका क्षेत्रफल 30 गज X 10 गज = 300 वर्गगज था मूल प्रति गुम हो गई अतः पट्टा किसी को मिले संपर्क करें 9784116576

कार्यालय सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्रा.स्वा. केन्द्र रूपबास (तिजारा) खैरथल-तिजारा

क्रमांक 2025/70 दिनांक 21.09.2025

खुली निविदा सूचना

सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ० स्वा० केन्द रूपबास (तिजारा) खैरथल - तिजारा द्वारा सेवाये उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत संस्था से निम्नानुसार निविदा आमन्त्रित की जाती है ।

क. स.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि रूपयें	निविदा शुल्क रूपयें	बोली प्रपत्र प्राप्ती की अन्तिम तिथी व समय	बोली प्रपत्र जमा कराने की अन्तिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र खोलने की तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	कंप्यूटर ओपरेटर मैन विद मशीन (संविदा-)	150000/-	3000.00/-	100.00/-	30.9.2025 12.00 PM	30.9.2025 1.00 PM	30.9.2025 2.00 PM
2.	(1) सफाई व्यवस्था मय सामग्री	150000.00/-	3000.00/-		30.9.2025 12.00 PM	30.9.2025 1.00 PM	30.9.2025 2.00 PM

नियम एवं शर्ते :-

1. निविदाऐ दोहरी विड प्रणाली अनुसार प्रस्तुत करनी होगी। पहला लिफाफा (क) तकनीकी बिड का होगा जिसमे अमानत राशि का डीडी/बैंकर्स चैक, समस्त वांछित डॉक्युमेंट की प्रमाणित छायाप्रति मय निविदा फार्म लगाया जायेगा। डीडी/बैकर्स चैक राजस्थान मेडिक्येर रिलीफ सोसाइटी रूपबास के नाम से व अलवर शाखा पर देय होगा। दुसरा लिफाफा (ख) वित्तीय बिड का होगा जिसमें सिर्फ प्रस्तावित दरें ही दी जावेगी। तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की ही वित्तीय बिड खोली जावेगी।
2. प्राप्त निविदाऐं दिनांक 30.09.2025 को दोपहर 1.00 तक जमा की जायेगी तथा 30.09.2025 को दोपहर 2.00 निविदा समिति के सदस्यों द्वारा उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जावेगी।
3. तकनीकी विवरण एवं निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है । जो कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करा प्राप्त की जा सकती है।
4. अधिक जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।
5. निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने के सम्बन्ध मे समस्त अधिकार कमेटी के पास रहेगा।

सचिव राज.मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ० स्वा. केन्द्र रूपबास (तिजारा)

कार्यालय सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्रा.सा. केन्द्र मिलकपुर तुर्क (तिजारा) खैरथल-तिजारा

क्रमांक 2025/75 दिनांक 22.09.2025

खुली निविदा सूचना

सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ० स्वा० केन्द्र मिलकपुरतुर्क (तिजारा) खैरथल - तिजारा द्वारा सेवाये उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत संस्था से निम्नानुसार निविदा आमन्त्रित की जाती है ।

क. स.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि रूपयें	निविदा शुल्क रूपयें	बोली प्रपत्र प्राप्ती की अन्तिम तिथी व समय	बोली प्रपत्र जमा कराने की अन्तिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र खोलने की तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	कंप्यूटर ओपरेटर मैन विद मशीन (संविदा-)	150000/-	3000.00/-	100. 00/-	30.9.2025 12.00 PM	30.9.2025 1.00 PM	30.9.2025 2.00 PM
2.	(1) सफाई व्यवस्था मय सामग्री	150000. 00/-			30.9.2025 12.00 PM	30.9.2025 1.00 PM	30.9.2025 2.00 PM

नियम एवं शर्ते :-

1. निविदाऐ दोहरी विड प्रणाली अनुसार प्रस्तुत करनी होगी। पहला लिफाफा (क) तकनीकी बिड का होगा जिसमे अमानत राशि का डीडी/बैंकर्स चैक, समस्त वांछित डॉक्युमेंट की प्रमाणित छायाप्रति मय निविदा फार्म लगाया जायेगा। डीडी/बैकर्स चैक राजस्थान मेडिक्येर रिलीफ सोसाइटी रूपबास के नाम से व अलवर शाखा पर देय होगा। दुसरा लिफाफा (ख) वित्तीय बिड का होगा जिसमें सिर्फ प्रस्तावित दरें ही दी जावेगी। तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की ही वित्तीय बिड खोली जावेगी।
2. प्राप्त निविदाऐं दिनांक 30.09.2025 को दोपहर 1.00 तक जमा की जायेगी तथा 30.09.2025 को दोपहर 2.00 निविदा समिति के सदस्यों द्वारा उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जावेगी।
3. तकनीकी विवरण एवं निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है । जो कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करा प्राप्त की जा सकती है।
4. अधिक जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।
5. निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने के सम्बन्ध मे समस्त अधिकार कमेटी के पास रहेगा।

सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्रा. स्वा. केन्द्र मिलकपुर तुर्क (तिजारा)

भारत अजेय नहीं है और बुधवार को जब उनकी टीम एशिया कप सुपर चार के मुकाबले में मौजूदा विश्व चैंपियन से भिड़ेंगी तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पिछले चार मैचों में क्या हासिल किया है। **– फिल सिमंस**

बांग्लादेशी कोच, भारत से होने वाले मुकाबले को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ अमन सहरावत

भारतीय कुश्ती महासंघ ने सोमवार 22 सितंबर 2025 को पेरिस ओलंपिक के ब्रान्ज मेडल विजेता अमन सहरावत को वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वीकार्य वजन सीम पर खरा नहीं उतर पाने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया। लेकिन प्रतियोगिता के दिन उनका वजन 1.7 ज्यादा निकला। जिस कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। डब्ल्यूएफआई ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि जगरेब में चार कोच मौजूद थे, लेकिन वे वजन प्रबंधन पर नजर नहीं रख पाए और इसके मद्देनजर उन्हें भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

फाइनल के लिए जगह पक्की करने उतरेगा भारत

दुबई, 23 सितंबर। प्रशंसकों, तैयार हो जाइए, क्योंकि कल रात भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला है, और यह एक शानदार मैच है। सुपर फोर का माहौल गरमा रहा है और हर तरफ़ चर्चा है। भारत अब तक अजेय रहते हुए मोर की तरह आगे बढ़ रहा है, जबकि बांग्लादेश कुछ आसान जीत के बाद जोश में है। लेकिन सीधे शब्दों में कहें तो, यह एकतरफा मुकाबला रहा है। 17 टी20, 16 भारतीय जीतें, और बांग्लादेश के लिए सिर्फ एक जीत-2019 में, जब बेन स्टोक्स अंपायरों से मिन्नतें कर रहे थे और टिकटॉक पर अभी तक कोई हलचल नहीं हुई थी।

भारत वे खुश हो रहे हैं। शीर्ष पर अभिषेक शर्मा ऐसे धमाल मचा रहे हैं जैसे उन्हें कोई ट्रेन पकड़नी हो-पाकिस्तान के खिलाफ 39 गेंदों पर 74 रन? टूर्नामेंट की अब तक की सबसे बेहतरीन पारी। दूसरे छोर पर शुभमन गिल कमाल के हैं – ऐसे खेलते हैं जैसे उनके पास दुनिया का सारा समय हो। फिर कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं, जो मजे के लिए रिवर्स स्कूपिंग करते हैं, और तिलक वर्मा चुपचाप गेंद को घुमाते हैं। संजू सैमसन छिपकर खेलते हैं, हार्दिक पांड्या अपनी लय में आते हैं, शिवम दुबे स्विंग करते हैं-ये बल्लेबाजी की गहराई है जो कई दिनों तक टिकेगी।

और गेंदबाजी-इसे मत भूलना। कुलदीप यादव गेंद को घुमाते हैं, वरुण चक्रवर्ती अपनी चालों से रहस्यमयी हैं, और जसप्रीत बुमराह, जिन्होंने अभी तक अपनी जगह नहीं बनाई है, लेकिन चिंता न करें-उनके पास तूफानी गेंदबाजी है। हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को सीम-अप के साथ जोड़ दें, तो आपके पास एक अच्छी टीम है।

अब, बांग्लादेश यहां संख्या बढ़ाने के लिए नहीं है। वे मजबूत रहे हैं। सैफ हसन ने श्रीलंका के खिलाफ 61 रनों की शानदार पारी खेली है, तंजीद हसन शीर्ष क्रम में व्यस्त हैं, और लिटन दास उनके कप्तान हैं, जो हमेशा खेल में बने रहते हैं। तौहीद हृदोय लगातार रन बना रहे हैं, चार मैचों में 127 रन बना चुके हैं – वो भी पूरी फॉर्म में। और जैकर अली को नजरअंदाज मत कीजिए, जिन्हें आखिरी ओवरों में धमाकेदार पारी खेलना पसंद है।

गेंदबाजी? मुस्तफिजुर रहमान-द फ़िज-धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे हैं, सात विकेट ले चुके हैं, वो भी धीमी गेंदों से जो बल्लेबाजों को बेबस दिखाती हैं। तस्कीन अहमद अपनी लेंथ पर गेंदें मार रहे हैं, महेदी हसन की स्पिन गेंदें नियंत्रण में हैं, और अगर पिच पकड़ती है, तो खेल शुरू हो सकता है।

पिच की बात करें तो-दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम एक अजीबोगरीब पुरानी जगह है। शुरुआत में तेज गेंदबाजों के लिए थोड़ी मूवमेंट होती है, फिर धीरे-धीरे सपाट हो जाती है। बीच के ओवरों में स्पिनरों को थोड़ी मदद मिलती है, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है-शाम को ओस पड़ने से लक्ष्य का पीछा करने वालों के लिए काम आसान हो जाता है। यहाँ सात में से पाँच मैच बाद में बल्लेबाज़ी करने वाली टीम ने जीते हैं। तो, टॉस जीतो, डटे रहो, और जीत का पीछा करो। आसान है।

मौसम गर्मी, चिपचिपाहट, बारिश नहीं। खूब पसीना आ रहा है, इसलिए तौलिया साथ ले आओ।

तो फैसला क्या है? भारत प्रबल दावेदार है-अजेय, आत्मविश्वास से भरपूर, बल्लेबाजी और गेंदबाजी में दबदबा। बांग्लादेश के पास मैच में उलटफेर करने के लिए हथियार हैं, खासकर अगर उनके गेंदबाज कमाल कर दें, लेकिन इतिहास उनके खिलाफ है। भारत इस प्रतिद्वंद्विता में सालों से दबदबा बनाए हुए है, और मौजूदा फ़ॉर्म को देखते हुए, उन्हें यह सिलसिला जारी रखना चाहिए।

लेकिन थोड़े-बहुत नाटक की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दुबई में रात में दूधिया रोशनी में होने वाला यह मैच, दर्शकों का शोरगुल होगा, और बांग्लादेश टक्कर देगा। रन, विकेट और आतिशबाजी की उम्मीद करें। भारत शुरुआत में प्रबल दावेदार होगा-लेकिन टी20 क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है। गाड़ी स्टार्ट करो!

भारत की संभावित प्लेइंग :

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन/जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती

बांग्लादेश की संभावित प्लेइंग :

सैफ हसन, तंजीद हसन तमीम, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, जेकर अली, महेदी हसन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, शरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान

क्या भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ जसप्रीत बुमराह को आराम देगा?

मुंबई, 23 सितम्बर। बुधवार को, भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगा, जो 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। यह चयन भ्रामक रूप से पेचीदा है, क्योंकि भारत पहली बार आर अश्विन के संन्यास का पूरा असर महसूस करने वाला है (उन्होंने अपने करियर के दौरान भारत के 65 घरेलू टेस्ट मैचों में से एक भी नहीं छोड़ा), जसप्रीत बुमराह के कार्यभार को अभी भी प्रबंधित करने की आवश्यकता है, और पिछले साल न्यूजीलैंड से मिली अप्रत्याशित, अभूतपूर्व 3-0 की हार से जुड़े सवाल अभी भी मंडरा रहे हैं। यहां कुछ ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब अजीत अगरकर की चयन समिति को देना होगा।

बुमराह को चुनें या उन्हें आराम दें?

अहमदाबाद में पहला टेस्ट एशिया कप के फाइनल के चार दिन बाद शुरू होगा, जिसमें भारत के खेलने की शानदार संभावना है। उनकी एशिया कप टीम के चार सदस्य – टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और बुमराह – आमतौर पर घरेलू सीरीज के लिए टेस्ट टीम में चुने जाते हैं, लेकिन उनमें से एक के लिए परिस्थितियाँ सामान्य से बहुत दूर हैं।

बुमराह ने इंग्लैंड में भारत की पिछली टेस्ट सीरीज़ में पांच में से केवल तीन मैच खेले थे, और उनकी पीठ की गंभीर चोटों के इतिहास को देखते हुए, उनकी भागीदारी का यह अनुपात निकट भविष्य में भी जारी रहने वाला है। तो क्या भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों के लिए बुमराह को चुनेगा, या सिर्फ़ एक टेस्ट मैच के लिए? या फिर उन्हें पूरी सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा?

एक या दो साल पहले इसी तरह की स्थिति में, भारत को बुमराह को आराम देना ज़्यादा मुश्किल नहीं लगा होगा। लेकिन इस समय उनके गेंदबाजी संसाधन उतने मजबूत नहीं हैं जितने उन्हें घरेलू परिस्थितियों में मिलते हैं। अश्विन की अनुपस्थिति एक बड़ी वजह है, हालांकि आप रवींद्र जडेजा, कुलदीप, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे स्पिन आक्रमण की उम्मीद कर सकते हैं। पिछले साल न्यूजीलैंड से मिली हार ने भारत को इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित किया होगा कि वे किस तरह की पिचों पर अपने घरेलू टेस्ट मैच खेलना चाहते हैं, और संभवतः चौकोर टर्न वाली पिचों की बजाय सपाट पिचों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया होगा जिससे पहली पारी में बड़ा स्कोर बन सके। हालाँकि, इस तरह के किसी भी बदलाव का मतलब तेज गेंदबाज़ों की भूमिका भी बढ़ाना होगा। और अगर बुमराह नहीं होंगे तो भारत को इस मोर्चे पर मुश्किलें आ सकती हैं।

भारत ने मोहम्मद शमी और उमेश यादव (जो लंबे समय से घरेलू टेस्ट मैचों में उनके पसंदीदा तेज गेंदबाज रहे हैं) को धीरे-धीरे बाहर करने का कोई ख़ास असर महसूस नहीं किया है, लेकिन निकट भविष्य में ऐसी स्थिति की कल्पना करना मुश्किल नहीं है जहां उन्हें खाली सतह पर पुरानी गेंद से खेलने के अनुभव और जानकारी की सख़्त जरूरत महसूस हो। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने मिलकर सिर्फ़ 19 घरेलू टेस्ट मैच खेले हैं, और प्रसिद्ध कृष्णा ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है।

महान अंपायर डिकी का निधन

लंदन, 23 सितम्बर। महान इंग्लिश अंपायर डिकी बर्ड का मंगलवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अपने दो दशकों से ज्यादा लंबे अंपायरिंग करियर में, बर्ड ने 66 टेस्ट और 69 वनडे मैचों में अंपायरिंग की, जिसमें पहले तीन पुरुष वनडे विश्व कप फाइनल भी शामिल हैं। यॉर्कशायर क्रिकेट क्लब ने एक बयान में कहा, ''डिकी बर्ड ने एक अंतरराष्ट्रीय अंपायर के रूप में एक शानदार करियर का आनंद लिया और खेल के इतिहास में सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय अंपायर के रूप में अपना नाम इतिहास में दर्ज कराया।'' ''अपने शानदार करियर में, उन्होंने 66 टेस्ट मैचों और 69 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग की, जिसमें तीन विश्व कप फाइनल भी शामिल हैं – अपनी ईमानदारी, हास्य और बेबाक शैली के लिए खिलाड़ियों और प्रशंसकों, दोनों की प्रशंसा अर्जित की। ''वह यॉर्कशायर क्रिकेट का पर्याय हैं, जहां वह सबसे वफ़ादार समर्थकों में से एक रहे हैं। 2014 में, उन्हें यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और इस पद को उन्होंने गर्व और विशिष्टता के साथ निभाया। बर्ड ने इंग्लिश काउंटी यॉर्कशायर और लीसेस्टरशायर के लिए खेला, लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय अंपायर के रूप में अपनी पहचान बनाई। अपने घरेलू करियर में, बर्ड ने 93 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिनमें 3314 रन बनाए, और 1973 में अपने अंतरराष्ट्रीय अंपायरिंग करियर की शुरुआत करने से पहले 2 लिस्ट ए मैच भी खेले। उन्होंने 1996 में संन्यास ले लिया, और आखिरी बार भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में अंपायरिंग की थी, जिसमें पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ ने पदार्पण किया था।

मानव सुथार का पंजा ऑस्ट्रेलिया 9/350

लखनऊ, 23 सितम्बर। ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए के खिलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट के पहले दिन मंगलवार को अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 350 रन बना लिए। भारत ए की तरफ से मानव सुथार ने पांच विकेट झटके।

अरावली पोलो और मेफेयर पोलो टीमें जीती

जयपुर, 23 सितम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर ऑल स्टार पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें मेफेयर पोलो टीम ने ऑल स्टार पोलो टीम को 5 के मुकाबले 6 गोल से हराया। मेफेयर पोलो टीम की ओर से सवीर, शमशीर ओर बतिस्ता ने अपनी टीम के लिए 1- 1 गोल किया। वहीं अनय सिंह ने 3 गोल किए। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से डीनो धनखड़ ओर ध्रुवपाल गोदारा ने 2- 2 ओरमतिहास ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किया। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर नेवी कानोता पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें अरावली पोलो टीम ने नेवी कानोता पोलो टीम को 5 के मुकाबले 8 गोल से हराया। अरावली पोलो टीम की ओर से हुर्र अली ने 2, देवेंद्र सिंह ने 1 ओर कुलदीप सिंह ने 5 गोल किए। नेवी कानोता पोलो टीम की ओर से गोंज़ालो यानज़ोन 4 गोल किए ओर सलीम ने 1 गोल किया।

पीकेएल-12 : टाईब्रेकर में जयपुर पिंक पैंथर्स ने यू मुंबा को हराया, जीत की पटरी पर लौटे

जयपुर, 23 सितंबर। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 48वें मैच में जयपुर पिंक पैंथर्स का सामना यू मुंबा से हुआ। निर्धारित समय तक 38-38 से टाई रहने के बाद मैच टाईब्रेकर में गया, जिसमें मेजबान जयपुर ने 6-4 के अंतर से बाजी मार ली। यह मैच वापसी के लिए जाना जाएगा। मुंबा एक समय 10 अंक से पीछे चल रहे थे और फिर उसने वापसी करते हुए न सिर्फ स्कोर बराबर किया बल्कि 10 अंक की लीड बना ली लेकिन फिर जयपुर ने शानदार वापसी करते हुए मैच को टाई करा लिया। मुंबा के लिए संदीप ने 14 अंक के साथ अपना श्रेष्ठ खेल दिखाया जबकि जयपुर के लिए नितिन धनखड़ (14) ने सुपर-10 लगाया। इसके बाद डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर संदीप को लपक स्कोर 31-36 किया और मुंबा को दो खिलाड़ियों तक सीमित किया और फिर नितिन ने उसे आलआउट की ओर धकेला और इसे अंजाम तक लाकर स्कोर 35-37 कर दिया। नितिन ने फिर सुनील को बाहर कर फासला 1 का कर दिया लेकिन संदीप ने इसे फिर 2 का कर दिया।

दिनेश कार्तिक हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए बने टीम इंडिया के कप्तान

हांगकांग, 23 सितंबर। क्रिकेट हांगकांग ने मंगलवार को घोषणा की कि अनुभवी भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक आगामी प्रतिष्ठित हांगकांग सिक्सेस 2025 में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जो 7 नवंबर से आयोजित किया जाएगा।

अपने विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव, कुशल नेतृत्व कौशल और विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए माने जाने वाले, कार्तिक का कप्तान के रूप में शामिल होना प्रशंसकों को प्रेरित करेगा और टूर्नामेंट की प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ाएगा।

इस अवसर पर, क्रिकेट हांगकांग के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ ने कहा, ''हमें हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए टीम इंडिया के कप्तान के रूप में दिनेश कार्तिक का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। उनका नेतृत्व और अनुभव इस प्रतियोगिता में अपार मूल्य जोड़ेंगे, और हमें विश्वास है कि उनकी उपस्थिति दुनिया भर के प्रशंसकों को इस शानदार क्रिकेट उत्सव का गवाह बनने के लिए आकर्षित करेगी।'' कप्तान के रूप में अपनी नियुक्ति पर, हांगकांग सिक्सेस के लिए टीम इंडिया के कप्तान दिनेश कार्तिक ने कहा, ''हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया का नेतृत्व करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है, यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका इतिहास इतना समृद्ध और वैश्विक स्तर पर जाना जाता है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के सामने पेश हुए युवराज सिंह

सोनू सूद से 24 सितंबर को होगी पूछताछ

नई दिल्ली, 23 सितंबर। भारत के पूर्व स्टार क्रिकेटर युवराज सिंह ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप वनबेट से जुड़े धन शोधन के मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष मंगलवार को पेश हुए। सफेद टीशर्ट और जींस पहे 43 वर्ष के युवराज दोपहर बाहर बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने इस हरफनमौला से पूछतछ की ओर धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत उनके बयान दर्ज किए।एक इन्फ्लुएंसर अन्वेशी जैन भी इसी मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुई। ईडी इससे पहले क्रिकेटर सुरेश रैना, शिखर धनव, रॉबिन उथप्पा, टीएमसी की पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती, अभिनेता अंकुश हाजरा से भी पूछताछ कर चुका है। अभिनेता सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

आरसीए अंडर-15 महिला टीम की ओपन चयन ट्रायल आगामी 26-28 को जयपुर में आयोजित करेगा

जयपुर, 23 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई की आगामी अंडर 15 वीमेन राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जाने वाली वीमेन अंडर 15 प्रतियोगिता हेतु आरसीए आगामी 26 से 28 सितम्बर 2025 को 3 दिवसीय राज्य स्तरीय ओपन चयन ट्रायल जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी पर आयोजन किया जायेगा।

चयन ट्रायल में भाग लेने वाली खिलाडियों को कलर्डक्लोथिंगमें आना आवश्यक है। चयन ट्रायल में वो ही खिलाडी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म दिनांक 01 /09/ 2010 से 31 /08 /2013 के मध्य हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाडियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :- कंप्यूटर जनित जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य), बोनाफाइड प्रमाण पत्र (अनिवार्य) पिछले तीन वर्षों की शिक्षा की अंकतालिका (अनिवार्य), आधार कार्ड/ वोटर आईडी/ड्राइविंग लाइसेंस/ पासपोर्ट/पैन कार्डे। अंडर 19 चयन ट्रायल में वो ही खिलाडी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म दिनांक 01 /09/ 2006 या उसके पश्चात हो।

आरसीए द्वारा आयोजित की जाने वाली 3 दिवसीय अंडर 15 वीमेन टीम चयन ट्रायल का विवरण :- दिनांक 26 सितम्बर प्रातः 10 बजे (जिले)। अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू। दिनांक 27 सितम्बर प्रातः 10 बजे (जिले) दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, प्रतापगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझनू, जोधपुर व करौली। दिनांक 28 सितम्बर प्रातः 10 बजे (जिले) कोटा, नागौर, पाली, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही, श्रीगंगानगर, टोंक, उदयपुर, जयपुर।

प्रथम पृष्ठ का शेष

राहुल गांधी की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परतों में साफ नजर आ रही हैं। जब राहुल गांधी की बिहार यात्रा आयोजित की गई थी, तो उसमें आरजेडी और सीपीआई सहित, सभी गैर एनडीए सहयोगियों को आमंत्रित किया गया था। लेकिन इसके तुरंत बाद, तेजस्वी यादव ने अपनी ''बिहार अधिकार यात्रा'' की शुरुआत अकेले ही कर दी और उन्होंने राहुल गांधी और राज्य के कांग्रेस नेताओं को न्योता देने का सामान्य शिष्टाचार तक नहीं दिखाया।

यात्रा के दौरान और उसके बाद, तेजस्वी के करीबी यह दावा करते रहे हैं कि आरजेडी न सिर्फ सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, बल्कि तेजस्वी यादव ही निर्विवाद रूप से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

कांग्रेस की आधिकारिक स्थिति यह है कि मुख्यमंत्री पद का फैसला चुनाव परिणाम आने के बाद ही किया जाएगा, हालांकि, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह, जो कांग्रेस से अधिक आरजेडी के अधिक निकट माने जाते हैं, जैसे नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनेंगे।

राहुल गांधी, आश्चर्यजनक रूप से, इस मुद्दे पर चुप रहे है।

मुद्दा यह है, व्यक्तिगत स्तर पर राहुल गांधी ने ''वोट चोरी'' के मुद्दे पर प्रभावी अभियान चलाया है, लेकिन आरजेडी नेतृत्व कांग्रेस को कोई राजनीतिक स्पेस देने को तैयार नहीं दिख रहा।

2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 19 सीटें जीती थीं, लेकिन पार्टी का यह आरोप बना रहा कि कांग्रेस को दी गई आधे से ज्यादा सीटें ऐसी थीं, जहाँ जीतना लगभग असंभव था। इस बार, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चाहे सीटों की संख्या घटाई भी दी जाए, लेकिन उन्हें ऐसी सीटें दी जाएँ जहाँ पार्टी का जनाधार मौजूद है।

फिलहाल आरजेडी और कांग्रेस दोनों अपने-अपने रास्ते पर चल रहे हैं। जहाँ अपने सम्मेलन और बैठकें अलग से कर रही है, वहीं पवन खेड़ा के नेतृत्व वाली कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी ने सभी जिलों और अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर उम्मीदवारों के बायोडाटा इकट्ठा कर लिये हैं। यह रणनीति कुछ हद तक ''घोड़े से पहले गाड़ी'' जैसी लगती है, क्योंकि इससे बड़ी संख्या में ऐसे संभावित उम्मीदवार सामने आ जाएँगे, जिन्हें बाद में टिकट देने से मना करना पड़ेगा।

> ■ **तेजस्वी ने ''बिहार अधिकार यात्रा'' आरंभ कर रखी है, जिसमें कांग्रेस या उसके नेता आमंत्रित नहीं। दूसरी ओर कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में ऐतिहासिक सदाकत आश्रम में सीडब्ल्युसी बैठक आयोजित की है, 1940 के बाद, और पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी ऊँचा है।**

ट्रंप का ''वीज़ा खेल'' : भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सफाई बस दिखावे की है। मर्चैंट बैंक बेरेनबर्ग के अर्थशास्त्री, अताकान बाकिस्कन ने ''द गार्जियन'' से बात करते हुए कहा, ''वीज़ा को बेहद महंगा बनाकर ट्रंप प्रशासन अमेरिका में वैश्विक प्रतिभाओं के आगमन को हतोत्साहित कर रहा है।'' उन्होंने इस कदम को ''विकास विरोधी नीति'' बताया और कहा कि यह नीति इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और कोडरों को दूर करके उत्पादकता को रोक देगी, खासतौर से भारत से आने वालों को, जो एच-1बी वीज़ा का 70 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा रखते हैं।

बेरेनबर्ग ने हाल ही में अमेरिका की वृद्धि का अनुमान 2 प्रतिशत से घटाकर 1.5 प्रतिशत कर दिया और चेताया कि अगर नीति में बदलाव नहीं हुआ तो 1.5 प्रतिशत का आंकडा भी जल्द ही ज़्यादा आशावादी लग सकता है। बाकिस्कन ने कहा कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में कितना भी निवेश कर लिया जाए, लेकिन सख्त इमिग्रेशन नियमों के कारण होने वाली प्रतिभाशाली मानव पूंजी की कमी को पूरा नहीं किया जा सकता।

ब्रोकरेज कंपनी एक्सटीबी की शोध निदेशक कैथलीन ब्रूक्स ने बताया कि एमेज़ॉन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, एप्पल और गूगल, एच-1बी वीज़ा का सबसे ज़्यादा इस्तेमाल करने वालों में हैं। उनके अनुसार, बड़ी कंपनियां तो शायद यह खर्च सहन कर लेंगी, लेकिन स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्र, जो प्रवासी पेशेवरों पर निर्भर हैं, भर्ती में बड़ी कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं।

भारत के लिए असर वास्तविक होगा, लेकिन सीमित। चूंकि भारतीय नागरिक वीज़ा प्राप्त करने वालों में सबसे अधिक हैं, इसलिए भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों पर शुरुआती झटका पड सकता है। उद्योग संस्था नैसकॉम ने बीबीसी से कहा कि वीज़ा शुल्क में बढ़ोतरी अमेरिका में कुछ ऑनशोर प्रोजेक्ट्स के व्यापारिक संचालन को बाधित कर सकती है, जिससे ग्राहक नए दाम तय करने या काम को, कानूनी स्थिति साफ होने तक, टालने की कोशिश कर सकते हैं। कंपनियां कर्मचारी ढांचे (स्टाफिंग मॉडल) को भी बदल सकती हैं: डिलीवरी को ऑफशोर शिफ्ट करना, ऑनशोर भूमिकाएं कम करना और स्पॉन्सरशिप को सख्त करना।

फिर भी इंफोसिस और टीसीएस जैसी भारतीय आउटसोर्सिंग कंपनियां ऐसे झटकों के लिए पहले से तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अमेरिका में स्थानीय कार्यबल तैयार किया है और ऑफशोर डिलीवरी मॉडल मजबूत किए हैं। स्टाफिंग कंपनी सीआईईएल एचआर के आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि कई फर्में यह अतिरिक्त खर्च अमेरिकी ग्राहकों पर डालने की योजना बना रही हैं और रिमोट कॉन्ट्रैक्टिंग, ऑफशोर कामकाज और फ्रीलांस कर्मचारियों पर ज्यादा भरोसा करेंगी।

आईटी सेक्टर से बाहर भी अमेरिका की अर्थव्यवस्था में भारत की मौजूदगी बहुत बड़ी है: भारतीय मूल के अधिकारी गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और आईबीएम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि अमेरिका के लगभग 6 प्रतिशत डॉक्टर भारतीय हैं। नई प्रतिभाओं की आवक को सीमित करना कई उद्योगों में रुकावटें पैदा कर सकता है। कुल मिलाकर, जहां भारत व्यवसायिक रणनीतियों और डिलीवरी मॉडल बदलकर इस तत्काल उथल-पुथल से निकल सकता है, वहीं अमेरिका के सामने बडा खतरा है, अपने ही विकास इंजन को उस वैश्विक प्रतिभा से काट देना, जिसने उसकी अर्थव्यवस्था को ताकतवर बनाया था।

> ■ **पर, अमेरिका के लिए भारतीय मूल के प्रोफैशनल्स को, जो उनकी जानी-मानी कंपनियों, जैसे, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम का नेतृत्व संभाले हुए हैं, उनका विकल्प ढूढ़ना आसान नहीं। साथ ही, इस टैलैंट का अमेरिका में प्रवेश बाधित करके, इस टैलैंट की पाइप लाइन का गला घुट जायेगा, और पाइप लाइन ''चोक'' हो जायेगी।**

आरपीएससी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रियदर्शी की नियुक्ति के बाद अब आरपीएससी में दो पूर्व आईपीएस हो गये है। हेमंत प्रियदर्शी रिटायर्ड आईपीएस अफसर हैं। वे इसी साल मई में रिटायर्ड हुए हैं। दूसरे सदस्य डॉ. अशोक कलवार जोधपुर के जाने माने कैंसर स्पेशलिस्ट हैं। तीसरे डॉ सुशील कुमार बिस्सू अजमेर जिले के रहने वाले हैं और मैथमेटिक्स में एमएससी और पीएचडी हैं।

विश्वास नहीं जम पा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और ऐसे उम्मीदवारों को ही वरीयता दी जाए। हालांकि नई प्रणाली के बारीक नियमों और उनके असर को अभी समझना बाकी है, लेकिन पूरे प्रयास ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है।

फिर भी, अचानक की गई इस घोषणा और डॉनल्ड ट्रंप की तीखी बयानबाज़ी ने विदेशी कर्मचारियों-खासतौर से टैक्नॉलजी क्षेत्र में एच-1बी वीज़ा पर काम करने वालों को अनुमति देने की व्यवस्था को नुकसान पहुँचा दिया है। तकनीकी और आईटी क्षेत्र की वे कंपनियां जो इस सुविधा का सबसे अधिक उपयोग करती हैं, अब अमेरिकी संघीय सरकार के बदले हुए रुख को लेकर चिंतित हैं।

उद्योग जगत की अन्य हस्तियों ने भी सरकार के इस कदम की आलोचना की है। इनमें प्रमुख हैं जेपी मॉर्गन इन्वेस्टमेंट बैंक के प्रमुख जेमी डाइमोन। उन्होंने कहा कि उनके दादा स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र लिए बिना ही अमेरिका आ गए थे।

टेस्ला और अन्य कंपनियों के मालिक, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने भी कहा कि वह योजना तेज दिमागों को अमेरिका आने और अपने साथ-साथ अपनाए गए देश के लिए लाभदायक तरीके से काम करने का अवसर देती थी। अमेरिकी सरकार की कुछ आश्वस्त करने वाली बातों के बावजूद माहौल पर इसका नकारात्मक असर पड़ा है।

संघीय सरकार क्या कदम उठाने वाली है, इस डर को आज 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप के भाषण में लगातार आव्रजन विरोधी रुख ने और पुख्ता कर दिया। उनके शब्दों ने अमेरिका में प्रवास को सीमित करने की उनकी सोच को स्पष्ट कर दिया।

ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र संघ पर ही आरोप लगाया कि वह सीमा पार प्रवासन को प्रोत्साहित कर रहा है और अवैध प्रवासियों को आर्थिक मदद और आवास दे रहा है। उन्होंने अपने हमले का दायरा बढ़ाते हुए यूरोपीय देशों की भी आलोचना की कि वे अवैध प्रवासन के खतरों को पर्याप्त गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ट्रंप ने इन देशों से सीधे कहा कि उनके देश बर्बादी की ओर बढ़ रहे हैं।

डॉनल्ड ट्रंप की आव्रजन और विदेशी कर्मचारियों पर की गई यह बयानबाज़ी भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसका आईटी क्षेत्र अपने निरंतर कामकाज के लिए बहुत बड़े पैमाने पर अमेरिका पर निर्भर है। एच-1बी वीज़ा का लगभग 70 प्रतिशत भारतीय आवेदकों को मिलता है और देश की बड़ी आईटी सेवा कंपनियां अपने व्यवसाय के लिए पूरी तरह अमेरिका पर टिकी हुई हैं।

भारतीय कंपनियों को जल्द ही वैकल्पिक कामकाज मॉडल ढूँढने होंगे, साथ ही अमेरिकी तकनीकी दिग्गजों को भी भारतीय प्रतिभा पर अपनी निर्भरता देखते हुए नए रास्ते अपनाने पड़ेंगे। आख़िरकार, यह साझेदारी यूँ ही नहीं बनी थी। यही दक्षता और प्रतिभा का भंडार था जिसने टैक्नॉलजी कंपनियों को उनके प्रदर्शन में नई ऊँचाइयों तक पहुँचने में मदद की।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने हमीरगढ़ में एविएशन अकैडमी का उद्घाटन किया

ड्यूंस एविएशन अकैडमी को राइज़िंग राजस्थान समिट के दौरान भूमि दी गई थी

जयपुर/भीलवाड़ा, 23 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में राजस्थान एविएशन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहां पायलट ट्रेनिंग की विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं के निरंतर विस्तार से युवाओं के लिए आसमान में अनंत संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे युवाओं को ट्रेनिंग के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को भीलवाड़ा के हमीरगढ़ में ड्यूंस एविएशन एकेडमी के उद्घाटन के अवसर पर आमजन को संबोधित कर रहे थे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में एविएशन सैक्टर नई ऊँचाइयाँ छू रहा है, जिसका उदाहरण है, कोटा का ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, उदयपुर एयरपोर्ट विस्तार के लिये 145 एकड़ भूमि की अधिसूचना तथा जयपुर में नये स्टेट टर्मिनल के लिए 12,778 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भीलवाड़ा के हमीरगढ़ में ड्यूंस एविएशन एकेडमी का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों का हमारी एविएशन पॉलिसी पर दृढ़ विश्वास है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राइज़िंग राजस्थान समिट के अंतर्गत ड्यूंस एविएशन एकेडमी को भूमि उपलब्ध कराई थी। इस पर जल्द ही फ्लाइंग शुरू भी हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान न केवल अपने युवाओं को पायलट बनाएगा, बल्कि दुनिया भर के युवाओं के लिए एविएशन की पाठशाला बनेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एविएशन सेक्टर निरंतर नई उचाइयां छू रहा है। इसमें कोटा का ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह एयरपोर्ट न केवल राजस्थान, बल्कि मध्य भारत के लिए एक महत्वपूर्ण गेटवे बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने उदयपुर के एयरपोर्ट विस्तार के लिए 145 एकड़ भूमि के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। वहीं, जयपुर के एयरपोर्ट पर नए स्टेट टर्मिनल के निर्माण के लिए 12 हजार 778 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि किशनगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन भी शुरू हो चुका है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, सांसद दामोदर अग्रवाल सहित, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, आमजन एवं ड्यूंस एविएशन एकेडमी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जगन्नाथ मंदिर का खजाना स्थायी रत्न भंडारों में स्थानांतरित

पुरी, 23 सितंबर। ओडिशा में पुरी स्थित विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर का खजाना कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वापस स्थायी रत्न भंडारों में स्थानांतरित कर दिया गया।

मंदिर की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार खजाना का स्थानांतरण सुबह 10:55 बजे शुरू हुआ और दोपहर 2:55 बजे समाप्त हुआ। रत्न भंडारों को स्थानांतरण के बाद बंद करते हुए सील कर दिया गया।

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के, शाहरुख व मैसी बैस्ट एक्टर अवॉर्ड से सम्मानित

नयी दिल्ली, 23 सितंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजधानी में मंगलवार को आयोजित एक समारोह में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण के अन्तर्गत, मलयालय सिनेमा के अप्रतिम कलाकार मोहनलाल को अति प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया।

इस अवसर पर अभिनेता शाहरुख खान को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता तथा रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। शाहरुख खान ने इस अवार्ड का साझा विक्रांत मैसी के साथ किया। शाहरुख को यह पुरस्कार उनकी फिल्म जवान के लिए तो मैसी को 12वीं फेल के लिए दिया गया। रानी मुखर्जी को मिसेज चैटर्जी वर्सेज नॉर्वे फिल्म के लिये सर्वश्रेष्ठ आंका गया।

समारोह में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार कटहल – ए जैकफ्रूट मिस्ट्री को मिला। यह फिल्म कटहल के चोरी होने और उसकी बरामदगी के बहाने व्यंग्य भरे स्वर में समाज की पड़ताल करती है, जबकि सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार 12वीं फेल को दिया गया। इस फिल्म में गांव के एक सीधे- साधे और बेहद गरीब छात्र के कड़ी मेहनत के बाद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी के लिए चुने जाने की वास्तविक घटना को फिल्माया गया है।

	PRICE REDUCTION OF UP TO#	NOW STARTING AT#	ADDITIONAL FESTIVE OFFERS OF UP TO*
FRONX	₹1 12 600	₹6 84 900	₹70 000
GRAND VITARA	₹1 07 000	₹10 76 500	₹1 29 100 + 5 Year Extended Warranty
BALENO	₹86 100	₹5 98 900	₹72 500
IGNIS	₹71 300	₹5 35 100	₹62 500
INVICTO	₹61 700	₹24 97 400	₹1 40 000
XL6	₹52 000	₹11 52 300	₹25 000
JIMNY	₹51 900	₹12 31 500	₹1 00 000

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंभ्माना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908